मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	41.5	28.5
जमशेदपुर	41.4	24.2
डालटनगंज	41.4	21.0

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

* * *

www.lagatar.in

रविवार 05 मई 2024 बैशाख कृष्ण पक्ष 12 , संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 26

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एक्सपडाईटस वर्कर्स फाउंडेशन

के द्वारा बीमा एवं वाहन खरीद पर वितिय सहायता अभियान

जीवन बीमा खरीदे
हमारे NGO के सहयोग से

MOB: 9905076175

हमारे NGO के सहयोग से जीवन बीमा मे निवेश करे और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित करें और बच्चो की उच्च शिक्षा, शादी, रिटायरमेंट प्लान इत्यादि को सुनश्चित करें।

हमारे NGO के माध्यम से मात्र एक साल का प्रीमियम भरे और 13 साल के बाद प्रीमियम राशी का 12 गुना गारेंटेड (1200% प्रतिशत तक) रकम प्राप्त करें।*

या

प्रथम वर्ष प्रीमियम की 35% (प्रतिशत) मुल्य की सहयोग राशी हमारे NGO के माध्यम से सीधे अपने खाते में तुरंत प्राप्त करें।*

स्वास्थ बीमा खरीदे
हमारे NGO के सहयोग से

MOB: 9234612182

भविष्य मे आनेवाली अचानक बिमारी के कारण अस्पताल के खर्चो से मुक्ति पाएं। हमारे NGO के सहयोग से स्वास्थ बीमा खरीदे और प्रिमियम राशी के 25% (प्रतिशत) मुल्य तक सहयोग राशी हमारे NGO के माध्यम से सीधे अपने खाते में प्राप्त करें।*

0% ब्याज पर वाहन खरीदे
हमारे NGO के सहयोग से

MOB: 7856095796

कोई भी दो पहिया वाहन और कमर्शियल वाहन पर आपके द्वारा लिए गए लोन पर लगने वाले ब्याज राशी का हमारे NGO के माध्यम से मासिक रूप से सीधे अपने खाते मे प्राप्त करें। *

नोट :- इस योजना का उदेश्य बीमा उत्पाद के प्रति समाज को जागरूक करने के साथ - साथ बिमा खरीदने के लिए लोगा को प्रोतसाहित करना और वितिय सहायता प्रदान करना है और कमर्शियल वाहन एवं दो पहिया वाहन लोन पर लिए गए ब्याज की राशी की पुर्ति करके जरूरत मंदो की मदद करना है।

* नियम व शर्तें लागु

EXPEDITUS WORKERS FOUNDATION

(Reg. Under Section 8 Company Act, 80G & 12A Certified)

Corporate Office: 3rd Floor, M.R TOWER, Gayatri Nagar, Pipra Toli, Khunti, 835210

CIN - U85300JH2023NPL019930 / PAN NO. AAHCE4288N / TAN NO.RCHE00856C

Web: www.ewfngo.org / E-mail: exwfoundation@gmail.com/admin@ewfngo.org

पश्चिमी सिंहभूम, साहिबगंज, दुमका, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला, सिमडेगा, जामताड़ा, गुमला, खूंटी और लातेहार में स्थिति भयावह

झारखंड के 10 जिलों में 30 फीसदी तक ही भू-गर्भ जल है रिचार्ज

रवि भारती। रांची

झारखंड में जलसंकट निरंतर गहराता ही जा रहा है. राज्य के 10 जिलों में भू-गर्भ जल की स्थिति भयावह हो गई है. इन जिलों में सिर्फ नौ से 30 फीसदी तक ही भू-गर्भ जल रिचार्ज हो पाया है. जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, राज्य के पश्चिमी सिंहभूम, साहिबगंज, दुमका, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला, सिमडेगा, जामताड़ा, गुमला, खूंटी और लातेहार में भू-गर्भ जल की स्थिति भयावह बनी हुई है. सबसे कम पश्चिमी सिंहभूम में सिर्फ नौ फीसदी ही भू-गर्भ जल रिचार्ज हो पाया है.

राज्य में 4292 मीट्रिक क्यूबिक मीटर भू-गर्भ जल उपलब्ध : झारखंड में 4292 मीट्रिक क्यूबिक मीटर भू-गर्भ जल उपलब्ध है, जबकि सतही जल (सरफेस वाटर) 25876.98 मीट्रिक क्यूबिक मीटर उपलब्ध है. इसमें सिंचाई के लिए 3813.70 मीट्रिक क्यूबिक मीटर पानी की जरूरत है, जबकि उद्योगों के लिए 4338 मीट्रिक क्यूबिक मीटर पानी की जरूरत बतायी गयी है. वहीं शहरी आबादी को प्रति दिन 1616.32 लाख गैलेन पानी की जरूरत है. इसके एवज में शहरी क्षेत्रों में 734.35 लाख गैलेन पानी की ही आपूर्ति हो पाती है.

- शहरी क्षेत्रों में 1616 .35 लाख के एवज में 734 .35 लाख गैलन आपूर्ति
- पश्चिमी सिंहभूम में सिर्फ नौ फीसदी ग्राउंड वाटर ही रिचार्ज
- राज्य के शहरी इलाकों में 882 लाख गैलेन पानी की है कमी
- उद्योगों को चाहिए 4338 मीट्रिक क्यूबिक मीटर पानी
- सिंचाई के लिए चाहिए 3813 .70 मीट्रिक क्यूबिक मीटर पानी

फाइल फोटो

आंकड़ों के अनुसार पूर्वी सिंहभूम में सबसे अधिक पानी का दोहन

जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक पूर्वी सिंहभूम में 131.39 % पानी का दोहन हो चुका है. इसके अलावा गोड्डा में 117.39 %, रांची के कांके में 112.4 % और धनबाद के झरिया में 105.63 % पानी का दोहन हो चुका है. इन सभी जगहों को ओवर एक्सप्लोएटेड की श्रेणी में रखा गया है. वहीं बोकारो के चास में 75.92 और रांची के रातू में 72.49 % पानी का दोहन हुआ है. इन दोनों जगहों को सेमी-क्रिटिकल श्रेणी में रखा गया है. इसके अलावा धनबाद में 92.15 और रामगढ़ में 94.29 % पानी का दोहन हुआ है. इस दोनों जिलों को क्रिटिकल श्रेणी में रखा गया है.

किस जिले में कितना भूगर्भ जल रिचार्ज

जिला	प्रतिशत
पश्चिमी सिंहभूम	09
साहिबगंज	22
दुमका	27
पूर्वी सिंहभूम	21
सरायकेला	12
सिमडेगा	27
जामताड़ा	27
गुमला	26
खूंटी	28
लातेहार	26
बोकारो	31
चतरा	35
देवघर	33
धनबाद	52
गढ़वा	35
गिरिडीह	36
गोड्डा	39
हजारीबाग	33
कोडरमा	33
लोहरदगा	40
पलामू	32
रामगढ़	39
रांची	40

2025 तक किस जिले को कितने पानी की होगी जरूरत

जिला	पानी (क्यूबिक मी.)
बोकारो	4121
चतरा	2197
देवघर	2605
धनबाद	5780
दुमका	2455
पूर्वी सिंहभूम	4966
गढ़वा	2510
गिरिडीह	5099
गोड्डा	2128
गुमला	1670
हजारीबाग	3392
जामताड़ा	1293
खूंटी	963
कोडरमा	1342
लोहरदगा	818
लातेहार	1288
पाकुड़	1582
पलामू	3761
रामगढ़	1633
साहेबगंज	1976
सरायकेला	1731
सिमडेगा	1118
पश्चिमी सिंहभूम	2562
रांची	5080

भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन ने झामुमो नेताओं पर किया तीखा हमला, कहा

दिशोम गुरु की बगिया उजाड़ फेंकी

लगाया आरोप

- झामुमो ने दिशोम गुरु को निर्णय समिति से किया दरकिनार
- गंदी और तुच्छ राजनीति पर उतर आये हैं झामुमो के नेता

मुख्य संवाददाता। रांची

दुमका लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार सीता सोरेन ने झामुमो पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने अपने 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट कर कहा है कि झामुमो द्वारा झारखंड आंदोलन के एक मजबूत सिपाही, राजनीति के भीष्म पितामह, हमारे दुखहर्ता और पालनकर्ता आदरणीय बाबा जी का जो अपमान किया जा रहा है, उससे झारखंड का कोई भी गांव अछूता नहीं है. झामुमो सुप्रीमो की तबीयत खराब होने के बावजूद झामुमो के मुखौटे में बैठे सत्ता की लालसा लिये शीर्ष नेताओं ने उलगुलान के नाम पर अपने स्वार्थ के लिए उनको कभी चिलचिलाती धूप में बैठाया, तो कभी उन्हें संसद ले गये. यही नहीं परम पूज्य दिशोम गुरु जी को निर्णय लेने वाली समिति से भी दरकिनार किया गया.

भाजपा प्रत्याशी ने लिखा : मेरे लिए राजनीति के द्रोणाचार्य हैं बाबा जी

दुमका से भाजपा प्रत्याशी ने आगे लिखा है कि दुर्गा सोरेन जी के देहावसान के बाद मुझे और मेरी बेटियों को जब मेरे ही परिवार ने दरकिनार किया, तब मुझ जैसे अबोध का बाबा जी ही एकमात्र सहारा बने रहे. उनके संरक्षण में मैंने राजनीति का क, ख, ग, घ सीखा है. मेरी बेटियों ने अपने बाबा जी की उंगली पकड़ कर चलना और अपने पैरों पर खड़ा होना सीखा. पूज्यनीय ससुर होने के साथ-साथ बाबा जी मेरे लिए राजनीति के द्रोणाचार्य हैं, जिनका अपमान करना मेरे लिए खुद के अस्तित्व पर सवाल खड़ा करना है.

जब कोई मुद्दा नहीं बचा, तो गंदी और तुच्छ राजनीति कर रहे हैं

सीता सोरेन ने कहा है कि अब जब झामुमो के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है, तो वह गंदी और तुच्छ राजनीति को जनता के सामने परोसने की कोशिश कर रहे हैं. मेरे गुरुजी, मेरे पितातुल्य बाबा जी के नाम पर राजनीति करनेवालों, उनका अनादर करनेवालों उनके बिगड़ते स्वास्थ्य का भी तनिक ख्याल कर लो, सिर्फ सत्ता की राजनीति करने से आपको सत्ता तो जरूर मिल सकती है. लेकिन ऐसी तुच्छ राजनीति से दिशोम गुरुजी जैसी कोमलता, मृदुलता, उपलब्धि और महारत कदापि नहीं मिलेगी.

बाबा के कदमों की धूल को माथे पर लगाकर लिया है संकल्प

सीता ने सोरेन ने यह भी लिखा है कि झारखंड के लोगों के दिलों में जितना प्रेम बाबा जी के लिए है, उतना ही या उससे कहीं ज्यादा मेरे दिल में भी है. मेरी बेटियां इस बात की गवाह हैं कि बाबा जी सिर्फ मेरे ससुर भर नहीं, बल्कि मेरे गुरु, मेरे पिता, मेरी छोटी राजनीतिक पारी के मार्गदर्शक और सूत्रधार भी हैं. उनके कदमों की धूल को अपने माथे में लगा कर ही मैंने दुमका की सेवा करने का संकल्प लिया है. इन रास्तों में चलने पर विरोधियों के बिछाये कांटे तो जरूर आयेंगे, पर आपको बताना चाहती हूं कि कांटों पर चलना बाबा जी का इतिहास रहा है और इस परंपरा को आगे बढ़ा कर अपने पैरों के छालों को भुला कर उन्हीं के रास्तों पर चल कर दुमका की सेवा करना मेरा प्रथम कर्तव्य है.

झामुमो ने बाबा जी के संघर्षों को भुला दिया

सीता सोरेन ने कहा कि जिन्होंने अपने खून पसीने से झामुमो पार्टी रूपी वृक्ष को सींचा और खड़ा किया, आज उसी पार्टी ने बाबा जी (शिबू सोरेन) के संघर्षों को भुला दिया है. उनकी बनायी गयी बगिया को उजाड़ कर पहले फेंका गया. फिर बंजर बना कर छोड़ दिया गया. ऐसे संस्कारहीन, नैतिकता की सारी हदें पार करने वाले झामुमो के नेता आज खुद को बगिया का मालिक समझने की भूल कर बैठे हैं.

एक दिन पूर्व सीता के एक्स हैंडल पर पोस्ट से मचा था बवाल

सीता ने कहा था- बाप-बेटे की जोड़ी ने झारखंड को लूट का अड्डा बना दिया

विशेष संवाददाता। रांची

एक दिन पूर्व दुमका से भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन के 'एक्स' हैंडल से किये गये पोस्ट पर जमकर बवाल हुआ था. दसअसल, उस पोस्ट में कहा गया था कि परिवारवादी शहजादे और बाप-बेटे की जोड़ी ने झारखंड को लूट का अड्डा बना कर छोड़ दिया है. लेकिन अब जनता ने ठान लिया है कि इस बार महाठगबंधन का पूरी तरह से सफाया होगा और 14 की 14 सीटों पर झारखंड की जनता कमल खिलाएगी. हालांकि, बाद में सीता ने इस पोस्ट को डिलीट कर दिया था और माफी मांगते हुए 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा था कि उन्हें पता चला है कि उनके सोशल मीडिया अकाउंट से एक असंवेदनशील पोस्ट किया गया है. इसके लिए वह क्षमा प्रार्थी हैं. चुनावी व्यस्तताओं के कारण उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट को चलाने की जिम्मेदारी एक सोशल मीडिया टीम को दी थी, जिनकी तरफ से यह चूक हुई है. उन्होंने कहा कि जिनलोगों ने भी उनकी राजनीति को देखा है, वह जानते हैं कि मैं बाबा का कितना सम्मान करती हूं.

झामुमो ने सीता को दिया था करारा जवाब : झामुमो की ओर से शिबू सोरेन की बड़ी बहू और दुमका से भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन को करारा जवाब दिया गया. पार्टी ने एक्स हैंडल के जरिए कहा कि दिशोम गुरु एवं आपके अपने पिता तुल्य ससुर जी आदरणीय शिबू सोरेन जी के लिए ऐसी अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल तो भाजपा के पुराने से पुराने नेता भी नहीं करते.

झारखंड में राजद के स्टार प्रचारकों में तेजस्वी यादव और तेजप्रताप भी शामिल

रांची। प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने झारखंड में 38 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की है. सभी लोग राजद व 'इंडिया' गठबंधन के लिए प्रचार-प्रसार करेंगे. इनमें बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव, तेज प्रताप यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी, मनोज झा, श्याम रजक, भोला प्रसाद यादव, जयप्रकाश नारायण यादव, उदय नारायण चौधरी, इसराइल मंसूरी, सत्यानंद भोक्ता, संजय कुमार सिंह यादव, गौतम सागर राणा, सुरेश पासवान, संजय प्र यादव, मो. नेहालुद्दीन, स्वीटी सीमा हेंब्रम, अनीता देवी, फैयाज अहमद, श्यानदास सिंह, कैलाश यादव, डॉ. मनोज कुमार, अर्जुन यादव, आबिद अली, मो. कारी सोएब, समता देवी, अभय कुमार सिंह, अनीता यादव, रंजन कुमार यादव, जमरूद्दीन अंसारी, नरेश सिंह, मनोज पांडेय, चंद्रिका यादव, रानी कुमारी, विजय राम, गिरधारी गोप, सुरेश पासवान-देव, लक्ष्मण यादव, घनश्याम चौधरी हैं. कैलाश यादव ने कहा कि लिस्ट में शामिल सभी लोगों को मुख्य चुनाव आयोग से आए स्टार प्रचारक का अनुमति कार्ड वितरण कर दिया गया है. उन्होंने कहा कि लिस्ट में कुछ और लोगों का विस्तार संभव है.

38 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की है.

पीएमएलए कोर्ट में ईडी और बचाव पक्ष की ओर से लिखित बहस जमा

हेमंत की जमानत पर 10 को आयेगा फैसला

संवाददाता। रांची

लैंड स्कैम केस के आरोपी व झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में शनिवार को सुनवाई हुई. इस दौरान हेमंत सोरेन (बचाव पक्ष) और ईडी की ओर से कोर्ट में लिखित बहस जमा किया गया. अब कोर्ट 10 मई को अपना फैसला सुनायेगा. इससे पहले 30 अप्रैल को हेमंत सोरेन की बेल पर दोनों पक्षों की ओर से लगभग एक घंटे से ज्यादा समय तक बहस हुई थी. बहस के दौरान बचाव पक्ष की ओर से हेमंत सोरेन को जमानत देने के लिए दलीलें पेश की गयीं. दूसरी तरफ ईडी ने उनकी दलीलों का पुरजोर विरोध किया.

हेमंत ने तीन-तीन कोर्ट में लगायी है जमानत की गुहार

जेल में बंद पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने अपनी जमानत के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. उन्होंने अपने अधिवक्ता के माध्यम से जमानत याचिका दाखिल की है. हेमंत सोरेन ने रांची पीएमएलए कोर्ट के अलावा झारखंड हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी जमानत की गुहार लगायी है. बता दें लैंड स्कैम केस के प्रमुख आरोपी हेमंत सोरेन और बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद हैं. हेमंत सोरेन को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 30 जनवरी की रात गिरफ्तार किया था. वहीं इसी केस में अफसर अली, अंतु तिर्की, प्रियरंजन सहाय, विपिन सिंह और इरशाद को भी ईडी गिरफ्तारी कर चुकी है.

29 % उम्मीदवारों पर दर्ज हैं आपराधिक मामले

प्रमुख संवाददाता। रांची

खास बातें

- 20 प्रतिशत के खिलाफ दर्ज हैं गंभीर आपराधिक मामले
- पांच करोड़पति उम्मीदवार भी चुनाव मैदान में लगा रहे जोर

झारखंड में पहले (देश के पांचवे) चरण का मतदान 13 मई को होना है. इसमें कुल 45 उम्मीदवारों ने पर्चा दाखिल किया है. एडीआर की रिर्पोट के मुताबिक, कुल 29 फीसदी उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं. इसमें से 20 फीसदी उम्मीदवारों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं. भाजपा के दो और कांग्रेस के एक उम्मीदवार के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामला है.

चुनाव से पहले सभी उम्मीदवारों ने अपनी सभी जानकारियां चुनाव आयोग के सामने पेश कर दी है. खूंटी से कुल सात उम्मीदवारों ने नामांकन किया है. वहीं लोहरदगा सीट से 15 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है. सिंहभूम सीट से 14 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है और पलामू से नौ उम्मीदवारों ने नामांकन पर्चा भरा है. रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा से करोड़पति उम्मीदवारों की संख्या सबसे ज्यादा है. भाजपा के तीन उम्मीदवार करोड़पति हैं. वहीं जेएमएम और कांग्रेस के एक-एक उम्मीदवार करोड़पति हैं.

झारखंड : 14204 हथियार धारकों का आर्म्स लाइसेंस जमा कराया

18577 लाइसेंस में से 897 रद्द

सौरभ सिंह। रांची

लोकसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लागू होने के बाद राज्य में विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए आर्म्स लाइसेंस को जमा करवाया जाता है. चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, झारखंड में 18577 आर्म्स लाइसेंस है, जिसमें 14204 लाइसेंस धारकों ने अपना लाइसेंस जमा कराया है. वहीं 897 हथियारों के मालिकों ने लाइसेंस का सत्यापन नहीं कराया. हथियार धारकों के आर्म्स लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की गई है. साथ ही 35 लाइसेंस को जब्त भी किया गया है. वहीं 1491 लाइसेंसधारियों को विशेष परिस्थिति पर छूट दी गई है. राज्यभर में आर्म्स लाइसेंस से जुड़े 1950 मामले पेंडिंग हैं. बता दें कि गिरिडीह जिला में सबसे अधिक आर्म्स लाइसेंस रद्द किया गया है. यहां 921 में 270 आर्म्स लाइसेंस रद्द किया गया है. लोहरदगा में 675 में से 229 और बोकारो से 1136 में से 159 आर्म्स लाइसेंस रद्द किया गया है.

राज्यभर में आर्म्स लाइसेंस से जुड़े 1950 मामले पेंडिंग

झारखंड में आर्म्स लाइसेंस का विवरण

जिला	कुल लाइसेंस	जमा	जब्त	रद्द	छूट	पेंडिंग
रांची	3417	2288	04	12	525	588
खूंटी	322	290	00	01	08	23
गुमला	528	506	00	14	01	07
लोहरदगा	675	428	01	229	17	00
सिमडेगा	254	195	03	42	14	00
जमशेदपुर	1509	1178	05	65	115	146
चाईबासा	338	245	01	01	86	05
सरायकेला	748	627	00	02	27	92
पलामू	1457	1050	00	02	78	327
गढ़वा	703	624	01	46	07	25
लातेहार	262	185	00	64	00	13
हजारीबाग	979	909	00	03	25	42
रामगढ़	318	256	00	00	60	02
चतरा	506	426	00	00	00	80
गिरिडीह	921	621	18	270	72	00
कोडरमा	296	268	00	00	15	13
बोकारो	1136	896	00	159	81	00
धनबाद	1241	911	00	28	251	51
दुमका	228	178	00	00	21	29
देवघर	1063	760	00	16	20	267
गोड्डा	992	749	00	00	32	211
पाकुड़	191	163	02	03	03	20
जामताड़ा	140	127	00	00	13	00
साहेबगंज	353	324	00	00	20	09
कुल	18577	14204	35	897	1491	1950

कोयला कारोबारी पर गोलीबारी मामले में शामिल थे तीनों अपराधी

अमन गिरोह के तीन अपराधियों को एटीएस ने दबोचा

संवाददाता। रांची

- गुप्त सूचना पर गिरफ्तारी, हथियार व कारतूस भी बरामद

कोयला कारोबारी सिद्धांत बाउरी पर गोलीबारी और रंगदारी मांगने वाले अमन साहू गिरोह के तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है. एटीएस की टीम ने रामगढ़ जिले के पतरातू इलाके से तीनों अपराधियों को दबोचा है. इनके पास से दो पिस्तौल और आठ कारतूस भी बरामद हुए हैं. गिरफ्तार अपराधियों की पहचान विकास कुमार, गुलशन कुमार और महताब आलम के रूप में की गयी है.

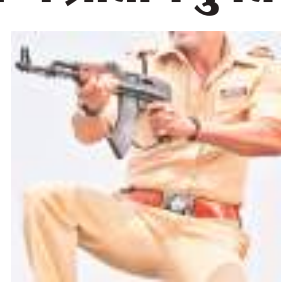

जानकारी के अनुसार, एटीएस एसपी ऋषभ कुमार झा को गुप्त सूचना मिली थी कि अमन साहू गिरोह के तीन अपराधी पतरातू के सांकुल और जयनगर क्षेत्र में छिप कर रह रहे हैं. सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी टीम का गठन किया गया और टीम ने छापेमारी कर तीनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के बाद अपराधी विकास ने बताया कि गोलीबारी की घटना में उपयोग होने वाला पल्सर बाइक इम्तियाज अंसारी के घर पर है. विकास की निशानदेही पर पुलिस ने बाइक को भी बरामद कर लिया है.

कई बड़े आपराधिक घटनाओं में शामिल रहे हैं तीनों अपराधी

गिरफ्तार तीनों अपराधियों ने कई बड़े आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया था. रामगढ़ जिले के बासल थाना क्षेत्र में बीते 20 फरवरी को दिनदहाड़े माइंस क्षेत्र में गोलीबारी, कोयला कारोबारी सिद्धांत बाउरी के घर पर गोलीबारी और ओरमांझी थाना क्षेत्र में भारतमाला सड़क निर्माण के कार्य स्थल पर गोलीबारी मामले में इन अपराधियों की संलिप्तता थी.

105 पुलिसकर्मी गढ़वा जिला बल में प्रतिनियुक्त

संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण को लेकर सीआईडी में पदस्थापित 105 पुलिसकर्मियों को गढ़वा जिला बल में प्रतिनियुक्त किया गया है. इसको लेकर सीआईडी मुख्यालय ने आदेश जारी कर दिया है. जारी आदेश में कहा गया है कि 13 मई को होने वाले चौथे चरण के लोकसभा चुनाव की ड्यूटी के लिए सीआईडी इकाई से सशस्त्र बल के रूप में 105 पुलिसकर्मियों को गढ़वा जिला बल में प्रतिनियुक्त किया जाता है. सभी हवलदार और आरक्षियों को आठ मई को गढ़वा जिला बल में योगदान देने का आदेश दिया गया है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, रविवार 05 मई 2024 बैशाख कृष्ण पक्ष 12 , संवत 2081 | पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 | वर्ष : 2, अंक : 26 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	66,800
चांदी (किलो)	83,000

ब्रीफ खबरें

चुनावों पर नजर रखेंगे 23 देशों के प्रतिनिधि

नयी दिल्ली। भारत में हो रहे लोकसभा चुनावों पर करीब से नजर रखने के लिए ऑस्ट्रेलिया, रूस, श्रीलंका और बांग्लादेश सहित 23 देशों के निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधि यहां पहुंचे हैं. आयोग ने भागीदारी के पैमाने के मामले में विदेशी प्रतिनिधियों की इस यात्रा को पहली यात्रा करार दिया. भूटान, मंगोलिया, ऑस्ट्रेलिया, मेडागास्कर, फिजी, किर्गिज गणराज्य, रूस, मोल्दोवा, ट्यूनीशिया, सेशेल्स, कंबोडिया, नेपाल, फिलीपीन, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, बांग्लादेश, कजाकिस्तान, जॉर्जिया, चिली, उज्बेकिस्तान, मालदीव, पापुआ न्यू गिनी और नामीबिया के निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं

रेप मामले में देवगौड़ा के बेटे रेवन्ना गिरफ्तार

बेंगलुरु। सैकड़ों महिलाओं के यौन शौषण के मामले में फंसे पूर्व पीएम देवेगौड़ा के बेटे जेडीएस नेता एचडी रेवन्ना को एसआईटी ने गिरफ्तार कर लिया है. उनसे एक पीड़ित महिला के अपहरण के मामले में पूछताछ की जानी है. बीते गुरुवार की रात मैसूरु में रेवन्ना के करीबी सतीश बबन्ना के खिलाफ एक महिला के अपहरण के आरोप में केस दर्ज कराया गया था. वो महिला भी यौन शोषण की शिकार है. केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने बबन्ना को गिरफ्तार कर लिया था. एसआईटी द्वारा दो बार नोटिस दिए जाने के बाद भी हाजिर नहीं होने पर रेवन्ना को हिरासत में लिया गया है.

कांग्रेस नेता लवली भाजपा में शामिल

नयी दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए. उनके साथ दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान, पूर्व विधायक नीरज बसोया तथा नसीब सिंह सहित कुछ अन्य नेताओं ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की.

वेमुला की मां ने तेलंगाना के सीएम से मांगा न्याय

हैदराबाद। रोहित वेमुला की मां राधिका वेमुला ने शनिवार को यहां तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी से मुलाकात कर परिवार को न्याय दिलाने का अनुरोध किया. सीएम ने कहा कि राज्य सरकार पूरे मामले की फिर से जांच कराएगी.

पुंछ में आतंकियों ने किया हमला,पांच जवान घायल

जम्मू। पुंछ में शनिवार को आतंकियों ने भारतीय वायु सेना के वाहन सहित सुरक्षाबलों के काफिले पर गोलीबारी की, जिसमें पांच जवान घायल हो गए. यह हमला शनिवार शाम शशिधर के पास हुआ जब जवान सुरनकोट में सनाई टॉप की ओर बढ़ रहे थे. इस हमले में पांच जवान घायल हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है.

रिपोर्ट कार्ड : संसद में सवाल पूछने और बहस में हिस्सा लेने में पीछे रहे झारखंड के सांसद

गीता कोड़ा ने सिर्फ 14 और विजय हांसदा ने 15 बार डिबेट में लिया हिस्सा

रवि भारती। रांची

17वीं लोकसभा में झारखंड के सांसद सवाल पूछने और बहस में हिस्सा लेने में पीछे रहे. वर्तमान में सिंहभूम लोकसभा से भाजपा की उम्मीदवार और वर्तमान सांसद गीता कोड़ा ने सिर्फ 14 बार बहस में हिस्सा लिया और पांच साल के दौरान 274 बैठक और 15 सत्र में 279 सवाल पूछे. वहीं झामुमो सांसद विजय कुमार हांसदा ने सिर्फ 15 बार सदन के अंदर बहस में हिस्सा लिया और सिर्फ 27 सवाल ही पूछे. दुमका से भाजपा सांसद सुनील सोरेन ने एक भी सवाल नहीं पूछा. सिर्फ 10 बार बहस में हिस्सा लिया. वहीं राज्यसभा सांसदों में धीरज साहू ने सबसे अधिक 660 सवाल पूछे.

दुमका सांसद सुनील सोरेन ने एक भी सवाल नहीं पूछा | राजमहल सांसद विजय हांसदा ने सिर्फ 27 सवाल पूछे | राज्यसभा सांसदों में धीरज साहू ने सर्वाधिक 660 सवाल पूछे

सवाल पूछने में टॉप टेन में रहे विद्युत

जमशेदपुर से भाजपा उम्मीदवार विद्युत वरण महतो सवाल पूछने में टॉप टेन सांसदों में शामिल हैं. महतो ने 632 सवाल पूछे और 87 बार बहस में हिस्सा लिया. उनकी उपस्थिति 90 फीसदी रही. वहीं गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने सिर्फ 15 बार बहस में हिस्सा लिया और 162 सवाल पूछे.

कोड़ा व हांसदा की उपस्थिति भी कम

सदन में सिंहभूम की सांसद गीता कोड़ा की उपस्थिति भी कम रही. गीता कोड़ा की उपस्थिति 69 फीसदी रही. वहीं राजमहल से झामुमो सांसद विजय कुमार हांसदा की उपस्थिति 65 फीसदी रही. विजय कुमार हांसदा इस बार भी राजमहल लोकसभा सीट से झामुमो के उम्मीदवार हैं.

संसद में किस सांसद की परफॉर्मेंस

सांसद	उपस्थिति (%)	सवाल	डिबेट
अन्नपूर्णा देवी	79	97	31
बीडी राम	89	317	79
विद्युत वरण महतो	90	632	87
चंद्रप्रकाश चौधरी	74	162	15
गीता कोड़ा	69	279	14
निशिकांत दुबे	76	375	193
संजय सेठ	87	211	77
विजय हांसदा	65	27	15

टिकट से वंचित सांसदों की परफॉर्मेंस

सांसद	उपस्थिति (%)	सवाल	डिबेट
जयंत सिन्हा	91	266	39
पीएन सिंह	89	122	19
सुदर्शन भगत	94	107	31
सुनील सिंह	93	425	67
सुनील सोरेन	92	00	10

राज्यसभा सांसदों की परफॉर्मेंस

सांसद	उपस्थिति (%)	सवाल	डिबेट
आदित्य साहू	93	79	09
दीपक प्रकाश	92	192	52
धीरज साहू	66	660	04
महुआ माजी	83	47	48
समीर उरांव	88	106	53
शिबू सोरेन	39	00	00

पलामू की जनसभा में बोले पीएम मोदी **चुनावी समर 2024** **चंपाई ने चक्रधरपुर में जोबा मांझी के लिए मांगा वोट**

पूरी दुनिया कर रही भारत के लोकतंत्र को सलाम

- **कांग्रेस छीन लेना चाहती है एससी, एसटी व पिछड़ों का आरक्षण**

शुभम संदेश टीम। /मेदिनीनगर

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत के लोकतंत्र को पूरी दुनिया सलाम कर रही है. 2014 में आपके एक वोट ने ऐसा काम किया... ऐसा काम किया कि पूरी दुनिया भारत के लोकतंत्र की ताकत को सलाम करने लग गई है. भारत का पूरी दुनिया में डंका बज रहा है. पीएम मोदी शनिवार को यहां आयोजित जनसभा में बोल रहे थे.

मोदी ने कहा कि कांग्रेस वालों से नक्शा दिखाकर पूछ लीजिए कि पलामू कहां है, तो बता भी नहीं पाएंगे. पलामू को पिछड़ा कहकर अपमानित किया जाता था. आपने मुझे सेवा का मौका दिया, तो मैंने पिछड़े जिलों को आकांक्षी जिला घोषित कर दिया. पहले अफसर ऐसे जिलों में आने से डरते थे. मैंने देश के अच्छे अफसरों को पलामू भेजा. पलामू में आकांक्षी जिला कार्यक्रम शुरू होने से बड़ा फर्क आ गया. गांव में कहीं भी अगर कच्चा मकान दिखे, उनका नाम पता लेकर मुझे भेज दीजिए. मैं गारंटी देता हूं कि उनका पक्का मकान बनाकर भेज दूंगा. मेरे लिए आप ही मोदी हैं जाकर गारंटी दे देना.

मैं आपको सतर्क करने आया हूं : पीएम ने कहा, आज हर घर डिजिटल क्रांति का हिस्सा है. मैं आपके बच्चों के लिए कर रहा हूं. सतर्क करने आया हूं. मोदी आपके जीवन में खुशहाली लाना चाहता है.कांग्रेस-झामुमो को कुछ नजर नहीं आता. कांग्रेस ने बड़ी खतरनाक बात कही है कि ये लोग अब एसटी, एससी और पिछड़ों का आरक्षण छीन लेना चाहते हैं. जब संविधान बन रहा था तभी तय हुआ था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं मिलेगा. लेकिन ये कांग्रेसी आपका आरक्षण छीन कर मुसलमानों को देना चाहते हैं.

मैं नहीं छीनने दूंगा आपका हक

जब तक मोदी जिंदा है, तक आपका हक नहीं छीनने दूंगा. मैं संविधान पर कोई छेड़छाड़ नहीं करने दूंगा. मेरा सौभाग्य है कि मैं देश का पहला पीएम हूं जो उलिहातू गया. भगवान बिरसा मुंडा के गांव गया. साल 2025 में बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती है. हिंदुस्तान के हर कोने में गौरव से मनायी जाएगी. बीते 10 सालो में मोदी ने आपको पक्का घर दिया है. जिन लोगों को इसका लाभ नहीं मिला है उनको अब मिलेगा.

सिसई में बोले पीएम

झारखंड सरकार के लोग सुधरने वाले नहीं मुझे दिल्ली से ही डंडा चलाना पड़ेगा

सिसई (गुमला)। लोहरदगा लोस क्षेत्र के सिसई की चुनावी सभा में पीएम मोदी ने कहा है कि आने वाले पांच साल में ऐसे सभी भ्रष्टाचारियों पर कानून का डंडा चलेगा. गरीब आगे बढ़ता है तो उसके लाख दुश्मन बन जाते हैं. इंडिया गठबंधन वालों को बर्दाश्त नहीं हो रहा है कि एक गरीब मां का बेटा पीएम कैसे बन गया. मोदी 10 साल से आया हुआ है. शान से सरकार चला रहा है. मैंने संविधान की 10 साल से रक्षा की है. खुद इनके चेहरे से मोदी ने नकाब उतार दिया है. 60 साल के शासन में कांग्रेस ने देश को परिवारवाद दिया, भ्रष्टाचार दिया. और अब तुष्टीकरण दे रहे हैं. कांग्रेस जो चश्मा पहनती है, उसमें एक ही वोट बैंक दिखता है मुस्लिम वोट बैंक. जबकि भाजपा सबका साथ सबका विकास की बात करती है. मोदी शनिवार को झारखंड दौरे के दूसरे दिन गुमला के सिसई में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे.

जहां सरकारें भ्रष्ट हैं, कितना भी बजट दें, फायदा नहीं होता : पीएम ने कहा कि जहां सरकारें भ्रष्ट हैं, वहां कितना भी बजट दिया जाए, कोई फायदा नहीं होता. जिस बाल्टी में छेद हो, उसमें पानी कैसे रह सकता है. इस राज्य में कोई परीक्षा ऐसी नहीं होती, जिसका पेपर लीक न होता हो. झारखंड सरकार के लोग सुधरने वाले नहीं हैं, इसके लिए मुझे दिल्ली से ही डंडा चलाना पड़ेगा.कांग्रेस के एक सांसद के घर से नोटों के ढेर बरामद हुए. बताइए ये किसका पैसा है, आपका पैसा है या नहीं? उन्हें चोरी करने का अधिकार किसने दिया? एक मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार के मामले में जेल में है. -शेष पेज 11 पर

भाजपा करती है झूठ की राजनीति : सीएम

- **पीएम मोदी देश में बढ़ रही बेरोजगारी और महंगाई पर नहीं बोलते**

संवाददाता। चक्रधरपुर

भाजपा झूठ की राजनीति करती है. ये बातें मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कही हैं. सीएम चक्रधरपुर के बुढीगोड़ा मैदान में सिंहभूम सीट से प्रत्याशी जोबा मांझी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी झूठ बोल कर लोगों को धोखा देने का काम करते हैं. महंगाई, बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है, लेकिन मोदी इस बारे में बात नहीं करते हैं. भाजपा जुमलेबाजी करने वालों की सरकार है. उन्हें वोट मांगने का अधिकार नहीं है.

राज्य की हेमंत सरकार ने सर्वजन पेंशन योजना लागू कर यहां के सभी वृद्धों को पेंशन देने का काम किया, जब केंद्र सरकार ने आवास योजना का पैसा देना बंद कर दिया, तो राज्य सरकार ने अबुआ आवास योजना का लाभ देकर सबको तीन कमरों का पक्का मकान दिया. सरकार द्वारा 125 यूनिट बिजली फ्री दी जा रही है. हम जो कहते हैं, पूरा करते हैं. केंद्र सरकार मानकी मुंडा व्यवस्था खत्म कर देना चाहती है. हम मानकी मुंडा के बैठने के लिए भवन का निर्माण कराएंगे.

मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना चलाई जा रही है : केंद्र सरकार द्वारा वन एक्ट को शिथिल किया जा रहा है. हो भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग दिल्ली तक हो रही है, लेकिन केंद्र सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही. सरना धर्म कोड को लागू नहीं किया जा रहा है. इस लोकसभा चुनाव में महागठबंधन की जीत सुनिश्चित कर सरकार बनाना है. उन्होंने सिंहभूम लोकसभा सीट से प्रत्याशी जोबा मांझी को भारी मतों से जीत दिलाने की अपील की. इस दौरान उन्होंने स्थानीय भाषा में भी संबोधित किया.

बुढीगोड़ा मैदान में चुनावी जनसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन.

यह लोकसभा चुनाव हमारे अस्तित्व की लड़ाई है: जोबा मांझी

बुढीगोड़ा मैदान में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के संबोधन के पहले महागठबंधन की प्रत्याशी जोबा मांझी ने कहा की यह लोकसभा चुनाव हमारे अस्तित्व की लड़ाई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चाईबासा में चुनावी सभा को संबोधित किया, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कोल्हान के लिए कौन से विकास कार्य किए गए. ईचा खरकई डैम के विस्थापितों के बारे में प्रधानमंत्री ने कुछ भी बात नहीं की. हमारे मुखिया हेमंत सोरेन को साजिश के तहत जेल भेजने का काम किया गया. इस चुनाव में इंडिया गठबंधन को जीत दिलाकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जनता मजबूत करें.

जनसभा में सीएम को सुनने भारी भीड़ उमड़ी

चक्रधरपुर के बुढीगोड़ा मैदान में जनसभा के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी. चक्रधरपुर,बंदगांव प्रखंड के विभिन्न गांव से बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी थी.

धर्म के नाम पर लड़ाना जानती है भाजपा: बन्ना

चुनावी सभा के दौरान मंत्री बना गुप्ता ने कहा कि भाजपा धर्म के नाम पर लोगों को आपस में लड़ना जानती है.युवाओं को झूठ सपने दिखाए जाते हैं. केंद्र की सरकार से हर कोई परेशान है, लेकिन भाजपा की केंद्र सरकार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है. भाजपा झूठ बोलकर लोगों से वोट लेना जानती है.

मंच पर ये थे मौजूद

मंच पर मंत्री बन्ना गुप्ता, चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव, झामुमो के जिला सचिव सोनाराम देवगम, झारखंड आंदोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग के सदस्य भुवनेश्वर महतो, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास, युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सह लोकसभा चुनाव के विधानसभा प्रभारी सौरव अग्रवाल, मानकी मुंडा संघ के प्रदेश अध्यक्ष गणेश पाट पिंगुवा, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रेम मुंडरी, झामुमो के जिला उपाध्यक्ष राहुल आदित्य, युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष प्रीतम बांकिरा,कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष विजय सिंह सामड, जिला के संगठन सचिव कालिया जामुदा, विभिन्न पंचायतों के मुखिया, मानकी, मुंडा व बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे.

बाइक रैली में उमड़ी भीड़ : इससे पूर्व चक्रधरपुर के बुढ़ीगोड़ा मैदान में लोकसभा चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन की चुनावी सभा से पहले झामुमो, कांग्रेस,राजद के संयुक्त तत्वावधान में कार्यकर्ताओं ने मोटरसाइकिल रैली निकाली. इसमें बड़ी संख्या लोगों की भीड़ उमड़ी.

सुप्रीम ऑर्डर **पुलिस नहीं है पति-पत्नी के झगड़ों का रामबाण इलाज, संयम से बचाएं शादी**

महिलाएं नहीं कर सकेंगी पति और ससुराल पर झूठे केस

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए एक महिला के द्वारा अपने पति के खिलाफ दायर दहेज उत्पीड़न के केस को रद्द कर दिया. इस दौरान जज ने कहा कि सहिष्णुता और सम्मान एक अच्छे विवाह की नींव हैं और छोटे-मोटे झगड़ों को बढ़ा-चढ़ा कर नहीं बताया जाना चाहिए.

कोर्ट ने कहा, एक विवाह की नींव सहिष्णुता, समायोजन और एक-दूसरे का सम्मान है. एक- दूसरे की गलतियों को एक सीमा तक सहन करना हर विवाह में अंतर्निहित हो. छोटी-मोटी नोक-झोंक, मतभेद सांसारिक मामले हैं, इन्हें बढ़ा-चढ़ा कर पेश नहीं किया जाना चाहिए. इससे पहले पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने अपने आदेश में पति की याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उस पर दर्ज आपराधिक मामले को रद्द करने की मांग की गई थी. सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को पलट दिया. कहा कि कई बार विवाहिता के माता-पिता और रिश्तेदार बहुत बड़ी बात बना देते हैं. -शेष पेज 11 पर

सरकार करे कानून में बदलाव

कोर्ट ने केंद्र सरकार और संसद से आग्रह किया है कि नई भारतीय न्याय संहिता में पत्नी को प्रताड़ित करने संबंधी आइपीसी की धारा 498ए की जगह लेने वाले प्रावधानों में आवश्यक बदलाव किए जाने चाहिए. जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की बेंच ने कहा कि बीएनएस की धारा 85 और 86 ने आइपीसी की धारा 498ए को शब्दशः शामिल कर लिया गया है. संसद से आग्रह है कि व्यावहारिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए और पत्नी के झूठे आरोपों के बारे में सुप्रीम कोर्ट के 2010 के एक निर्णय के संदर्भ में नए कानून को लागू करने से पहले ही इस धारा में जरूरी बदलाव करने चाहिए. विचारणीय मामले में कोर्ट ने पत्नी की एफआईआर को पति द्वारा घरेलू हिंसा व क्रूरता की शिकायत का बदला लेने जैसी बताते हुए रद्द कर दिया.

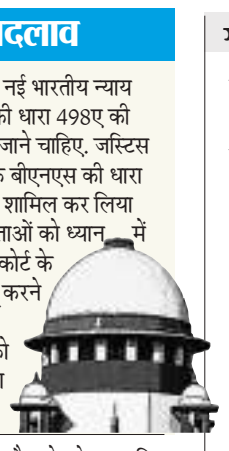

गार्जियन की सहमति बगैर नाबालिग को ले जाने के मामले में फैसला

तो अपहरण का दोषी माना जाएगा आरोपी: हाईकोर्ट

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया है कि नाबालिग लड़की को अलग-अलग स्थानों पर ले जाना प्रलोभन है. उसे उसके अभिभावकों की सहमति के बिना ले जाना या फुसलाना अपहरण के समान होगा. इसके परिणामस्वरूप भारतीय दंड संहिता की धारा 363 के तहत आरोपी को अपहरण के लिए दोषी ठहराया जाएगा. यह फैसला एक आपराधिक अपील में आया है, जिसमें आईपीसी की धारा 366 (ए) के तहत अपीलकर्ताओं को दोषी ठहराने के निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी गई थी. पीड़िता की मां द्वारा दर्ज करायी गयी एफआईआर के मुताबिक, उनकी 15 वर्षीय बेटी को उनके पड़ोसी सकिंदर बैठा बहला-फुसला कर 30 जून 2004 की सुबह चार बजे अपने साथ ले गया. कई प्रयास के बावजूद उसका पता नहीं लगाया जा सका. -शेष पेज 11 पर

प्रियंका गांधी और तेजस्वी यादव ने साधा पीएम पर निशाना

शहजादा 4000 किमी देश में पैदल चला है...

बनासकांठा (गुजरात)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी को शहजादा कहने के लिए पीएम मोदी पर निशाना साधा और उन पर शहंशाह जैसा जीवन जीने का आरोप लगाया. प्रियंका ने कहा, वो मेरे भाई को शहजादा बोलते हैं. मैं उनको बताना चाहती हूं, वो देश में शहजादा

4000 किलोमीटर तक पैदल चला है. कन्याकुमारी से कश्मीर तक आपकी समस्याओं को सुनने के लिए पैदल चला है. मेरे भाइयों, बहनों, किसानों, मजदूरों से मिले हैं. और सबसे मिलकर पूछा कि तुम्हारी क्या मुश्किलें हैं, तुम्हारे जीवन में क्या समस्याएं हैं और हम उन्हें कैसे हल कर सकते हैं. और एक तरफ आपके शहंशाह... नरेंद्र मोदी हैं. महलों में रहते हैं. आपने कभी टीवी पर उनका चेहरा देखा है? वो कैसे समझ पाएंगे आपकी मजदूरी, आपकी खेती. कैसे समझ पाएंगे कि आप किस दलदल में धंसे हुए हो. महंगाई से आप दब चुके हो. -शेष पेज 11 पर

... तुम तो धोखेबाज हो, वादा करके भूल जाते हो

पटना। राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव 1990 के दशक के बॉलीवुड नंबर तुम तो धोखेबाज़ हो, वादा करके भूल जाते हो गाने की पैरोडी बनाकर पीएम मोदी पर निशाना साध रहे हैं. इस गाने की पैरोडी को वह अपनी सभाओं में गा रहे हैं और लोग उनके साथ गाते भी नजर आ रहे. वह हर चुनावी रैली में यह

गाना गा रहे हैं. इतना ही नहीं वह पीएम मोदी के पिछले भाषणों की ऑडियो क्लिप भी चला रहे हैं. तेजस्वी बिना ज्यादा व्यक्तिगत हुए मोदी पर हमला करने में सफल रहे हैं. फिलहाल, तेजस्वी पीएम मोदी, शाह और अन्य नेताओं या नीतीश के खिलाफ अकेले चुनावी लड़ाई लड़ रहे हैं. तेजस्वी, नीतीश का सवाल आते ही, कहते हैं, वह मेरे लिए आदर्श हैं. वह मेरे अभिभावक हैं. वो जो भी कहेंगे, मेरे लिए आशीर्वाद होगा. तेजस्वी ने पांच लाख सरकारी नौकरियां दीं और यही वजह है कि वे युवा मतदाताओं के बीच काफी लोकप्रिय हो गए हैं. तेजस्वी अब तक बिहार में 92 चुनावी रैलियां कर चुके हैं.

पीएम मोदी ने पलामू में सबसे बड़ा झूठ कहा कि हमने पक्का घर दिया, जबकि सच ये है कि केंद्र ने आवंटन ही रोक दिया

अबकी बार जनता भाजपा को करेगी तड़ीपार : मिथिलेश ठाकुर

संवाददाता। गढ़वा

झामुमो के केंद्रीय महासचिव मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा है कि भाजपा अबकी बार चार सौ पार नहीं करेगी. बल्कि अबकी बार जनता भाजपा को तड़ीपार करेगी. आगामी चार जून प्रधानमंत्री मोदी जी की तानाशाही का अंतिम दिन साबित होगा. श्री ठाकुर ने शनिवार को शहर के चिनियां रोड स्थित होटल पद्मावती में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर उक्त बातें कही.

श्री ठाकुर ने कहा कि दो दिनों के झारखंड प्रवास के दौरान आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने झूठ बोलने का नया कीर्तिमान स्थापित कर लिया है. झारखंड मुक्ति मोर्चा लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड से आग्रह करता है कि वो झूठ बोलने का रिकॉर्ड प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नाम दर्ज कर उसे प्रकाशित करें. उन्होंने कहा कि गौर करने वाली बात यह है कि पलामू की जनसभा में मोदी जी ने मंदिर, मस्जिद, हिंदू, मुस्लिम सबकी बातें की. लेकिन मंडल डैम की चर्चा तक नहीं की. इससे यह साबित होता है कि मोदी जी समाज को बांट कर सत्ता हथियाना चाहते हैं, विकास करके नहीं. उनका बयान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है. जो दस वर्षों से राज कर रहा हो वो अपनी उपलब्धियां गिनाने की जगह लोगों को झूठ बांट रहे हैं.

काठ की हांडी बार बार नही चढ़ती है. मोदी जी कहते है मैने देश में पहली बार आदिवासी राष्ट्रपति बनाया ,लेकिन वो ये नहीं कहते हैं कि उन्हांने संसद के नए भवन के उद्घाटन और अयोध्या में निर्मित मंदिर में भगवान श्री राम की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा में राष्ट्रपति महोदया को नहीं बुलाया. राष्ट्रपति का जैसा अपमान प्रधानमंत्री ने किया है शायद ऐसा अपमान देश के किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किया होगा. श्री ठाकुर ने कहा कि मोदी जी ने पलामू में सबसे बड़ा झूठ ये कहा कि हमने पक्का घर दिया. जबकि हकीकत ये है कि उन्होंने झारखंड को पक्के मकान के लिए मिलने वाली राशि नहीं दी. तभी राज्य सरकार को अपने संसाधन से झारखंड के लोगों को अबूआ आवास देने की योजना शुरू करनी पड़ी. प्रधापनमंत्री ने कल चाईबासा में कहा कि हेमंत सोरेन ने जमीन लूटी. आदिवासियों का हक मारा और भ्रष्टाचार किया. मोदी और भाजपा से आग्रह है कि वो अपने पुराने बयान निकाल कर देख लें कि जिस गीता कोड़ा के लिए वो वोट मांग रहे हैं, उनके और उनके पति मधु कोड़ा को किसी समय कितना बड़ा भ्रष्टाचारी बताया करते थे. हेमंत जी पर पीछे से हमला कर आप घायल नहीं कर सकते मोदी जी. हेमंत सोरेन शेर है. जब सामने होगा तो किसी हिम्मत नहीं होगी उससे आंख मिलाने की. हेमंत सोरेन को भाजपा परेशान कर सकती है, परास्त नहीं झारखंड में भाजपा का खाता नहीं खुलेगा मोदी जी को झारखंड के लोग इस बार हार का ऐसा उपहार देंगें कि उन्हें जिंदगी भर याद रहेगा. मौके पर राजद के प्रधान महासविव सह गोड्डा के पूर्व विधायक संजय यादव, सपा के प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव, झामुमो केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, ज़िलाध्यक्ष तनवीर आलम खान, सचिव मनोज ठाकुर, राजद प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश प्रसाद यादव आदि मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

पलामू में पुलिस जवान की बाइक में लगी आग

मेदिनीनगर। डालटनगंज शहर थाना क्षेत्र के सद्वीक चौक के समीप बंगाल टेंट हाउस के सामने शनिवार को मुख्य सड़क पर चलती बजाज पल्सर बाइक (जेएच 01सीपी 4300) में आग लग गयी. बाइक झारखंड पुलिस के जवान की बतायी गयी है. सूचना मिलने पर टीओपी टू के जवानों ने पानी डालकर आग बुझायी. इस हादसे से आधे घंटे तक यातायात प्रभावित रहा.बताया गया है कि नवकेतन सिनेमा रोड की ओर से पुलिस जवान संजू कुमार वर्मा गढ़वा जा रहे थे. संजू गढ़वा में ही पोस्टेड है. वे गढ़वा के निवासी हैं.

पीठासीन पदाधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

सिमडेगा। लोकसभा चुनाव को संपन्न कराने के पीठासीन पदाधिकारियों के लिए सिमडेगा महिला कॉलेज, सलडेगा में प्रशिक्षण दिया गया. इस दौरान पीठासीन पदाधिकारियों को डिस्पैच सेंटर से लेकर कलेक्शन सेंटर तक निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया की जानकारी दी गई. प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षण कोषांग के मास्टर ट्रेनरों द्वारा डिस्पैच सेंटर से मतदान के दिन मतदान केंद्र और मतदान के बाद कलेक्शन सेंटर पर कार्य निष्पादन एवं दायित्वों से पीठासीन पदाधिकारियों को अवगत कराया गया.

पलामू के क्रांतिकारी किताब सांसद ने की पीएम को भेंट

मेदिनीनगर। चियांकी में आयोजित जनसभा को पीएम मोदी ने संबोधित किया. इस मौके पर पलामू के भाजपा प्रत्याशी वीडी राम ने पीएम मोदी के 'पलामू के क्रांतिकारी' किताब भेंट की. किताब में पाटन प्रखंड के सुठा गांव निवासी सत्यानंद के बारे में जिक्र है उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ लड़ाई लड़ी. उन्हें सन 1930 ईस्वी में गोरखपुर में फांसी की सजा ब्रिटिश हुकूमत ने दी थी. देश के लिए उन्होंने अपने प्राण का न्यौछावर कर दिया.

लोहरदगा में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म

लोहरदगा। कुडू थाना क्षेत्र की रहने वाली एक नाबालिग लड़की को अगवा कर पांच युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया. लिखित शिकायत पर पुलिस ने पांच युवकों पर सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है. फिलहाल, सभी आरोपित फरार हैं. पुलिस ने पीड़ित लड़की का मेडिकल चेकअप कराकर बयान कलमबद्ध कराया है.बताया जाता है कि नाबालिग लड़की गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने गई थी. देर रात जब लड़की शादी समारोह से घर लौट रही थी तो पांच युवकों ने उसे अगवा कर लिया तथा गांव से दूर ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किया. अहले सुबह लड़की को उसी हालत में धमकी देकर गए कि किसी को जानकारी दी तो अंजाम ठीक नहीं होगा.

पीएम ने पलामू की ठेठ भाषा में अभिवादन कर जीता लोगों का दिल

रउवन सबके प्रणाम, गोड़ लागत ही

संवाददाता। मेदिनीनगर

पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में शनिवार की सुबह चुनावी सभा में पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर से पलामूवासियों का दिल जीत लिया है. चियांकी एयरपोर्ट मैदान पर पीएम मोदी ने सभा की शुरूआत पलामू व आसपास क्षेत्र की ठेठ भाषा ''रउवन सबके प्रणाम, गोड़ लागत ही'' से की. इतना सुनते ही चुनावी सभा में पहुंचे लोगों ने हाथ उठाकर उनका अभिवादन किया. पूरी सभा काफी देर तक तालियों से गूंजता रहे और इस दौरान जय श्री राम, नरेन्द्र मोदी जिंदाबाद व भाजपा जिंदाबाद के नारे भी लगते रहे. इससे पूर्व प्रधानमंत्री की सभा को लेकर स्थानीय लोगों में काफी उत्साह देखा गया. सभा में उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंच पर आने के बाद अपने मोबाइल फोन की फ्लैश ऑन कर उनका स्वागत किया. पीएम मोदी ने चुनावी सभा की शुरुआत में धरती शहीद नीलांबर पीतांबर को भी याद कर उन्हें नमन किया.

केन्द्र में मोदी व झारखंड में सुदेश के नेतृत्व में होगा विकास : सतीश

मेदिनीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पलामू दौरा से उत्साहित जनता ने एनडीए प्रत्याशी बीडी राम की जीत पर अपनी मुहर लगा दी है. उक्त बातें आजसू पार्टी के लोकसभा प्रभारी सह गढवा जिला प्रभारी सतीश कुमार ने कही. मिशन 24 में केन्द्र में मोदी और राज्य में सुदेश को जनता ने स्वीकार कर लिया है. गढवा जिलाध्यक्ष दीपक शर्मा ने पीएम मोदी के कार्यक्रम की सफलता पर लोगों को बधाई दी है. कार्यक्रम में आजसू पार्टी के त्रिपुरारी सिह, डा. अफजल अंसारी, केन्द्रीय सचिव चम्पा देवी, महिला गढवा जिलाध्यक्ष रिता देवी, राजू प्रसाद, दशरथ चौधरी आदि ने पीएम मोदी के विचार को सुन कर हर गांव टोला में पहुंचाने का संकल्प लिया.

सभा में भीड़ देखकर मोदी उत्साहित

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर के चियांकी एयरपोर्ट मैदान में चुनावी सभा के दौरान लोगों की भीड़ देखकर पीएम मोदी उत्साहित थे. भाषण के दौरान भी काफी लोग पंडाल में पहुंच रहे थे यह देख पीएम ने कहा कि लोगों की भीड़ देखकर ऐसा लग रहा है कि पंडाल छोटा पड़ गया है. सभा में इंट्री प्वाइंट कम है. उन्होंने कहा कि मैंने लंबे समय तक संगठन के लिए काम किया है, चुनाव भी लड़ा है लेकिन सुबह 10 बजे इतनी बड़ी रैली करने की कभी हिम्मत नहीं हुई. उन्होंने कहा कि मैं यहां की माताओं का आशीर्वाद और प्यार कभी नहीं भूल सकता. बता दें कि प्रधानमंत्री का भाषण सुनने के लिए लोग सुबह सात बजे से ही लोग मैदान में जुटने लगे थे. सभा की शुरुआत से पूर्व भाजपा प्रत्याशी वीडी राम ने पीएम मोदी को अंगवस्त्र और नीलांबर पीतांबर का स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत किया. वही, विधायक आलोक चौरसिया, भानुप्रताप शाही, पुष्पा देवी, पूर्व मेयर अरुणा शंकर आदि ने भी पीएम का स्वागत किया.

एक संत के हाथों में सौंपी भगवान श्रीराम की मूर्ति : अरुणा शंकर

मेदिनीनगर। पलामू की धरती पर पहुंचे पीएम मोदी की आगवानी के लिए जनता से लेकर पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित थे. पीएम मोदी का स्वागत महिला ब्रिगेड ने किया. भाजपा नेता सह प्रथम महापौर अरूणा शंकर ने पीएम मोदी को अयोध्या से मंगाई गई भगवान राम की अष्टधातु की मूर्ति सौंपा, उन्होंने कहा कि एक संत के हाथों में भगवान राम की मूर्ति सौंपने का सौभाग्य प्राप्त हुआ. मौके पर प्रधानमंत्री भावुक नजर आये. इस अवसर पर पाटन विधायक पुष्पा देवी, मीरा पांडे, रूपा सिंह और कई महिला मंच पर उपस्थित थीं. प्रथम महापौर ने कहा कि हम पलामू के सनातनियों के लिए यह गौरव का पल था जब मैंने एक संत के हाथों में भगवान राम की मूर्ति सोपी. प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में सभी को घर-घर जाकर जय श्री राम बोलने को कहा है.

दो मुखिया सहित दो दर्जन लोग भाजपा छोड़ झामुमो में शामिल

संवाददाता। गढ़वा

गढ़वा के दो मुखिया सहित दो दर्जन से अधिक लोगों ने भाजपा छोड़कर झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम लिया. शनिवार को गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर सभी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. मंत्री श्री ठाकुर ने सभी को माला एवं पार्टी का पट्टा पहनाकर पार्टी में शामिल कराया. पार्टी में शामिल होने वालों में मुख्य रूप से गढ़वा प्रखंड के महुलिया पंचायत के मुखिया वीरेंद्र राम, दुबे मरहटिया पंचायत के मुखिया नितीश तिवारी, बीडीसी हरिओम सिंह, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष रवि राउत, उदय प्रसाद यादव, अभय पासवान, चंदन कुमार, विजय भुईयां, छोटू ठाकुर, हरिओम विश्वकर्मा, हरिनारायण पासी, अमित विश्वकर्मा, सौरभ कुमार सिंह, दीपक ठाकुर, संजय ठाकुर, मुकेश बैठा, सीताराम पासवान, जाटा के मुमताज अंसारी, उड़सुगी के ललसु पाल, अचला के गुलाम सरवर आदि का नाम शामिल है. मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि भाजपा की झूठ एवं फरेब से जनता उब चुकी है. इस बार लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा को सबक सिखाने के लिए पूरी तरह से कमर कस के तैयार है. अब जनता बेवकूफ बनने वाली नहीं है. झामुमो के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार ने झारखंड में काफी विषम परिस्थितियों एवं अल्प समय में जितनी बेहतर कार्य की है आज तक झारखंड गठन के बाद किसी अन्य सरकार ने नहीं की है. यही कारण है कि पूरे राज्य की जनता का रूझान झामुमो की ओर है. उन्होंने कहा कि सभी नये साथी काफी मजबूती के साथ लोकसभा चुनाव में कार्य करें. पलामू लोकसभा सीट पर महागठबंधन प्रत्याशी ममता भुईयां की जीत सुनिश्चित है. मौके पर केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, बीस सूत्री जिला उपाध्यक्ष नितेश सिंह, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा चौबे, दिलीप गुप्ता, रितेश तिवारी आदि लोग उपस्थित थे.

गढ़वा में इलाज के दौरान चिकित्सक का हुआ निधन

भवनाथपुर। सिंदुरिया निवासी सह वयोवृद्ध चिकित्सक डॉ सुरेश चंद्रा का निधन शुक्रवार की रात ईलाज के दौरान वाराणसी के एक निजी अस्पताल में हो गई. वे पिछले कई माह से बीमार चल रहे थे. स्व. चंद्रा की शव शनिवार को सिंदुरिया स्थित उनके आवास पर पहुंचते ही क्षेत्र के कई सामाजिक व राजनितिक नेताओं के साथ साथ ग्रामीण मृतक के घर पहुंचकर शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाते हुए संवेदना प्रकट किया. उनका अंतिम संस्कार दुलहर नदी स्थित श्मशान घाट पर किया गया. मुखाग्नि उनके बड़े पुत्र अविनाश कुमार शर्मा ने दी.

कैरो के गुड़ी पंचायत में कराया होम वोटिंग

लोहरदगा। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार शनिवार को कैरो प्रखंड के गुड़ी पंचायत के गुड़ी गांव में दिव्यांग लीला कुमारी को जिला निर्वाचन से आये पदाधिकरी एवं बीएलओ पर्यवेक्षक रघुनाथ मुंडा, बीएलओ मनसूर आलम आदि की उपस्थिति में मतदान कराया गया. मतदान कर लीला काफी खुश नजर आयी.

आंगनबाड़ी के नाम पर युवक से सात हजार रुपये की ठगी

संवाददाता। रमना

डिजिटल लेन देन की ओर तीव्र गति से लोग अग्रसर हैं. वही चोर-जालसाज भी तीव्र गति से भोले-भाले लोगों को नए-नए तौर तरीके से लालच या सरकारी योजना का लाभ मिलने के झांसे देकर साइबर ठगी कर रहे हैं. गत दिन साइबर ठगी का शिकार सिलिदाग ग्राम निवासी 30 वर्षीय राजन कुमार गुप्ता पिता हिरा साह हुए, जिनसे सात हजार रुपये की ठगी साइबर ठगों के द्वारा कर लिया गया. इस बात का खुलासा तब हुआ ज़ब उक्त युवक के खाते से साइबर ठगों ने रकम उड़ा लिया.

इस सम्बन्ध में भुक्तभोगी ने बताया कि मेरे मोबाइल नंबर 7428535694 से कॉल आया और बोला कि मैं नगर उंटारी सदर हॉस्पिटल से बोल रहा हूं, आपकी पत्नी के नाम से आंगनबाड़ी का छह हजार रुपया आया हैं, जो आपकी पत्नी के खाते में जमा नहीं हो पा रहा हैं, तो आप अपना आधार नम्बर और मोबाइल नम्बर बता दिया. जिससे राजन ठग के चिकनी चुपड़ी बातो में आ गया और अपना आधार नम्बर और मोबाइल नम्बर बता दिया. इसके बाद युवक के खाते में पैसे आने के बजाय खाते से छह हजार रुपये कट गया. इसके बाद युवक इसकी शिकायत लेकर आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचा, जहां बताया गया कि सरकार द्वारा कोई भी इस प्रकार योजना अभी नहीं है, आप को ठग लिया गया.

खास बातें

- युवक ने अपना आधार नंबर और मोबाइल नबंर दिया
- एटीएम पिन पूछा और खाते से उड़ा दिए छह हजार रुपये

और मोबाइल नम्बर बताइये आपके खाते में पैसे जमा हो जायेगा. जब उक्त युवक ने पूछा कि हम कैसे मान ले तो साइबर ठग ने भुक्तभोगी के सभी परिवार का नाम और आधार नम्बर बता दिया. जिससे राजन ठग के चिकनी चुपड़ी बातो में आ गया और अपना आधार नम्बर और मोबाइल नम्बर बता दिया. इसके बाद युवक के खाते में पैसे आने के बजाय खाते से छह हजार रुपये कट गया. इसके बाद युवक इसकी शिकायत लेकर आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचा, जहां बताया गया कि सरकार द्वारा कोई भी इस प्रकार योजना अभी नहीं है, आप को ठग लिया गया.

न्यूज अपडेट

श्री देवी मंडप का तृतीय वार्षिकोत्सव प्रारंभ

लातेहार। शहर के थाना चौक के तेली मुहल्ला में अविस्थत प्राचीन देवी मंडप सह नौ देवी पिंडी मंदिर के तृतीय वार्षिकोत्सव का कार्यक्रम चार मई को गंगा पूजन से प्रारंभ हुआ. पुजारी त्रिभुवन पांडेय व विवेक शुक्ला के सानिध्य में गंगा पूजन किया गया. मौके पर बतौर यजमान संतोष कुमार पिंटू व रंजीत कुमार सपत्नीक मौजूद थे. इससे पहले श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ मंदिर परिसर से कलशों को ले कर औरंगा नदी तट पहुंचें. यहां वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कलशों में जल भरा गया. बाद में कलशों की स्थापना कर वेदी निर्माण किया गया. पांच मई को मंदिर परिसर में भंडारा का आयोजन किया जायेगा. आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के अध्यक्ष संजीव कुमार उर्फ मंटू, उपाध्यक्ष रंजीत कुमार, अजीत कुमार, शुभम कुमार, आकाश कुमार व संदीप कुमार, सचिव रविंद्र प्रजापति आदि मौजूद थे.

इंडी गठबंधन के दलों ने चलाया जनसंपर्क अभियान

चंदवा (लातेहार)। चतरा लोकसभा क्षेत्र के इंडी गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी को विजयी बनाने के लिए गठबंधन के घटक दल झामुमो, कांग्रेस व आम आदमी पार्टी ने प्रखंड के कई पंचायतों में जनसंपर्क अभियान चलाया और केएन त्रिपाठी को वोट देने की अपील की. झामुमो के केंद्रीय समिति सदस्य दीपू कुमार सिन्हा, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष असगर खान, कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष बाबर खान, आम आदमी पार्टी के रिंकू खान ने ग्राम कामता व चकला गांवों में ग्रामीणों के साथ एक बैठक भी की. दीपू कुमार सिन्हा ने कहा कि पिछले कई लोकसभा आम चुनाव में लोगों ने भाजपा के उम्मीदवार को कई उम्मीदों और सपनों के साथ वोट दे कर विजयी बनाया था.

भाकपा माले ने जगदेव शर्मा का शहादत दिवस मनाया

पाटन, पलामू। भाकपा माले पाटन प्रखंड कमेटी के सचिव सह इंकलाबी नौजवान सभा पलामू जिला सचिव पवन विश्वकर्मा के नेतृत्व में शहीद कॉमरेड जगदेव प्रसाद शर्मा का 24वां शहादत दिवस मनाया. पार्टी नेताओं ने मौके पर एक मिनट का मौन रखा और उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया. मौके पर पवन विश्वकर्मा ने कहा कि शहीद कॉमरेड जगदेव प्रसाद शर्मा पलामू की धरती पर सामंती ताकतों के शोषण, दमन, अत्याचार के खिलाफ लम्बी लड़ाई लड़ते हुए शहीद हो गए.

याद किए गए संविधान सभा के सदस्य गोपा बाबू

मेदिनीनगर। देश की आजादी के बाद पलामू से पहले विधायक व भारत के संविधान सभा के सदस्य रहे स्व. अमिय कुमार घोष (गोपा बाबू) की बंगला पुस्तकालय में पुण्यतिथि मनायी गई. बंगाली समिति व बंगीय दुर्गा बाड़ी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में पलामू के वरीय पत्रकार व पलामू के क्रांतिकारी पुस्तक के लेखक प्रभात मिश्रा सुमन बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे. विषय प्रवेश बंगाली समिति के सचिव सैकत चटर्जी ने किया. वहीं बंगीय दुर्गा बाड़ी के सचिव दिवेंदु गुप्ता ने स्व गोपा बाबू के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की.

सीतामनी तिर्की ने चलाया जनसंपर्क अभियान

लातेहार। निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष सीतामनी तिर्की ने चतरा संसदीय क्षेत्र क भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह को विजयी बनाने को ले कर डोर टू डोर जनसंपर्क अभियान चलाया. उन्होने सदर प्रखंड के धनकारा व शीशी पंचायत के कई गांवों में घुम घुम कर लोगों को भाजपा प्रत्याशी को वोट देने की अपील की. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल मे आज पूरा देश चहुमुखी विकास कर रहा है. पांच सौ साल के संघर्ष के बाद अर्योध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर का निर्माण किया गया. उज्जवला गैस योजना व घर घर शौचालय बनवा कर महिलाओं को समाज में सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिया.

विहिप-बजरंग दल ने मतदाताओं को किया जागरुक

मेदिनीनगर। लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल सक्रियता के साथ कार्य कर रहे हैं. संगठन के पदाधिकारी ने संबंधित आयामों के प्रमुखों के साथ ऑन लाइन बैठक की. बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष उमेश अग्रवाल व संचालन जिला मंत्री दामोदर मिश्र ने किया. बैठक में उपाध्यक्ष अनामिका सिंह व अजीत पाठक, जिला मंत्री दामोदर मिश्र, बजरंग दल जिला संयोजक संदीप प्रसाद गुप्ता, सह मंत्री अमित तिवारी, बलो पासना प्रमुख विकास कश्यप, मातृ शक्ति संरक्षक उमा शुक्ल, समरसता प्रमुख पप्पू लाठ, समरसता सह प्रमुख रवि तिवारी, सेवा प्रकल्प प्रमुख गोपाल तिवारी, विशेष संपर्क प्रमुख किशोर पाण्डेय, राजीव सिंह व रोशन मेहता, पांकी से निरंजन सिंह, नावा बाजार से हिमांशु पांडेय, छतरपुर से सोनू सिंह, व बिट्टू जॉन, सरईडीह से संतोष गुप्ता व विजय गुप्ता आदि उपस्थित थे.

राजद की बैठक में त्रिपाठी को विजयी बनाने का संकल्प

लातेहार। राष्ट्रीय जनता दल, लातेहार जिला की एक बैठक स्थानीय होटल द ब्लिस में आयोजित की गयी. बैठक में चतरा संसदीय के इंडी गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी मुख्य रूप से मौजूद थे. बैठक की अध्यक्षता राजद जिला अध्यक्ष रामप्रवेश यादव व मंच संचालन जिला प्रधान महासचिव मोहर सिंह यादव ने किया. बैठक में राजद नेता व कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में केएन त्रिपाठी को विजयी बनाने का संकल्प लिया. मौके पर कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी ने कहा कि आने वाला समय देश में बहुत ही विकट होने वाला है. भाजपा संविधान बदलने की तैयारी कर ही है. आज समाज में असंतोष बढ़ता जा रहा है.

अबुआ आवास निर्माण की गति बढ़ाने को लेकर डोर टू डोर अभियान

गारू(लातेहार)। गारू प्रखंड क्षेत्र में अबुआ आवास निर्माण की धीमी गति को देखकर बीडीओ संतोष कुमार बैठा नें डोर टू डोर जाकर लाभुकों को निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया. जो लाभुक प्रथम किस्त की राशि मिलने के बावजूद कई अब तक कार्य प्रारम्भ भी नहीं किया है, उन्हें अंतिम चेतावनी देते हुए आवास निर्माण अविलम्ब शुरू करने की बात कही. पंचायत सचिव राजेंद्र उरांव नें कहा की लाभुकों को लगातार काम शुरू कराने को लेकर निर्देशित किया जा रहा है.

राजनीति पलामू में अमर बाउरी व सिसई में बाबूलाल विपक्ष पर जमकर बरसे

इंडी गठबंधन झारखंड और विकास विरोधी : बाबूलाल

संवाददाता। गुमला

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को सिसई में जनसभा को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की अतीत को हम सभी लोग जानते हैं. कांग्रेस पार्टी झारखंड की विरोधी रही है. झारखंड वासियों की भी विरोधी रही है. विकास की भी विरोधी रही है.मरांडी ने कहा कि झारखंड अलग राज्य का आंदोलन आजादी के पहले से चल रहा था. केंद्र में 50-60 साल तक कांग्रेस की सरकार थी. उसने कभी झारखंड अलग राज्य नहीं बनने दिया. उल्टे अलग राज्य की मांग करने वाले लोगों को खरीद लिया. पहले उन्होंने जयपाल सिंह मुंडा को खरीदा. इसके बाद शिबू सोरेन को खरीदा. भारतीय जनता पार्टी ने वादा किया था कि सत्ता में आने पर झारखंड अलग राज्य का गठन किया जाएगा. अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने पर उन्होंने झारखंड अलग राज्य का गठन कर दिया. भाजपा जो कहती है वह करती है.मरांडी ने कहा कि आज झारखंड में कांग्रेस, राजद और जेएमएम की सरकार चल रही है. इन लोगों ने राज्य को सिर्फ लूटने का ही काम किया है. जितने भी खनिज हैं, यहां तक कि नदी के बालू को भी नहीं छोड़ा. इस लोकसभा चुनाव में हम सभी को संकल्प लेना है कि लोहरदगा से एनडीए प्रत्याशी समीर उरांव को जिताना है और देश में नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है.मरांडी ने कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेल में बंद हैं. वे हर बार कहते हैं कि भाजपा वालों ने उन्हें फंसा दिया. ईडी वालों ने हमें फंसा दिया.

इंडी गठबंधन देश की प्रगति को रोकना चाहते हैं : अमर बाउरी

मेदिनीनगर। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि हम लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश का प्रधान सेवक बनाने के लिए खड़े हैं. देश के पास एक ऐसा नेता है, जिसके पास विजन है. उनके नेतृत्व में हम देश ही नहीं दुनिया का कल्याण करना चाहते हैं जबकि सामने इंडी गठबंधन के लोग देश की प्रगति को रोकना चाहते हैं. इसके लिए लगातार षड्यंत्र कर रहे हैं. वे शनिवार पलामू में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लोकतंत्र की हत्या सत्ता में आने के साथ ही शुरू कर दी. उन्होंने बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का कभी सम्मान नहीं किया. गरीब, आदिवासी, दलित और वंचितों को संविधान में उठाने की बात करने वाले बाबा साहब को भुला दिया. भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें सम्मान देने का काम किया. पूरे विश्व में स्थापित करने का काम किया. बाउरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व में करोड़ों गरीबों को सिर पर छत मिला है. उन्हें पक्का मकान मिला है. करोड़ों लोगों को आज मुफ्त राशन दिया जा रहा है. मुफ्त गैस कनेक्शन दिया. धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की धरती से प्रधानमंत्री मोदी ने आयुष्मान भारत योजना की लांचिंग की.

विद्यालय में अनुशासन आवश्यक: तृप्ति भारती

संवाददाता। लातेहार

शहर के जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में शनिवार को नये सत्र के छात्रों का स्वागत सह प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या तृप्ति भारती, वरीय शिक्षक विद्युत ओझा व नरेंद्र पांडेय समेत अन्य शिक्षकों ने दीप प्रज्जवलित कर किया. कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के छात्र व छात्राओं के द्वारा सामूहिक रूप से स्वागत गीत से किया गया. विषय प्रवेश कराते हुए प्राचार्या भारती ने कहा कि विद्यालय में अनुशासन बहुत ही आवश्यक है. विद्यालय का चहुमंखी विकास तभी संभव है जब न सिर्फ छात्र वरन शिक्षक भी विद्यालय में अनुशासन में रहें.उन्होंने बताया कि नये सत्र में विद्यालय में कुल 240 छात्र व छात्राओं का नामांकन किया गया है. कक्षा छह से नौ तक में नामांकन के लिए कुल 1500 फार्म का वितरण किया गया था. जिसमें 1300 छात्रों ने परीक्षा दी थी. इनमें से कुल 240 चयनित किये गये. नरेंद्र पांडेय ने विद्यालय की गतिविधियों से अभिभावकों को अवगत कराया. उन्होंने बताया कि कक्षा छह से आठ तक के बच्चों की आगामी सोमवार से ऑनलाइन कक्षायें ली जायेगीं. जबकि कक्षा नौ से 12 वीं तक कक्षायें सुबह सात से 11 बजे तक संचालित की जायेगी. 14 स्मार्ट क्लासेस संचालित होती है. कार्यक्रम में कक्षा 12 वीं की छात्राओं ने मनमोहक परंपरागत आदिवासी लोकनृत्य प्रस्तुत किया. कार्यक्रम में इस वर्ष मैट्रिक व इंटर के टॉप टेन छात्रों को मेडल व उपहार दे कर सम्मानित किया गया. मंच का संचालन निलेश चंद्र मिश्र व समीर टोप्पो ने किया. मौके पर विद्यालय के छात्र, शिक्षक व अभिभावक मौजूद थे.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रविवार 05 मई 2024 बैशाख कृष्ण पक्ष 12 , संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 26 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

धनबाद लोस से छह ने किया नामांकन

धनबाद। लोकसभा चुनाव के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा के समक्ष शनिवार को छह उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया. नामांकन पर्चा भरनेवालों में कृष्ण चंद्र सिंह राज, नारायण गिरी, परवेज नैय्यर, राजीव तिवारी, रियाजुल हक तथा कामेश्वर प्रसाद वर्मा शामिल रहे. इस दौरान उपायुक्त के अलावा अपर समाहर्ता विनोद कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला व प्रत्याशियों के प्रस्तावक आदि मौजूद थे.

13 मई को बाघमारा में प्रचार करेंगी प्रियंका

रांची। कांग्रेस की स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी 13 मई को धनबाद के बाघमारा पहुंचेंगी. वह इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों के पक्ष में माथाबांध में चुनावी सभा को संबोधित करेंगी. उनके साथ कांग्रेस, झामुमो, राजद व अन्य सहयोगी दलों के नेता मंच साझा करेंगे. यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो ने दी. प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो ने बताया कि धनबाद से कांग्रेस की अनुपमा सिंह और गिरिडीह से झामुमो के मथुरा प्रसाद महतो मैदान में हैं.

माओवादियों ने चतरो चट्टी में चिपकाया पोस्टर

कथारा। बेरमो अनुमंडल के अति उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र चतरोचट्टी स्थित एक स्कूल में नक्सलियों ने पोस्टरबाजी की है. चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के कर्री पंचायत के कुर्क नालो में पोस्टर चस्पा किया गया है. ये पोस्टर उत्तरी छोटा नागपुर जोनल कमेटी भाकपा माओवादी की तरफ से जारी किया गया है. इसमें लिखा गया है कि ग्रामीण क्षेत्र में तमाम पुलिस कैंप को अविलंब वापस करो, गली-गली में शोर है, वोट लड़ने वाले सभी नेता चोर हैं. माओवादियों की पोस्टरबाजी के बाद लोगों में भय व्याप्त है. चतरोचट्टी थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टर को हटा दिया गया है. जांच जारी है.

कोयला नगर गोलीकांड में पकड़ाए डोरेमोन व पटियाला ने किया खुलासा

अपसार ने दिये थे दो लाख रुपये

संवाददाता। धनबाद

जिले के कोयला नगर निवासी संजय सिंह की रेकी करने के दौरान हथियार के साथ पकड़ाये प्रिंस खान के गुर्गे डोरेमोन उर्फ अयान अंसारी उर्फ अयान शेख व अरमान पटियाला को पुलिस ने शनिवार को न्यायिक हिरासत भेज दिया. दोनों को पुलिस की स्पेशल टीम ने गुप्त सूचना पर आधार पर तीन दिन पहले कोयला नगर के समीप से पकड़ा था. पूछताछ में दोनों ने खुलासा किया है कि फिलहाल धनबाद में गैंगस्टर प्रिंस खान की रंगदारी का काम अपसार उर्फ हामिद संभाल रहा है.

पुलिस को दिए बयान में डोरेमोन उर्फ अयान व अरमान पटियाला ने अपना जुर्म कुबूल करते हुए बताया है कि दोनों प्रिंस के लिए काम करते हैं. कुछ दिनों पहले ही उनकी मुलाकात अपसार उर्फ सुभान हमीद से हुई थी. वह पहले से प्रिंस के गिरोह का सदस्य है. प्रिंस खान के लिए फिरौती वसूलने, रकम को प्रिंस तक पहुंचाने व नए लड़कों को गिरोह में शामिल करने का सारा कारोबार वही संभालता है. दोनों ने पुलिस को बताया कि प्रिंस के कहने पर अपसार ने संजय सिंह पर गोली चलवाई थी. काम के एवज में प्रिंस खान ने दो लाख रुपये देने को कहा था. पहले 40 हजार दिया, एक लाख 60 हजार रुपए काम पूरा होने देने की बात हुई थी. 40 हजार रुपए में से 20 हजार रुपये उसने आसिफ उर्फ रिहान को दे दिया था और काम होने पर एक लाख देने की बात कही थी.

इसके बाद अपसार के स्विफ्ट डिजायर कार से डोरेमोन, पटियाला व राहुल रांगाटांड़ रेलवे ओवरब्रिज के पास पहुंचे, जहां अपसार ने पांच-पांच सौ रुपये के बंडल में कुल डेढ़ लाख रुपये डोरेमोन को दिया और कहा कि मित्तल मेडिकल के सामने एक युवक खड़ा मिलेगा, उसे रुपया दे देना. वह प्रिंस का आदमी है. अपसार के कहने पर मित्तल मेडिकल के सामने खड़े उन तीनों युवकों को लेकर संजय सिंह के क्वार्टर की तरफ गया. राहुल सिंह ने उन्हें अपसार के पास से लेकर एक पिस्तौल व कारतूस दे दिया.

खास बातें

- अपसार ने दी थी रकम, कहा था-रंगदारी न दे तो मार देना
- हथियार भी दिया, संजय सिंह से वसूलनी थी रंगदारी

बाइक से आए तीन युवकों ने चलाई थी गोली

तय योजना के अनुसार, 25 अप्रैल को अयान उर्फ डोरेमोन, अरमान उर्फ पटियाला व अपसार रात 8:30 बजे मेमको मोड़ पहुंचे. वहां तीनों ने बियर का सेवन किया. अपसार के कहने पर डोरेमोन कोयला नगर स्थित संजय सिंह के क्वार्टर पर नजर रखने लगा. इसी बीच टीवीएस राइडर बाइक से तीनों युवक आए और संजय सिंह के क्वार्टर पर गोली चलाई. फिर स्टील गेट की ओर भाग निकले.

अपसार ने संजय सिंह से रंगदारी मांगने को कहा था

डोरेमोन व अरमान पटियाला ने खुलासा किया है कि तीन मई को अपसार उर्फ सुभान उर्फ हामिद ने उन्हें कोयला नगर में कट्टा और कारतूस देकर बोला कि संजय सिंह को ढूंढो, मिलेगा तो उससे पैसे मांगना. अगर पैसा नहीं दिया, तो गोली मार देना. इसके बाद दोनों संजय सिंह को तलाशने लगे, लेकिन वह नहीं मिले. इसके बाद दोनों जब स्टील गेट से लौट रहे थे, तो पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया. पुलिस ने दोनों को शनिवार को धनबाद के प्रभारी मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव त्रिपाठी की अदालत में पेश किया. अदालत ने दोनों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है.

नन्हें के भाई ने कोर्ट में कहा किसने गोली मारी नहीं जानता

नन्हें खान हत्याकांड में सूचक पलटा

संवाददाता। धनबाद

जमीन कारोबारी नन्हें खान की सरेआम हत्या मामले में शनिवार को अभियोजन ने सूचक अल्ताफ आलम उर्फ रूमी को बतौर गवाह पेश किया. जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रफुल्ल कुमार की अदालत में बयान देते हुए रूमी ने कहा कि उसके भाई नन्हें को किसने गोली मारी, वह नहीं बता सकता. अदालत ने अभियोजन को गवाह पेश करने का आदेश दिया है. बता दें कि 24 नवंबर 2021 की दोपहर करीब 3:20 बजे दो बाइक पर सवार चार शूटरों ने बुलेट से जा रहे 37 वर्षीय नन्हें पर गोलियों की बौछार कर दी थी. वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी आराम से भाग निकले थे.

चश्मदीद ने किया था प्राथमिकी का समर्थन : नन्हें खान हत्याकांड में चश्मदीद गवाह मो. नसीम ने प्राथमिकी का समर्थन किया था. उसने जनवरी 2023 में कोर्ट में गवाही दी थी. तब गवाह ने वारदात के बारे में बताया था कि नन्हें बुलेट बाइक से नया बाजार की ओर जा रहे थे. उसके पीछे बाइक पर अनवर, डिक्की, हैदर, आजाद, शहबाज, भोमा राजा जा रहे थे. शमशेर स्टोर के पास के पास उनलोगों ने नन्हें की बुलेट को धक्का मार कर गिरा दिया. इसके बाद अनवर, डिक्की और हैदर पिस्तौल निकाल कर नन्हें पर गोलीबारी करने लगे.

प्रिंस समेत 12 पर दर्ज हुई थी प्राथमिकी

नन्हें हत्याकांड में उसके भाई अल्ताफ आलम उर्फ रूमी के फर्द बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी. कुल 12 लोग नामजद किया गया, जिसमें गोपी खान ऊर्फ जियाऊर रहमान, गॉडविन खान ऊर्फ शौकत अली, बंटी खान ऊर्फ जियाऊल हक, प्रिंस खान ऊर्फ हैदर अली, शम्मी, इरफान मुखिया, हैदर खान, हीरा ड्राइवर, भोमा रजा, डिक्की, अनवर एवं डिम्पी नामजद आरोपी बनाये गये थे. पुलिस ने इस मामले में प्रिंस खान की मां नसरीन खातून, बंटी, गोडविन अनवर उर्फ रहमत, डिक्की अंसारी उर्फ मुर्तुजा, हैदर खान, आजाद आलम व शाहबाज आलम समेत 20 लोगों के विरुद्ध चार्जशीट दायर की थी. वहीं, गोपी, प्रिंस समेत अन्य के विरुद्ध अनुसंधान जारी रखा है.

फर्जी-नाम और पता के आधार पर बड़ा हेरफेर, कंपनी का कोई नामोनिशान तक नहीं

फर्जी दस्तावेजों से छह करोड़ की जीएसटी चोरी

संवाददाता। धनबाद

धनबाद थाने में छह करोड़ रुपये से अधिक की जीएसटी चोरी को लेकर विसुनपुर के रहने वाले छोटू राम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है. छोटू राम का नाम व पता सत्यापन करने के बाद पता चला कि फर्जी-नाम और पता के आधार पर यह हेरफेर की गयी है. मामले को लेकर नागरीय अंचल के राज्य कर पदाधिकारी गुफरान अहमद की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है.

राज्य कर पदाधिकारी ने दी गई शिकायत में बताया है कि छोटू राम के नाम पर रजिस्ट्रेशन कराया गया था. कंपनी का पता विशुनपुर धनबाद जिला स्कूल के पीछे का दिया गया था. ये रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन कराया गया था. 2022 के दौरान कारोबार किया गया, बाद में जब उक्त कंपनी की छानबीन शुरू हुई, तो पता चला कि कंपनी का कहीं नामोनिशान नहीं है. जिस पते पर कंपनी चलने की बात कही जा रही थी, उक्त पते पर कुछ भी नहीं था, बल्कि फर्जी दस्तावेज बना कर जीएसटी की चोरी की गई थी. शिकायत के आधार पर जिनके दस्तावेजों के आधार पर पंजीकरण कराया गया था, फिलहाल उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है.

सूत्रों की मानें, तो पंजीकरण के लिए ऑनलाइन जमा किए दस्तावेज काफी मजबूती से बनाए गए थे, इस कारण प्रथमदृष्टया संदेह होने की गुंजाइश नहीं थी. हालांकि बाद में तफ्तीश के दौरान सारे दस्तावेजों के फर्जी होने के प्रमाण मिल गए. इसके बाद विभाग की तरफ कार्रवाई करते हुए मामले की शिकायत धनबाद थाने में दर्ज कराई गई. सूत्रों की मानें तो ये मामला उत्तर प्रदेश के कारोबारियों से जुड़ रहा है. जांच के बाद कई तथ्यों के सामने आने की उम्मीद है.

- तफ्तीश के दौरान सारे दस्तावेजों के फर्जी होने के प्रमाण मिले
- नागरीय अंचल के राज्य कर पदाधिकारी ने दर्ज कराया मुकदमा

280 छात्राओं ने नाराज होकर दी स्कूल छोड़ने की चेतावनी, कहा-

प्रताड़ित करती हैं पीटी टीचर

संवाददाता। रांची/गुमला

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय गुमला का मामला

अक्सर सुर्खियों में रहने वाले कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की पीटी टीचर कमला कुमारी के खिलाफ आखिरकार रायडीह के कस्तूरबा विद्यालय में पढ़ने वाली करीब 300 छात्राओं ने मोर्चा खोल दिया है. सभी छात्राओं ने एक साथ स्कूल छोड़ने की धमकी भी दे डाली है. जनप्रतिनिधियों व शिक्षा विभाग के अधिकारियों के कान में यह बात आने के बाद बीते सोमवार, मंगलवार व शुक्रवार को स्कूल में बैठक कर छात्राओं को समझाया गया.

फिलहाल स्कूल छोड़ने की बात से छात्राएं पीछे हट गई हैं. मगर स्कूल से पीटी टीचर को हटाने की मांग पर अड़ी हुई हैं. बताया जाता है कि स्कूल में नामांकित 350 छात्राओं में से 70 छात्राएं पीटी टीचर की कार्यशैली से नाराज होकर अपनी बीमारियों का हवाला देते हुए अपने घर चली गई हैं. छात्राओं ने बताया कि पीटी टीचर ने जब से यहां योगदान दिया है, तब से उनका व्यवहार ठीक नहीं है. वे छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार करती हैं. अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए मारपीट करती हैं और गरीब कह कर प्रताड़ित भी करती हैं. पीटी टीचर द्वारा उनसे कपड़ा धुलवाया जाता है. इनकार करने पर प्रताड़ना बढ़ जाती है.

छात्राओं की इन बातों को सुनने के बाद शुक्रवार को शिक्षा विभाग के अधिकारी भी स्कूल पहुंचे थे. वे भी छात्राओं के मान मनौवल पर जुटे हुए थे. छात्राएं अधिकारियों के समक्ष रोने लगीं. इसके बाद अभिभावकों ने अधिकारियों से उक्त पीटी टीचर को हटाने की मांग की, कार्रवाई नहीं होने पर बच्चों को अपने साथ ले जाने की चेतावनी दी. इसके बावजूद विभाग के अधिकारी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे हैं. इस बीच कुछ अभिभावक अपने चार पांच बच्चों को घर ले गए.

इस संबंध में पीटी टीचर कमला कुमारी से जब पूछा गया तो पहले उन्होंने पत्रकारों पर ही रौब दिखाने की कोशिश की. मोबाइल में छात्राओं की कैद की गयी बातों को डिलीट करने को कहा. फिर कहा कि मेरे ऊपर लगाये गये सारे आरोप गलत हैं. बच्चों को भड़काया गया है.

गोविंदपुर के एक गेस्ट हाउस में गुप्त सूचना पर पुलिस ने की छापेमारी

पिस्तौल व गोली के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता। गोविंदपुर

पुलिस ने गोविंदपुर थाना क्षेत्र के खालसा होटल के समीप शांति गेस्ट हाउस में छापेमारी कर तीन अपराधियों को पिस्तौल व गोली के साथ गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में मो. इमरान, मो. जमशेद व संजीव कुमार शामिल हैं. तीनों गिरिडीह जिले के रहनेवाला है. तीनों किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे.

गुप्त सूचना पर गोविंदपुर थाना प्रभारी रविकांत प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस ने छापेमारी कर उन्हें दबोच लिया. इस संबंध में धनबाद के सिटी एसपी अजीत कुमार ने बताया कि चुनाव के मद्देनजर पुलिस अलर्ट मोड में है. बाहरी व्यक्तियों के जिले में आने और रुकने पर नजर रखी जा रही है. गोविंदपुर के गेस्ट हाउस से गिरफ्तार युवकों के बारे में गिरिडीह पुलिस से छानबीन कराई गई, तो पता चला कि इनमें से एक मो. इमरान शातिर अपराधी है. वह डकैती व लूट समेत कई संगीन मामलों में आरोपी है. उसके खिलाफ कई जिलों के अलग-अलग थानों में कई मामले दर्ज हैं. पुलिस तीनों का आपराधिक इतिहास खंगाल रही है. गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक कार और तीन मोबाइल भी जब्त किया गया है. सिटी एसपी अजित कहा कि तीनों अपराधी गेस्ट हाउस में बैठकर किसी बड़े आपराधिक वारदात की योजना बना रहे थे. पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही है.

मिली सफलता

- बड़े आपराधिक वारदात की योजना बना रहे थे तीनों
- एक आरोपी डकैती समेत कई संगीन मामलों में आरोपी

कोड़ाहीर कुम्भकार टोला में चार साल पूर्व बिछा था पाइप, अब तक लाभ नहीं

पानी के लिए ग्रामीणों के बीच मचा हाहाकार

संवाददाता। बलियापुर

सिंदूरपुर पंचायत के कोड़ाहीर कुम्हार टोला में नल जल योजना का पानी आपूर्ति नहीं होने से आक्रोशित लोगों ने शनिवार को खाली बाल्टी व डेगची के साथ पीएचईडी विभाग के खिलाफ नारेबाजी की. ग्रामीणों का कहना था कि चार साल पूर्व टोला में नल-जल के लिए पाइप बिछाया गया था. अभी तक नल जल योजना का लाभ लोगों को नहीं मिला.

मामले को लेकर ग्रामीण एक माह पूर्व पीएचईडी विभाग के एसडीओ समेत कई अधिकारियों से मिले थे. अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिए जाने के बावजूद अभी तक पानी की आपूर्ति नहीं की गई है. इसको लेकर ग्रामीणों में विभाग के प्रति भारी रोष व्याप्त है. टोला में लगभग पांच सौ की आबादी है. गांव का चापानल खराब है. ग्रामीणों को पेयजल के लिए एक किलोमीटर दूर जाना पड़ता है. ग्रामीणों का कहना है कि व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो इसको लेकर प्रखंड कार्यालय परिसर में प्रदर्शन किया जाएगा. मौके पर दिवाकर कुंभकार, अर्जुन कुंभकार, सतीश कुंभकार, वासुदेव कुंभकार, धर्मेंद्र कुंभकार, धनंजय कुंभकार, रूपचंद कुंभकार, सुनील कुंभकार, चंपा देवी, मेनका देवी, आदोरी देवी, निर्मला देवी, चंपा देवी, माधुरी देवी, पिंकी देवी, नमिता देवी, मिट्ठू देवी, सुंदरी देवी, सुनीता देवी आदि मौजूद थे.

भीषण जलसंकट

- ग्रामीणों ने पीएचईडी विभाग के खिलाफ जमकर की नारेबाजी
- एक माह पूर्व विभाग के एसडीओ ने दिया था ग्रामीणों को आश्वासन

न्याय चाईबासा व धनबाद में पॉक्सो एक्ट के दो अलग-अलग मामलों में न्यायालय ने सुनाया अपना फैसला

नाबालिग से दुष्कर्म के अभियुक्त को 25 वर्ष का कठोर कारावास

संवाददाता। किरीबुरु

नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के एक मामले में कोर्ट ने अभियुक्त को 25 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है. अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा की अदालत ने अभियुक्त सुखलाल बिरुवा को धारा-04 (2) पॉक्सो एक्ट में सजा सुनाई. साथ ही 20,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया.

अभियुक्त

इस संबंध में चाईबासा पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि मंझारी थाना कांड सं.- 56/2020, पॉक्सो एक्ट के अभियुक्त मंझारी थाना क्षेत्र के बुटका गांव निवासी सुखलाल बिरुवा के विरूद्ध नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के आरोप में मामला दर्ज किया गया था. अनुसंधान के क्रम में चाईबासा पुलिस द्वारा अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था. इसके बाद सभी साक्ष्यों को वैज्ञानिक तरीके से संग्रह कर न्यायालय में आरोप पत्र समर्पित किया गया. इसके आधार पर उक्त कांड में शनिवार को न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी करार देते हुए 25 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई.

कोर्ट फैसला

- न्यायालय ने 20 हजार रुपये के जुर्माना की भी सजा सुनाई
- वर्ष 2020 में मंझारी थाना में दर्ज किया गया था मामला

नाबालिग लड़की के साथ तीन दिनों तक दुष्कर्म का मामला

दुष्कर्म के फरार अभियुक्त को 15 साल की कैद

धनबाद। नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ तीन दिन तक दुष्कर्म करने के एक मामले में शनिवार को पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने नामजद अभियुक्त को 15 वर्ष कारावास की सुनाई है. कांड के दोषी धोड़ा पुटकी निवासी कारा रजवार को सजा सुनाते हुए कोर्ट ने 15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है.

बता दें कि अभियुक्त कारा रजवार इस मामले में फरार चल रहा है. उसकी अनुपस्थिति में अदालत ने लीगल एड डिफेंस काउंसिल की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया. प्राथमिकी पीड़िता की शिकायत पर 23 नवंबर 2015 को पुटकी थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक, 19 नवंबर 2015 को पीड़िता संध्या में शौच करने के लिए अपने घर से बाहर जंगल की ओर जा रही थी. जंगल के समीप पहुंचते ही एक सफेद रंग की कार आई. उसमें बैठे लोगों ने पीड़िता को जबरन मुंह बंद कर उसे कार में बैठा लिया. दामोदर नदी पार पानी टंकी के कमरे में ले गए. वहां कारा रजवार ने तीन दिनों तक उसके साथ दुष्कर्म किया.

- पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने सुनाई सजा

अनुसंधान के बाद पुलिस ने 29 फरवरी 2016 को आरोप पत्र दायर किया था. 12 अप्रैल 2016 को आरोप तय होने के बाद सुनवाई शुरू हुई थी. इस दौरान अभियोजन ने आठ गवाहों का परीक्षण कराया था. सुनवाई के दौरान आरोपी फरार हो गया. लिहाजा अदालत ने उसकी अनुपस्थिति में ही सुनवाई शुरू की और आखिरकार उसे सजा सुनाई गई.

आठ दोषियों को आजीवन सश्रम कारावास की सजा

गोपाल चौरसिया हत्याकांड में कोर्ट का फैसला

संवाददाता। गढ़वा

जिले के रमकंडा बाजार में भाजपा नेता गोपाल चौरसिया की सरेआम कुल्हाड़ी से काटकर हत्या मामले में आठ दोषियों को आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है. साथ ही 20-20 हजार रुपये आर्थिक जुर्माना भी लगाया गया है. प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेश शरण सिंह की अदालत ने शुक्रवार को यह सजा सुनाई.

सजा पाने वालों में रमकंडा थाना निवासी चंद्रभूषण कुमार उर्फ टुनु, उसके पिता महेंद्र प्रसाद, नागरिक संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष देवेंद्र प्रसाद व इनके भाई बसंत प्रसाद, प्रदीप प्रसाद, सत्येंद्र प्रसाद, संदीप प्रसाद व लालदीप प्रसाद शामिल हैं. अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक जगदेव साहू एवं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता ब्रिजदेव विश्वकर्मा ने दलीलें पेश की. उल्लेखनीय है कि रमकंडा के बाजार टोला निवासी भाजपा नेता गोपाल चौरसिया की 23 अक्टूबर 2019 की शाम 5.15 मिनट पर रमकंडा बाजार में सरेआम दौड़ाकर कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गयी थी. इस घटना के बाद भाजपा नेता की बेटी दीपा ने हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई थी. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था.

ब्रीफ खबरें

किक बॉक्सिंग में शुभम ने जीता स्वर्ण पदक

रामगढ़। डीएवी बरकाकाना में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर प्राचार्य मुस्तफा मस्जिद ने कहा कि डीएवी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए हमेशा प्रयासरत रहता है. इसी कड़ी में बच्चों को विभिन्न संगीत, नृत्य, जूडो, कराटे एवं किक बॉक्सिंग की तैयारी करवाई जाती है. झारखंड में राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जाती हैं. इस प्रतियोगिता में पूरे झारखंड से प्रतिभागी भाग लेते हैं. इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में किक बॉक्सिंग में बरकाकाना के शुभम ने स्वर्ण पदक एवं हर्षदीप ने रजत पदक प्राप्त किया.

चुनाव को लेकर सामान्य प्रेक्षक ने की बैठक

हजारीबाग। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के लिए प्रतिनियुक्त सामान्य प्रेक्षक चंद्रमौली शुक्ला एवं पुलिस प्रेक्षक नेल्ली कुमार सुब्रमण्यम की अध्यक्षता में शनिवार को सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई. बैठक में व्यय प्रेक्षक तंगीराला मुरलीधर, व्यय प्रेक्षक राजेश विठ्ठल राव सेल्के, उपायुक्त नैंसी सहाय, पुलिस अधिक्षक, उपविकास आयुक्त, अपर समाहर्ता व एसडीओ सदर मौजूद थे. सामान्य एवं पुलिस प्रेक्षक ने चुनावी तैयारियों को लेकर सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश दिये.

कस्तूरबा की छात्राओं ने निकाली प्रभातफेरी

कुंदा/गिद्धौर (चतरा)। मतदाता जागरुकता अभियान के तहत शनिवार को जिले के गिद्धौर व कुंदा आदि प्रखंड के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रभातफेरी निकालने के साथ रंगोली बनाकर मतदाताओं को जागरुकता का संदेश दिया. कुंदा में जागरुकता को लेकर कस्तूरबा विद्यालय से मेन चौक, बेल चौक, ब्लॉक कार्यालय आदि का भ्रमण करते हुए पुनः विद्यालय तक प्रभातफेरी निकली गई. प्रभात फेरी में छात्राओं ने अपना कर्तव्य निभाएंगे का नारा लगाते हुए मतदाताओं को जागरूक किया.

कूप निर्माण कार्य पूरा करने में जुटे है लाभुक

कुंदा (चतरा)। कुंदा प्रखंड क्षेत्र में बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना के लाभुक कूप निर्माण में लगे हैं. मनरेगा के तहत ग्रामीणों को रोजगार देने एवं गांव में उपयोगी परिसंपत्तियों का निर्माण करने के उद्देश्य से मनरेगा अंतर्गत बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना से स्वीकृत कूप को कुंदा प्रखंड क्षेत्र में लाभुकों द्वारा कूप का निर्माण किया जा रहा है. लाभुकों का कहना है कि बारिश होने के बाद कूप की गहराई करने में समस्या उत्पन्न होने लगती है. इसलिए मनरेगा कर्मियों को भी फिलहाल अन्य योजनाओं की अपेक्षा ज्यादा से ज्यादा मजदूर को कूप कार्य में लगाना चाहिए.

शिक्षकों ने चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

मयूरहंड (चतरा)। प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार के निर्देश पर मयूरहंड प्रखंड क्षेत्र के सभी प्राथमिक, मध्य व उच्च विद्यालय के शिक्षको ने शनिवार को मतदाता जागरुकता अभियान चलाया गया. इस दौरान गांव-गांव भ्रमण कर स्लोगन, गीत, गाना एवं नाटक का मंचन कर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया. इस दौरान उत्क्रमित मध्य विद्यालय हुसिया के प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश गुप्ता तथा बारपीपी राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में सहायक अध्यापक रविंद्र दांगी, राजेंद्र दांगी, रणंजय कुमार, संतोष ने जागरुकता अभियान चलाया.

चौपारण के डॉ बंसत नारायण सिंह उच्च विद्यालय बसरिया में शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन

यहां से निकले कई विद्यार्थी आज ऊंचे पदों पर कार्यरत हैं: ब्रजभूषण

संवाददाता। चौपारण

डॉ बंसत नारायण सिंह उच्च विद्यालय बसरिया में शनिवार को शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन हुआ. कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिसर में लगे रामसेवक बाबू की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर किया गया. बैठक की अध्यक्षता ब्रजभूषण इंद्रगुरु ने किया. बैठक को संबोधित करते विद्यालय सचिव रवि सोनी ने विद्यालय के वर्तमान स्थिति को बताते कहा कि डॉ बंसत नारायण का इतिहास बहुत बड़ा है. यहां से कई ऐसे ऐसे विद्यार्थी निकले हैं. जो वर्तमान समय मे कई बेहतर पदों पर कार्यरत हैं. वर्तमान समय में विद्यालय के सात क्लास रूम की अवस्था बहुत ही जर्जर है. जिसे ढलाई करने के लिए लगभग सात लाख रुपये की आवश्कता है. इस ढलाई के लिए यहां से निकले विधार्थियों, अभिभावक, समाजसेवी और दान दाताओं को विद्यालय को सहयोग करने का अपील किया. वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक रजक ने वर्ष 2023-24 की वित्तिय लेखा जोखा को अभिभावकों के बीच प्रस्तुत किया. इस बीच अशोक रजक ने उपस्थित अभिभावकों को विद्यालय को अपना मदद देने का अनुरोध किया. इस बीच अभिभावकों ने शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए वैकल्पिक उपाय सोचा और पूर्व वर्ष इंटर के संचालन पर अपनी सहमति जतायी और इंटर के प्रभारी के रूप में जाबिर अंसारी को चुना गया. प्रभारी जाबिर अंसारी ने अभिभावकों को जानकारी दिया कि अब बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए बाहर भेजने की जरूरत नहीं. अब इसी विद्यालय में इंटर कला (आर्ट्स) व विज्ञान (साइंस) की पढ़ाई उच्च व प्रशिक्षित शिक्षक द्वारा करवाई जा रही है. सत्र 2024-26 के लिए नामांकन जारी है. अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए नामांकन जरूर करवायें. मौके पर बैठक की अध्यक्षता कर रहे ब्रजभषण ने 5000 रुपये का सहयोग दिया. कार्यक्रम का मंच संचालक शिक्षक चांद प्रसाद ने किया. अंतिम रूप में सचिव रवि सोनी ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समापन की घोषणा किया.

करें सहयोग

- डॉ बंसत नारायण का इतिहास बहुत ही बड़ा है
- विद्यालय भवन के सात क्लास रूम बहुत ही जर्जर हैं

अशोक साव अभियंता रतनाग ने दिये दो कंप्यूटर

कृष्णा कसेरा बसरिया एक कम्प्यूटर, अशोक साव अभियंता रतनाग दो कम्प्यूटर, जयप्रकाश इन्द्रगुरु पूर्व सचिव, शिवानन्द साहु सीए सीतामढ़ी (बिहार), सतेश्वर भुईया अभियंता (अमझर) 12,000, जनार्दन प्र. यादव बैंक मैनेजर (पडरिया) 12,000, सुभाष प्रजापति दारोगा (पड़रिया) 12,000, रवि कु. सोनी सचिव (बसरिया) 10,000, अशोक रजक प्रधानाध्यापक 10,000, जाबीर अंसारी अंग्रेजी शिक्षक 10,000, सीमा कुमारी हिन्दी शिक्षिका 10,000, साकेत कुमार शिक्षक प्रतिनिधि 10,000, रंजन कु. केशरी गणित शिक्षक 10,000, संजीत कु. पंडित कम्प्यूटर अनुदेशक 9,000, निर्भय कु. सिन्हा शारीरिक शिक्षा शिक्षक 9,000, सुनील कुमार रसायन शिक्षक 8000, अनिल कुमार देव लिपिक 9,000, विनोद प्र. केशरी केशरी आदेशपाल 10,000, अरुण रजक रात्रि प्रहरी 8000, चांद प्रसाद शिक्षक प्रवेशिका 10,000, दयानन्द ठाकुर शिक्षक बेलाही) 10,000, भुनेश्वर यादव पू-जिप. प्रतिनिधि 10.000, दान दाता सदस्य 50 बोरा सिमेंट, कृष्णा यादव जेबीकेएसएस दो हाइवा गिट्टी समेत कई लोगों ने अपना सहयोग विद्यालय को दिया.

लोगों के बीच पहुंची मां विद्या जायसवाल, पत्नी निशा व देवरानी ट्विंकल

मां के साथ प्रचार में उतरे मनीष जायसवाल

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल के समर्थन में उनकी मां विद्या जायसवाल, पत्नी निशा जायसवाल और देवरानी ट्विंकल जायसवाल चुनावी मैदान में उतर गई हैं. शनिवार को इन सभी ने भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष रेणुका साहू के नेतृत्व में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बड़कागांव प्रखंड के आधा दर्जन गांवों में डोर टू डोर चुनाव कैंपेन किया. उन्होंने भाजपा एवं मनीष जायसवाल के समर्थन में कमल फूल छाप पर वोट देकर जिताने की अपील की. इनके साथ बड़ी संख्या में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता, समर्थक और विशेष नुक्कड़ नाटक की टीम चल रही थी. नुक्कड़ नाटक के जरिए 62 सालों तक देश में कांग्रेस की सरकार की नाकामियों और पिछले करीब 10 सालों के मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों को दी.

भाजपा सांसद प्रत्याशी मनीष जायसवाल की मां विद्या जायसवाल, पत्नी निशा जायसवाल और देवरानी ट्विंकल जायसवाल का नापो खुर्द, बादम, हरली, विश्रामपुर, मिर्जापुर और कांडतरी के ग्रामीणों ने गर्मजोशी से फूल माला पहनाकर अभिनंदन किया. साथ ही भाजपा के समर्थन में मतदान करने का वादा भी किया. सांसद उम्मीदवार की मां विद्या ने लोगों से कहा कि बड़कागांव हमारा पैतृक निवास है. ऐसे में अपने माटी के लाल को सांसद बनाएं. दिल से सेवा और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास करेगा. निशा ने कहा कि पूरे लोकसभा क्षेत्र में भाजपा की बयार बह रही ह . मौके पर विशेष रूप से उनके साथ बड़कागांव पूर्वी के भाजपा मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, महामंत्री सुमन गिरी, अरुण मालाकार, किरण देवी, सत्यभामा, मनोरमा राणा, कंचन शर्मा, मंजू मिश्रा, इंदु देवी, रानी शुक्ला, पूनम साहू, रूपा सिंह, रीना गुप्ता, मीता अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, दिप्ती अग्रवाल, मेघा अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोग साथ उपस्थित थे.

चुनाव कैंपेन

- आधा दर्जन गांवों में डोर टू डोर चुनाव कैंपेन किया
- कांडतरी के ग्रामीणों ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया

भाजपा प्रत्याशी व्यवसायी हैं: जेपी पटेल

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के इंडिया गठबंधन समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल लगातार पंचायतों और प्रखंडों का दौरा कर जनसंपर्क करने में लगे हुए हैं. इस क्रम में शनिवार को उन्होंने टाटीझरिया प्रखंड का दौरा किया. दर्जन से अधिक पंचायतों का भ्रमण कर कांग्रेस के पक्ष में हाथ छाप पर वोट डालने की अपील की. इस दौरान ग्रामीणों ने भी उन्हें गले लगा और सिर पर हाथ फेर समर्थन दिया. साथ ही कांग्रेस को भारी मतों से जिताने का भरोसा दिलाया. सांसद प्रत्याशी पटेल का जगह-जगह कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया गया. कांग्रेस, झामुमो, आप और लेफ्ट पार्टी के सैंकड़ों कार्यकर्ता उनके साथ चल रहे थे. पटेल का जोश दोपहर की भारी गर्मी में भी कम नहीं हुआ. इसके इतर गांव वालों में अधिक जोश दिखाई दिया. वह जहां कहीं भी गए, बड़े गर्मजोशी से उनका स्वागत किया गया. जनसंपर्क के दौरान जेपी भाई पटेल ने कांग्रेस के न्यायपत्र से लोगों को रूबरू करवाते हुए कहा कि कांग्रेस देश के हर वर्ग को ध्यान में रख कर विकास कार्य करने में विश्वास रखती है. इसलिए हमने युवा, महिला, पिछड़ा, किसान, मजदूर सभी के लिए न्यायपत्र में न्याय देने की बात कही है. उन्होंने भाजपा प्रत्याशी पर भी जोरदार हमला बोला. कहा कि भाजपा प्रत्याशी व्यवसायी हैं. सिर्फ धंधा करना जानते हैं. शराब, बालू, कोयला का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सभी व्यवसाय में वो खुद को ऊपर देखना चाहते हैं. कहा कि पैसे के बल पर उन्होंने टिकट भी खरीदने का काम किया है. उनकी शराब की कंपनी के नाम से चार करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बांड के माध्यम से भाजपा को दिया गया है. जिसके बाद भाजपा ने उन्हें टिकट दे दिया. धंधेबाजों को सिर्फ धंधा करने वाली भाजपा ही टिकेट दे सकती है. वहीं जनसंपर्क के दौरान उनके साथ सुरेंद्र प्रसाद यादव, शिबू प्रसाद सोनी, बोधी महतो, अरुण कुमार रजक, शंकर राय, योधि प्रसाद यादव, अर्जुन राणा, अनिल कुमार राय, जय कुमार महतो, जलेसर महतो, मुबारक अंसारी, जगदीश यादव, लक्ष्मण यादव, सरफुद्दीन अंसारी, गौतम कुशवाहा थे.

मोबाइल चोरी के आरोपी ने दी अपनी जान

संवाददाता। हजारीबाग

एक युवक ने घर में फंदे से लटक कर अपनी जान दे दी. घटना शनिवार की बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र के सिरका मोहल्ले की है. मृतक की पहचान नारायण पासवान के पुत्र भोला पासवान के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि मोहल्ले के ही उपेंद्र कुमार की मोबाइल गुम हो गई थी. जिसके बाद उपेंद्र के द्वारा बड़ा बाजार थाना में आवेदन दिया गया था. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक को थाने पर बुलाया और पूछताछ की. जिसके बाद युवक ने जल्दी ही मोबाइल पुलिस को लौटा दिया. वहीं पुलिस ने पीआर बांड भरवाकर युवक को शाम को छोड़ दिया. इसके बाद युवक डिप्रेशन में आ गया और वह आत्महत्या कर लिया. इस पर परिजनों ने बड़ा बाजार पुलिस पर प्रताड़ना का आरोप लगाया. इस संबंध में मृतक के पिता नारायण ने लिखित आवेदन दिया हे. जिसमें लिखा है कि मृतक के पॉकेट से सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है. जिसमें उसने अपनी मौत के पीछे अपने परिवार वालों का हाथ नहीं होने की बात लिखी है. आवेदन के अनुसार शुक्रवार की सुबह 6:30 बजे को पुलिस भोला पासवान को थाने ले गई थी. भोला पर बाइक पर रखे मोबाइल को उठाने का आरोप था. भोला ने सुबह 7:30 बजे ही मोबाइल जमा करवा दिया था. उसके बावजूद भी उसे शाम 7:30 बजे तक हथकड़ी से बांधकर रखा गया. इस घटना से वह काफी आहत हुआ. उसे बेइज्जती महसूस हुई और उसने फांसी लगा ली. इस संबंध में बड़ा बाजार ओपी प्रभारी बिट्टू रजक ने बताया कि उपेंद्र कुमार ने एक आवेदन दिया था. जिस पर मृतक का नाम था. आरोप यह था कि मृतक मोबाइल ले लिया है और वह वापस नहीं कर रहा है. जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस युवक को थाना लाई थी. फिर वह मोबाइल वापस कर दिया. जिस पर परिजनों को बुलाकर युवक को पीआर बांड भरवाकर छोड़ दिया गया. फिर वह घर पर जाकर आत्महत्या किया. इससे यही लग रहा है कि परिजन उस पर दबाव बनाए होंगे. जिसकी वजह से उसने आत्महत्या किया. उन्होंने कहा कि परिजनों द्वारा पुलिस पर आरोप लगाए गए आरोप बुनियाद हैं.

भोला पासवान की फाइल फोटो

भोला पासवान

- मोहल्ले के ही उपेंद्र कुमार की मोबाइल गुम हो गई थी
- पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक को थाने पर बुलाया

पोक्सो एक्ट के तहत दुष्कर्म आरोपी गिरफ्तार

हजारीबाग। नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को मुफस्सिल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. आरोपी हुटपा गांव का विकाश यादव है. जानकारी के अनुसार आरोपी विकाश पर एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है. इस संबंध में नाबालिग के परिजनों ने मुफस्सिल थाने में पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करायी थी. केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया. वहीं पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए हुटपा गांव स्थित आरोपी के घर में छापामारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया. इसके साथ ही पुलिस ने आरोपी का मेडिकल जांच कराकर उसे जेल भेज दिया.

गझंडी में ट्रेन की चपेट में आने से लोको पायलट की हुई मौत

संवाददाता। कोडरमा

कोडरमा-गया रेल खंड के गझंडी स्टेशन पोल संख्या 403/28 (1-2) के निकट नयी दिल्ली-रांची राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से लोको पायलट की दर्दनाक मौत हो गयी. घटना शनिवार सुबह 4:30 की है. लोको पायलट की पहचान पंकज कुमार सिंह, जानकी नगर, थाना रामपुर, मुंगेर बिहार निवासी के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार लोको पायलट पंकज सिंह ड्यूटी के दौरान शुक्रवार की रात 9:45 बजे एक लाइट इंजन लेकर देर रात 1:00 बजे गझंडी पहुंचे थे. वहां से वे कूपा गए थे और पुणे लौटकर 3:30 बजे गजनदी में लाइट इंजन को खड़ा कर रेल पटरी के रास्ते जा रहे थे. इसी क्रम में वे ट्रेन की चपेट में आ गए. सूचना पर पहुंचे जीआरपी तथा आरपीएफ प्रभारी जवाहरलाल, ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन गझंडी शाखा सचिव वीवी सिंह, उपाध्यक्ष सह लोको पायलट अजय कुमार, संजीव नयन, अजीत कुमार, प्रेम कुमार ने घटना पर दुख व्यक्त किया है. शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों की मौजूदगी में पैतृक आवास मुंगेर भेजा गया.

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य में लगाया अनियमितता का आरोप

संवाददाता। चौपारण

चौपारण जीटी रोड के महुदी से बनगांवा होते हुए बासुकीडीह तक लगभग चार किमी सड़क जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है. ग्रामीणों ने इसमें घोर अनियमितता का आरोप लगाया है. इससे नाराज ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य को बंद करवा दिया. ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण कार्य मे ठेकेदार घोर अनियमितता बरत रहा है. सड़क निर्माण के पहले जो डस्ट डाला गया है, उसमें सही मात्रा में छर्री व अन्य सामग्री को मिक्स नहीं किया गया है. इससे नाराज ग्रामीण शुक्रवार को सड़क पर उतर गये और काम को बन्द करवा दिया. इसकी जानकारी जेई को देते हुए उनसे सड़क निर्माण कार्य की जांच करने की मांग की. वहीं जेई ने बताया कि यह कार्य ग्रामीण कार्य विभाग के द्वारा हो रहा है. इसमें 55 परसेंट डस्ट डाला जाना है. यदि इससे कम होगी तो ठेकेदार पर कार्रवाई होगी. बताया कि सड़क पिच में छह इंच का डब्लू एमएम बिछाना है. जहां पर पीसीसी है वहां पर छह इंच का पीसीसी करना है.

स्वीप के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

रामगढ़। आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान रामगढ़ जिले में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार ने निर्देश दिये. डीसी ने मतदाता जागरुकता कोषांग को विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यक्रमों आदि का आयोजन कर अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया. इसी क्रम में नोडल पदाधिकारी मतदाता जागरुकता कोषांग सह जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कनक तिर्की के निर्देशानुसार सोशल मीडिया पब्लिसिटी ऑफिसर विक्रम सोनी के द्वारा शानिवार को महर्षि परमहंस बीएड कॉलेज में आम निर्वाचन स्वीप के तहत मतदाता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मतदाता जागरुकता को लेकर उपस्थित सभी बच्चों को मतदाता जागरुकता शपथ दिलाया गया.

कटकमसांडी के ढौठवा पंचायत में बूथ पदाधिकारियों की बैठक

भाजपा ने बूथ मैनेजमेंट पर दिया जोर

संवाददादाता। कटकमसांडी

कटकमसांडी प्रखंड के पंचायत ढौठवा में सभी बूथों के पदाधिकारियों के साथ भाजपा की बैठक हुई. इसमें कहा गया कि भाजपा बूथ मैनेजमेंट पर खास जोर दिया जाए ताकि बूथ मैनेजमेंट में मजबूती हो. इसके लिए पार्टी ने हर बूथ पर बूथ कमेटी का गठन किया है. हर बूथ पर मतदाता सूची के जरिए हर घर के एक-एक मतदाता की पहचान की जाएगी. पार्टी बूथ समिति के सदस्यों और कार्यकर्ताओं के समूहों को भी प्रेरित करने का प्रयास करेगी, ताकि मतदाताओं को समूहों में अपने घरों से बाहर निकलने के लिए प्रेरित किया जा सके. इस बार के लोकसभा चुनाव में पिछली बार की तुलना में ज्यादा से ज्यादा मतदान हो, इसे लेकर भाजपा अब आने वाले चरणों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अपने बूथ प्रबंधन को मजबूत करेगी. पार्टी मतदाताओं को घर से निकलकर बूथ पर जाकर वोट डालने के लिए प्रेरित करने के लिए बूथ समितियों और पन्ना प्रमुखों को सक्रिय करेगी. मौके पर उपस्थित कटकमसांडी विधायक प्रतिनिधि किशोरी राणा, ढौठवा पंचायत समिति सदस्य के प्रतिनिधि सोहर राणा, शाहपुर पंचायत के पूर्व मुखिया प्रेम प्रसाद, भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता विजय दांगी, पुरन यादव, प्रकाश यादव, सहादेव यादव, विनोद भोक्ता, द्वारिका यादव, विनोद यादव, गोलकी यादव, डमर यादव, परमेश्वर यादव उपस्थित थे.

बूथ पदाधिकारी

- मतदाता सूची के जरिए वोटरों की पहचान की जाएगी
- सदस्यों और कार्यकर्ताओं के समूहों को प्रेरित किया जाएगा

जल-नल योजना लोगों के लिए बनी मुसीबत

बरकट्ठा। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के लोगों को इन दिनों जहां भीषण गर्मी व पेयजल के संकट से जूझना पड रहा है. वहीं सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल-नल योजना ग्रामीणों के लिए वरदान की जगह अभिशाप साबित हो रहा है. क्षेत्र के दर्जनों पंचायतों के हजारों घरों में इन दिनों जल-नल योजना के तहत पानी कनेक्शन दिया गया है. निर्माण कार्य कर रही ऐजेंसियों के लोगों के द्वारा कहा जा रहा था कि खुलेगा नल ओर मिलेगा जल, लेकिन प्रखंड क्षेत्र के बेलकप्पी पंचायत में यह देखा जा रहा है कि खुला हुआ है नल ओर गली में बह रहा है जल. जिससे रास्ते पर आवागमन करने वाले राहगीरों को पैदल चलना दुभर हो गया है. जबकि इस भीषण गर्मी में लोगों को पीने के लिए पानी नसीब नहीं हो रहा है. इस संदर्भ में समाजसेवी अजीत कुमार पाण्डेय बताते हैं कि जिस प्रकार से शौचालय निर्माण कार्य में घटिया निर्माण कार्य किया गया.

कॉन्क्लेव आईसेक्ट विश्वविद्यालय के तरबा-खरबा स्थित मुख्य कैंपस में कॉन्क्लेव का आयोजन हुआ

उद्यमी अवसरों के प्रति सजग रहें और लाभ उठायें : कुलपति

संवाददाता। हजारीबाग

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के तरबा-खरबा स्थित मुख्य कैंपस सभागार में शनिवार को कॉन्क्लेव का आयोजन हुआ. विकसित भारत के निर्माण में कौशल विकास, वित्तीय समावेशन और सामाजिक उद्यमिता की भूमिका को लेकर वार्षिक सम्मेलन समर्थ कॉन्क्लेव का आयोजन आईसेक्ट एवं एनसीएसडीई के संयुक्त तत्वावधान में किया गया.

इसमें झारखंड, बिहार समेत विभिन्न राज्यों से जुड़े आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज के प्रतिनिधि शामिल हुए. केनरा बैंक सर्किल ऑफिस रांची के असिस्टेंट मैनेजर प्रमोद कुमार, आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, केनरा बैंक के हजारीबाग एजीएम जया कृष्णा, डॉ सीवी रमण विश्वविद्यालय, वैशाली, बिहार के कुलसचिव डॉ ब्रजेश सिंह, प्रो वीसी डॉ बसंत सिंह, आईसेक्ट के बिहार/झारखंड जोनल हेड अंबरीश कुमार, एफआई आईसेक्ट के नेशनल हेड सिद्धार्थ डोगरे समेत अन्य विशेष अतिथियों के हाथों दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई. बता दें कि उद्यमियों को मिली वित्तीय समावेशन और कौशल विकास के उभरते क्षेत्रों की जानकारी भारत के अग्रणी सामाजिक उद्यम आईसेक्ट की ओर से देश भर के लघु उद्यमियों को सशक्त बनाने के प्रयास के तहत बीते 30 अप्रैल से आगामी 25 मई तक भारत के 19 राज्यों में सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है.

यह कॉन्क्लेव विकसित भारत के निर्माण के हमारे साझा मिशन में एक साथ आने, सीखने और सहयोग करने का एक अनूठा मंच है. इस अवसर पर अपने वक्तव्य में विशेष अतिथि केनरा बैंक सर्किल ऑफिस रांची के असिस्टेंट मैनेजर प्रमोद कुमार ने कहा कि सामाजिक उद्यमिता और कौशल विकास देश में समावेशी विकास प्राप्त करने के लिए दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं. आज कौशल विकास के जरिए ही रोजगार एवं स्वरोजगार से युवाओं को बड़ी संख्या में जोड़ा जा सकता है. साथ ही देश की आर्थिक प्रगति के द्वारा खोले जा सकते हैं. वहीं आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक ने कहा कि उद्यमियों के लिए यह आवश्यक है कि वे कौशल विकास में उत्पन्न हो रहे नए अवसरों के प्रति सजग रहें और आगे बढ़कर लाभ उठाएं. जबकि कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि आईसेक्ट की स्थापना 1985 में ग्रामीण और अर्ध शहरी जनता के बीच डिजिटल विभाजन को पाटने और एक सक्षम पीढ़ी के निर्माण के लिए की गई थी. जिसमें बहुत हद तक सफलता मिली है. मौके पर एआर विजय कुमार, अनुप श्रीवास्तव, अमित कुमार, चांदनी, अनीमा, चंदन कुमार, रजनी, मुस्कान सोनी, शुभम कुमार, पारितोष पाण्डेय व प्रशांत बेसरा मौजूद थे.

आईसेक्ट विवि

- आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज के प्रतिनिधि शामिल हुए
- 19 राज्यों में सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है

नैक को लेकर विश्वविद्यालय पूरी तरह से तैयार : कुलपति

संवाददाता। हजारीबाग

विनोबा भावे विश्वविद्यालय कुलपति सुमन कैथरीन किसपोट्टा ने शिक्षकों के साथ बैठक की. नैक की तैयारी की समीक्षा को लेकर हुई बैठक में वीसी ने कहा कि बेंगलुरु से आ रहे तीन सदस्य नैक दल द्वारा विभावि के निरीक्षण के लिए विश्वविद्यालय पूरी तरह से तैयार है. विपरीत परिस्थिति में भी सभी लोग पूरे लगन के साथ तैयारी के लिए मेहनत किए हैं. हमें आशा है कि विश्वविद्यालय को अच्छे ग्रेड प्राप्त होंगे. शिक्षकों की बैठक के बाद शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के साथ इसी विषय पर एक अलग बैठक कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित की गई. दोनों बैठक आर्यभट्ट सभागार में हुई. विश्वविद्यालय के छात्रकल्याण संकायअध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ) मिथिलेश कुमार सिंह ने कहा कि लगभग सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. अभी भी किन्हीं को कुछ ध्यान में आता है तो तत्काल संबंधित अधिकारी को इसकी सूचना दें. इससे पूर्व विश्वविद्यालय के नैक कोषांग के समन्वयक डॉ गंगानन्द सिंह ने बिंदुवार सभी बिंदुओं की तैयारी से सदन को अवगत कराया. बैठक में विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारी, संकाय अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, निदेशक एवं मुख्यालय में अवस्थित विभागों के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर अपने-अपने बैठक में उपस्थित हुए. विद्यालय के सीसीडीसी डॉ केके गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया.

ब्रीफ खबरें

19.6 लीटर नकली अंग्रेजी शराब बरामद

डुमरिया। डुमरिया थाना क्षेत्र के कुमड़ाशोल से पुलिस ने 19.6 लीटर नकली अंग्रेजी शराब बरामद किया है. शनिवार को डीएसपी संदीप भगत ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि कुमड़ाशोल में नकली शराब के भंडारण और बिक्री की गुप्त सूचना मिली थी. थाना प्रभारी सुगना मुंडा और सअनि राजेश कुमार के नेतृत्व में छापामारी की गई. आरोपी श्यामचरण टुडू के पास नकली अंग्रेजी शराब की 52 बोतलें और एक जार में 20 लीटर देशी शराब बरामद की गई. इस मामले में धारा 272, 273, 290 भादवि व 47(ए) उत्पाद अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है. शनिवार को आरोपी श्यामचरण टुडू को जेल भेज दिया गया.

मेडिकल पीजी डिप्लोमा की परीक्षा 17 मई से

चाईबासा। मेडिकल पीजी डिप्लोमा सत्र 2021-23 की वार्षिक परीक्षा 17 मई, 20 मई व 22 मई को होगी. परीक्षा सुबह 10 बजे से अपराह्न 1 बजे तक होगी. संबंधित परीक्षार्थियों को परीक्षा के निर्धारित समय से आधा घंटा पूर्व केन्द्र पर रिपोर्ट करने के लिए निर्देश दिया गया है. जमशेदपुर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज के छात्रों का परीक्षा केन्द्र करीम सिटी कॉलेज में बनाया गया है. फर्स्ट प्रोफेशनल एमबीबीएस सत्र 2022- 27 द्वितीय सप्लीमेंट्री की परीक्षा की तिथि जारी कर दी गयी है. परीक्षा 17 व 31 मई को होगी.

जेबीकेएसएस कार्यकर्ताओं ने चुनाव को लेकर बैठक की

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के एन एच 18 किनारे अवस्थित गार्डन ऑफ ईडन में जेबीकेएसएस की ओर से लोकसभा चुनाव को लेकर एक बैठक किया गया. जिसमें मुख अतिथि जेबीकेएसएस के लोकसभा प्रत्याशी लालटू महतो तथा विशिष्ट अतिथि प्रकाश महतो, समीर महतो, विमल महतो, केदारनाथ महतो व संजय नंदी उपस्थित थे. मुख्य अतिथि लालटू महतो ने बताया कि जनप्रतिनिधियों के दस साल व चार साल की गाथा बहरागोड़ा विधानसभा वासियों से छुपी नहीं है. इस मौके पर बासुदेव पांडा, शिबू मुर्मू, गोविंद मुर्मू व सैकड़ो की संख्या में जेबीकेएसएस के कार्यकर्ता उपस्थित थे.

महिला समूह ने नोवामुंडी में मतदाताओं को किया जागरूक

नोवामुंडी। नोवामुंडी प्रखंड अंतर्गत गुवा राम नगर एसबीआई के पीछे जेएसएलपीएस जेंडर सीआरपी गीता देवी एवं विभिन्न महिला समूह ने नुक्कड़ नाटक कर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया. इस नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक कर संदेश दिया कि अपने मताधिकार का का प्रयोग अवश्य करें. मतदान करना आपका अधिकार है. मतदान अपनी स्वेच्छा से करें. किसी के प्रलोभन में ना आए.मतदान के दिन मतदान केंद्र में अपने साथ अपनी पहचान पत्र साथ में ले जाएं. ताकि आप मतदान से वंचित न हो पाए.

अज्ञात वाहन के धक्के से मवेशी की हुई मौत

गुड़ाबांदा। गुड़ाबांदा थाना क्षेत्र के मुढ़ाकाटी कुकराझिंझा मुख्य सड़क पर अज्ञात वाहन ने एक मवेशी को कुचल दिया . ग्रामीणों के मुताबिक शुक्रवार देर रात को एक हाइवा ने मवेशी को कुचल दिया . ग्रामीणों के मुताबिक देर रात हाइवा से अवैध बालू का परिवहन किया जाता है. दर्जनों हाइवा तेज गति के साथ चलते हैं. मृत मवेशी किसान दुबराज बेरा का है. मवेशी की मौत से किसान को आर्थिक क्षति पहुंची है. ग्रामीणों ने मृत मवेशी का मुआवजा देने और अवैध रूप से चल रहे बालू कारोबार पर अंकुश लगाने की मांग की है.

जिला सहकारिता पदाधिकारी की कार्रवाई भी नहीं आई काम, चार साल बाद भी मामला जस का तस

लैम्पस के लाभुकों को अब भी है चार साल के बकाया राशि मिलने का इंतजार

संवाददाता। आदित्यपुर

आदित्यपुर लैम्पस के हजारों लाभुकों को अब भी है चार साल का बकाया राशि मिलने का इंतजार है. इन लाभुकों ने तकरीबन ढाई करोड़ रुपए लैम्पस में जमा किए थे, लेकिन बदले में इन्हें फूटी कौड़ी तक नहीं मिली. बकाएदारों में अधिकतर छोटे-मोटे व्यापारी हैं, जो भविष्य में पूंजी निवेश को लेकर लैम्पस में खाता खुलवाकर राशि जमा की थी. अब तो इन लाभुकों को आदित्यपुर स्थित लैम्पस कार्यालय के खुलने पर भी संशय है. वर्ष 2022 में तत्कालीन जिला सहकारिता पदाधिकारी ने कठोर निर्णय लेते हुए लैम्पस से ऋण लेने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई भी की थी, जिसके तहत करीब 250 ऋणधारकों को नोटिस भेजा था, साथ ही 36 के विरुद्ध बॉडी वारंट भी जारी हुआ था, लेकिन इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई. बता दें कि लैम्पस से ऋण लेकर बकायेदार वर्षों से कुंभकर्णी निद्रा में सोये हुए हैं. सहकारिता विभाग भी अब उन पर शिकंजा कसना बंद कर दिया है. नीलाम पत्र पदाधिकारी सह जिला सहकारिता पदाधिकारी ने 2022 में सभी बकायेदारों के विरुद्ध बॉडी वारंट जारी करते हुए कांड्रा, गम्हरिया और आदित्यपुर पुलिस को बकायेदारों की सूची सौंप कर कार्रवाई का आदेश दिया था. तब बकायेदारों पर बॉडी वारंट जारी होते ही वर्षों से ऋण लेकर चुकता नहीं करने वाले लाभुकों में खलबली मच गई थी. दूसरी ओर अपने जमा पैसे की वापसी के लिए प्रतिदिन लैम्पस का चक्कर काटने वालों के मन में बॉडी वारंट जारी होते ही पैसे वापस मिलने की आस जगी थी. बता दें कि कांड्रा लैम्पस से सैकड़ों लाभुकों ने लगभग 10 से 15 वर्ष पूर्व ऋण के रूप में एक बड़ी राशि ली थी, लेकिन बाद में उनके द्वारा ना तो किस्त के रूप में रकम वापसी की गई और ना ही ऋण चुकाने के प्रति बकायेदारों ने दिलचस्पी दिखाई. बता दें कि आदित्यपुर लैम्पस में पूर्व के सहकारिता पदाधिकारी के द्वारा अपने सगे संबंधियों में बांटी गई ऋण की वजह से यहां के करीब 350 रोजमर्रा का व्यवसाय करने वाले लोगों के पैसे लैम्पस के खाते में फंसे हुए हैं.

खास बातें

- 2022 में 250 ऋण धारकों को भेजा गया था नोटिस
- 36 के विरुद्ध जारी हुआ था बॉडी वारंट, नहीं हुई कोई कार्रवाई

उभरती महिला इंजीनियरों को सशक्त बनाना उद्देश्यः डॉ पाढ़ी

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

अर्का जैन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग कैंपस में एक आईईईई कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसका विषय 'सिस्टम इंजीनियरिंग में महिलाएं : अनुसंधान और तकनीकी दक्षताओं को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं की प्रतिभाओं को पोषित करने की रणनीतियां' था. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में एनआईटी जमशेदपुर के इंजीनियरिंग विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ कुमारी नम्रता शामिल हुईं. मुख्य अतिथि एवं अन्य वक्ताओं ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की.आईईईई के छात्र चैप्टर की ओर से एवं काउंसलर डॉ आदित्य प्रसाद पाढ़ी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य उभरती महिला इंजीनियरों को सशक्त बनाना व प्रेरित करना था.

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ कुमारी नम्रता की सम्मानजनक उपस्थिति विद्यार्थियों के लिए काफी उत्साहजनक एवं प्रेरणादायी रही. डॉ नम्रता का संबोधन अनुसंधान पहल को बढ़ावा देने और आत्म-चिंतन को प्रोत्साहित करने के महत्व पर केंद्रित था. इसने विद्यार्थियों को अपने अंदर तकनीकी दक्षताओं को बढ़ाने के प्रति प्रेरित किया.

कार्यक्रम में विशेषज्ञता जोड़ते हुए दो प्रमुख औद्योगिक महिला विशेषज्ञों ने भी अपनी बातें रखी. उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए अपनी अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा किए. उनके अमूल्य योगदान ने कार्यक्रम को और समृद्ध बना दिया. इससे विद्यार्थियों को वास्तविक दुनिया के दृष्टिकोण और मार्गदर्शन मिले. स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के सहायक डीन डॉ अश्विनी कुमार ने शैक्षणिक और व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में दृढ़ता और दृढ़ संकल्प के महत्व पर जोर दिया गया. इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और उद्योग पेशेवरों की समान रूप से भागीदारी रही.

दो छात्रों को 5.5 लाख का पैकेज, चार अन्य को भी मिला जॉब

एनटीटीएफ आरडी टाटा तकनीकी संस्थान में कैंपस सेलेक्शन

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के गोलमुरी स्थित एनटीटीएफ आरडी टाटा टेक्निकल सेंटर में विभिन्न कंपनियों द्वारा कैंपस सेलेक्शन किया गया. इसमें फाइनल इयर के छह छात्रों का विभिन्न कंपनियों ने चयन किया. कैंपस सिलेक्शन में मुख्यतः लिखित परीक्षा, तकनीकी क्षमता ज्ञान एवं फाइनल सिलेक्शन इंटरव्यू राउंड के बाद हुआ. इसमें छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित कंपनियों में अपनी जगह सुनिश्चित की. डिप्लोमा इन मेकाट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग (सीपी15) से रिया कुमारी गुप्ता एवं दिशा महाकुड को बेंगलुरु स्थित टेट्रा पैक कंपनी द्वारा 5.5 लाख के पैकेज पर लॉक किया गया. वही डिप्लोमा इन मेकाट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग से ही मिहिर कर को बेंगलुरु स्थित आईटीसी कंपनी में 3.47 लाख के पैकेज पर लॉक किया गया. प्रभाकर पांडा, कुशानंद एवं दीपक कुमार को तमिलनाडु के कोयंबटूर स्थित क्राफ्ट्समैन ऑटोमेशन कंपनी ने 3.75 के पैकेज पर लॉक किया.

सभी चयनित विद्यार्थी फाइनल इयर के हैं. छात्रों ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय संस्थान की प्राचार्य एवं शिक्षकों को दिया है. प्राचार्य प्रीता जॉन, उप प्राचार्य रमेश राय ने छात्रों की उपलब्धि पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कर जीवन के इस नए पथ पर अग्रसर होने पर सुनहरे भविष्य की कामना की है. इसमें संस्थान की प्लेसमेंट पदाधिकारी नेहा एवं मिथिला ने सहयोग किया. दीपक सरकार, हिरेश, पंकज कुमार गुप्ता, हरीश कुमार के साथ उप प्रबंधक प्रशासनिक अधिकारी वरुण कुमार ने भी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है.

परसुडीह में असामाजिक तत्वों ने ऑटो में लगा दी आग

जमशेदपुर। परसुडीह स्थित कीताडीह में शुक्रवार देर रात असमाजिक तत्वों ने जहांगीर खान के घर के बाहर खड़ी ऑटो में आग लगा दी. जब तक जहांगीर खान को इसकी खबर मिली तब तक ऑटो जलकर खाक हो चुकी थी. जहांगीर ने इसकी सूचना पुलिस को दी. जहांगीर ने बताया कि वह भाड़े पर ऑटो चलाता है. ऑटो पड़ोस में ही रहने वाले एक व्यक्ति का है. हर दिन की तरह वह शुक्रवार को भी रात में ऑटो घर के बाहर खड़ी कर अपने घर में सोने के लिए चला गया था. देर रात 2 बजे पड़ोसियों ने सूचना दी कि ऑटो में आग लग गई है.

जमशेदपुर एफसी अंडर-15 ने बड़वानी एफसी को 5-0 गोल से हराया

जमशेदपुर। जमशेदपुर एफसी अंडर-15 टीम ने एआईएफएफ जूनियर लीग ग्रुप के तीसरे मैच में बड़वानी एफसी को 5-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की. इस मैच में जमशेदपुर एफसी ने शुरुआत से लेकर आखिर तक अपना दबदबा कायम रखा और पहले हाफ में गोल करने के कई मौके बनाए. मार्शल हेमब्रम ने 15वें मिनट में जमशेदपुर एफसी के लिए गोल करके अपनी टीम को मनचाही शुरुआती बढ़त दिलाई. श्रीनिधि डेक्कन एफसी के वापसी के प्रयासों के बावजूद जमशेदपुर एफसी की मजबूत डिफेंस ने मजबूती से पकड़ बनाए रखी और हाफटाइम तक 1-0 की बढ़त बनाए रखी. दूसरे हाफ में दोनों टीमें गोल की तलाश में आगे बढ़ती रहीं. 53वें मिनट में मनीष बानरा ने एक बेहतरीन गोल करके जमशेदपुर एफसी की बढ़त को बढ़ाया और अमन फिरदौश की सनसनीखेज हैट्रिक के लिए मंच तैयार किया.

बस्तीवासी कर रहे विरोध, मामला पहुंचा थाना

डीप बोरिंग की पाइप से जबरन कनेक्शन कर ले रहे पानी

संवाददाता। आदित्यपुर

आदित्यपुर नगर निगम के वार्ड नंबर 20 के गुमटी बस्ती में सार्वजनिक डीप बोरिंग में कुछ दंबग किस्म के परिवारों द्वारा जबरन पाइप लगाकर अवैध तरीके से घरों में कनेक्शन ले लिया गया है. जिसका स्थानीय लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है. शनिवार सुबह बस्ती की महिलाओं ने अभिलंब कार्रवाई की मांग करते हुए आदित्यपुर थाना में बवाल किया है. सार्वजनिक बोरिंग से पाइप कनेक्शन जोड़ने वालों में बस्ती के तकरीबन 10 से 15 परिवार हैं. शिकायत के बाद मौके पर पहुंची आदित्यपुर पुलिस ने आक्रोशित महिलाओं को समझाने बुझाने का प्रयास किया. स्थानीय लोगों द्वारा बताया गया कि दबंग प्रवृत्ति के लोगों ने सांठ गांठ से पैसे खर्च कर अवैध तरीके से सार्वजनिक डीप बोरिंग से पाइपलाइन बिछा अपने घरों में कनेक्शन ले लिया है. इससे आम लोगों को पानी नहीं मिल रहा है. जबकि पाइपलाइन से उनके घरों तक भरपूर पानी जा रहा है. इस भीषण गर्मी में लोग पानी के लिए त्राहिमाम कर रहे हैं. जबकि कुछ लोग अपने धनबल का प्रयोग कर गरीब लोगों को परेशान कर रहे हैं. मामले को लेकर स्थानीय महिलाओं ने आदित्यपुर थाना पहुंचकर भी अपना विरोध जताया है.

जैंतगढ़ में झामुमो का चुनाव कार्यालय खुला

किरीबुरु। कोल्हान की धरती बिरसा मुंडा की कर्म भूमि आंदोलन की धरती, शहीद नगरी कोल्हान में प्रधान मंत्री का चुनावी भाषण आधा घंटा का रटा रटाया टेप रिकॉर्ड था. प्रधानमंत्री ने न तो भगवान बिरसा मुंडा को सम्मान दिया, न झारखंड के शहीदों को श्रद्धांजलि दी, न आंदोलनकारियों की सराहना की. ये शहीदों का अपमान है. उक्त बातें पूर्व विधायक मंगल सिंहा बोबोंगा ने जैंतगढ़ में इंडिया गठबंधन का चुनावी कार्यालय उद्घाटन कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने झारखंड के आदिवासियों की सबसे बडी मांग सरना धर्म कोड को लागू करना है. ये हमारी दुखती रग है. सरना से ए हमारी पहचान, संस्कृति और सभ्यता जुड़ी है.इस अवसर पर नवाज हुसैन उर्फ बिरसा, ज्वाला कोड़ा, प्रखंड अध्यक्ष संदेश सरदार, शरीक राजा, अभिषेक सिकु, मनोज लगुरी, बीस सूत्री अध्यक्ष ललित डोराईबुरु, लक्ष्मी नारायण लागुरी, प्रखंड मीडिया प्रभारी महेंद्र तिरिया आदि दर्जनों मौजूद थे.

ब्राउन शुगर, चोरी और मारपीट के मामले में तीन आरोपी भेजे गए जेल

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के गोविंदपुर पुलिस ने ब्राउन शुगर बेचने,चोरी और मारपीट के अलग-अलग मामलों में कुल तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. ब्राउन शुगर के मामले में पुलिस ने पटेल नगर निवासी राहुल कुमार को 25 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है. पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि रोहित अपने घर के पास ब्राउन शुगर बेच रहा है. सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की और रोहित को 25 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार कर लिया.

इधर, दूसरे मामले में पुलिस ने सुंदरहातू निवासी पूर्व मुखिया के घर किराए के मकान में रहने वाले विनोद नोनिया के घर चोरी करने के मामले में विवेक कुमार को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की तीन मोबाइल बरामद किया है. विनोद के घर बीते दिनों पांच हजार रुपये और एक मोबाइल की चोरी कर ली गई थी. शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरु की और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. तलाशी के क्रम में दोनों के पास से तीन चोरी के मोबाइल बरामद किए गए. वहीं तीसरे मामले में पुलिस ने मारपीट के एक मामले में संजय पात्रो को गिरफ्तार किया है.

न्यूज अपडेट

घाटशिला प्रखंड का स्थापना दिवस मनाया गया

घाटशिला । घाटशिला प्रखंड का 63वां स्थापना दिवस शनिवार को प्रखंड प्रमुख सुशीला टुडू एवं पंचायत समिति सदस्य छाया रानी साव, पंचायत समिति सदस्य सुमित्रा सोरेन ने मिलकर प्रखंड कार्यालय के मुख्य द्वार पर लड्डू का वितरण किया. प्रखंड प्रमुख सुशीला टुडू ने कहा आज से 63 वर्ष पूर्व घाटशिला को प्रखंड का दर्जा मिला था. हम सभी प्रखंड का 63वां स्थापना दिवस मना रहे है. काफी गौरव की बात है. उपस्थित सभी लोगों को लड्डू देकर एक दूसरे को बधाई दिया और प्रखंड के स्वर्णिम भविष्य की कामना किया. प्रखंड प्रमुख ने कहा प्रखंड के प्रथम बीडीओ कमला प्रसाद मित्रा और वर्तमान बीडीओ के रूप में यूनिका शर्मा पदस्थापित हैं.

विद्यार्थियों ने मतदाता जागरूकता रैली निकाली

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर के चंद्री पंचायत स्थित बड़दा बाईडीह गांव के शारदा पब्लिक स्कूल की ओर से शनिवार को मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई. इस मतदाता जागरूकता रैली में चंद्री पंचायत की मुखिया शुरूमनी बारला, पूर्व मुखिया बाबूराम बारला, विद्यालय के प्राचार्य भजन लाल महतो के अलावे शिक्षक, शिक्षिकाएं व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए . जागरूकता रैली के दौरान विद्यालय के लगभग 500 छात्र छात्राएं ग्रामीणों को मतदान का महत्व बताते हुए चल रहे थे . बड़दा गांव के नीचे टोला, महतो टोला, ढीपासाई, छोटा उलीडीह, बाईडीह के विभिन्न टोला में भ्रमण कर विद्यालय पहुंची .

ब्लड बैंक की स्थापना को लेकर स्वास्थ्य मंत्री को लिखा पत्र

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के समाजसेवी सह अधिवक्ता ज्योतिर्मय दास ने अपने समाज के लिए उत्साही और समर्पित हेतु बहरागोड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में ब्लड बैंक की स्थापना के लिए मांग के लिए स्वास्थ्य मंत्री को लिखे पत्र. जिससे कि एक जरूरतमंद पहल है जो स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान रहेगी.वहीं बहरागोड़ा एक जनबहुल क्षेत्र है जहाँ की कुल जनसंख्या लगभग 2 लाख से अधिक है और यहाँ आपातकालीन सेवा के लिए ब्लड की कोई व्यवस्था नहीं है. इसके परिणामस्वरूप, घायलों को पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल या ओडिशा जाना पड़ता है,जो कि लगभग क्षेत्र से 40-50 किमी दूर अवस्थित हैं.

रेलवे स्काउट्स एंड गाइड ने शुरू की स्टेशन पर जल सेवा

आदित्यपुर। आदित्यपुर रेलवे स्टेशन में भीषण गर्मी को देखते हुए रेलवे स्कॉउट्स एंड गाइड के द्वारा यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर पानी पिलाया गया. यह अभियान पूरी गर्मी चलेगी. इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से, आदित्यपुर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी (डीएमई) प्रदीप कुमार गुप्ता, महापात्रा, प्रदीप प्रसाद, संजय गुप्ता, अरुण मंडल,डी के सिन्हा, स्कॉट्स एंड ग्वीडिस् के संजीत महतो, बिशवेंदु बेहरा, समाजसेवी अभिलाष मिश्रा, संतोष कुमार, रामा शंकर वर्मा, ओम प्रकाश प्रसाद, सहित रेलवे के कर्मचारी एवं स्कॉट्स की पूरी टीम इस पुनीत कार्य में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं.

झाटीझरना के छात्रों ने निकाली जागरूकता रैली

घाटशिला। सिस्टमैटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्टरल पार्टिसिपेशन (स्वीप) कार्यक्रम के तहत शनिवार को उत्क्रमित उच्च विद्यालय झाटीझरना के छात्रों ने जागरुकता रैली निकालकर ग्रामीणों को मतदान करने के लिए जागरूक किया. इसमें कक्षा 9वी तथा 10वीं के छात्र एवं छात्राओं के अतिरिक्त प्रभारी प्रधानाध्यापक नवदीप बिहारी करण, डॉ. कमर अली, किशोर कुमार बांद्रा, दीपक कुमार महतो, आनंद बारीक, चमन सिंह सोमनाथ सोरेन और मनीष कुमार ओझा शामिल थे. विद्यार्थियों ने नारा लगाया कि मैं भी इलेक्शन एम्बेसडर, पहले मतदान फिर जलपान, वोट फॉर इंडिया, वोट फॉर जमशेदपुर, लोकतंत्र का महापर्व अमर रहे, वोट करेगा जमशेदपुर 25 मई 2024 को, हिंदुस्तान जिंदाबाद, लोकतंत्र जिंदाबाद, ऐसे नारों से पूरा पंचायत गूंज उठा.

मतदाता जागरूकता अभियान में विविध कार्यक्रम आयोजित

किरीबुरु। स्वीप मतदाता जागरूकता अभियान के तहत गोईलकेरा प्रखंड में रात्रि चौपाल और आज मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया. आयोजन कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय नोवामुंडी में चुनाव आधारित रंगोली और निबंध लेखन प्रतियोगिता और सीएससी बड़ा जमादा में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम किया गया. मतदाताओं को सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र 13 मई को अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया. सभी को विस्तार में जानकारी भी दी गई की एक सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में मतदान करना कितना आवश्यक है. उन्हें बताया गया कि लोकतंत्र में एक-एक मत का बहुत अहमियत है, इसीलिए सभी कोई 13 मई को अवश्य मतदान करें. साथ ही साथ अपने घर के सदस्य और आस-पड़ोस के लोगों को भी मतदान करने हेतु प्रेरित करें.

प्लस टू उच्च विद्यालय मझगांव में गर्मी से तीन बच्चे बेहोश

मझगांव। भीषण गर्मी के कारण शनिवार को हर किसी का हाल बेहाल था. प्रचंड गर्मी का सबसे ज्यादा असर स्कूली बच्चों पर देखा जा रहा है. उनकी छुट्टी 11:30 बजे होती है. तमाम स्कूलों में बिजली की व्यवस्था है, लेकिन बिजली की आंख मिचौली दिन भर जारी रहती है. इस कारण बच्चों का हाल बेहाल हो गया है. गर्मी बढ़ने से बिजली की कटौती भी हो रही है. भीषण गर्मी के कारण प्लस टू उच्च विद्यालय मझगांव की कक्षा 9वीं के छात्र मदन पिंगुवा, कक्षा 11वीं की छात्रा रीना नायक, दीपना रानी नायक गर्मी की वजह से चक्कर खाकर क्लास में ही गिर गये. उपस्थित शिक्षक श्याम सुंदर व शालेंद्र मार्डी बच्चों को मझगांव अस्पताल ले गये. वहां डॉक्टर नीतीश कुमार केरकेट्टा, डॉ जगन्नाथ बेनकट ने बच्चों का उपचार किया. एक छात्र और दो छात्राएं बेहोश हो गए. अभिभावकों ने स्कूल समय में परिवर्तन की मांग की है.

85 वर्ष के ऊपर 45 व 33 दिव्यांग मतदाता होम वोटिंग करेंगे

चाईबासा। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के निमित्त भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक (एवीएससी) और 40% पीडब्ल्यूडी (एवीपीडी) श्रेणी के अनुपस्थित मतदाताओं को होम वोटिंग तहत डाक मतपत्र से मतदान कराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त है. जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कुलदीप चौधरी के निर्देशन पर पश्चिमी सिंहभूम जिला में उपरोक्त श्रेणी में सम्मिलित मतदाता का डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कराने हेतु सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र के चाईबासा विधानसभा क्षेत्र, मंझगांव विधानसभा क्षेत्र, जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र, मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र व चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र हेतु कुल सात अलग-अलग टीम का गठन किया गया.

समारोह हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी, जमशेदपुर ने पूर्व अध्यक्ष को किया सम्मानित

समाज के लिए हमेशा उपलब्ध रहूंगा : कैप्टन धनंजय मिश्रा

संवाददाता। जमशेदपुर

हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी जमशेदपुर की ओर से एचएसजे कॉन्फ्रेंस रूम में सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यह आयोजन टाटा यूएसआईएल के पूर्व सीनियर जीएम कैप्टन धनंजय मिश्रा के सम्मान में किया गया. आरम्भ में सोसायटी की चेयरपर्सन रुचि नरेंद्रन ने सर्वप्रथम कैप्टन धनंजय मिश्रा का स्वागत किया. इसके बाद उन्होंने कैप्टन धनंजय मिश्रा के समाज में योगदान की जानकारी दी. सोसायटी की अध्यक्ष सुमिता नूपुर ने कैप्टन धनंजय मिश्रा के साथ किये गये अपने कार्यों के अनुभव साझा किये.

सोसायटी के उपाध्यक्ष बरेन मैती ने कैप्टन धनंजय मिश्रा के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में जानकारी दी. उन्होंने कहा कि जब वह सोसायटी के सचिव और कैप्टन धनंजय मिश्रा सोसायटी के अध्यक्ष थे, तब दोनों ने मिलकर काम किया और समाज के लिए बहुत कुछ हासिल किया. इसे एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत कराया और उपनियमों का गठन किया. इसका श्रेय कैप्टन मिश्रा को जाता है, जिन्होंने इसके लिए बहुत कुछ किया. सोसायटी की महासचिव अनुराधा महापात्रा ने सोसायटी को सहयोग के लिए कैप्टन मिश्रा प्रति आभार जताया.

कार्यक्रम में कैप्टन मिश्रा ने समाज के साथ किये गये अपने अनुभवों को साझा किया. उन्होंने आश्वासन दिया कि वह समाज से सेवानिवृत्त नहीं हुए हैं और आवश्यकता पड़ने पर समाज के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे.

उन्होंने एचएसजे को आगामी वार्षिक पुष्प शो और राष्ट्रीय गुलाब सम्मेलनों के लिए अपने पूर्ण समर्थन का भी आश्वासन दिया. कार्यक्रम में कैप्टन मिश्रा को प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम के दौरान लगभग 30 ईसी सदस्य उपस्थित थे.

खास बातें

- चेयरपर्सन रुचि नरेंद्रन ने कैप्टन का स्वागत किया
- सेवानिवृत्त नहीं हुए हैं, जरूरत पड़ने पर हमेशा उपलब्ध रहेंगे : मिश्रा

तालाब में डूबने से छात्र की मौत

संवाददाता। घाटशिला

कसीदा पंचायत अंतर्गत विक्रमपुर गांव के तालाब में डूबने से संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर घाटशिला के छात्र रूपेश कुमार मंडल की मौत शनिवार को हो गई. छात्र के तालाब में डूबने से आसपास में कोहराम मच गया उसके साथ तालाब में स्नान कर रहे दोस्त भास्कर कुमार भी डूबने लगा तो गांव के युवकों ने किसी तरह उसे डूबने से बचाया . उसने लोगों को जानकारी देकर उसका दोस्त रूपेश तालाब में डूब गया है. इसकी सूचना गांव में मिलते ही हजारों की संख्या में लोग तालाब किनारे पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद कशीदा के ग्रामीणों ने रूपेश को तालाब से बाहर निकाल. सूचना पर पहुंचे घाटशिला थाना प्रभारी मधुसूदन दे रूपेश को लेकर अनुमंडल अस्पताल पहुंचे. अनुमंडल अस्पताल की चिकित्सक डॉ. शिप्रा जोशी ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. घटना के संबंध में बताया जाता है कि रुपेश के पिता संजय कुमार मंडल झारखंड पुलिस में कार्यरत है वर्तमान में वह बोकारो में पदस्थापित है. कसीदा विक्रमपुर स्थित मकान में पत्नी सहित एक बेटा एवं मां रहती है. रूपेश शनिवार को स्कूल की छुट्टी के बाद सीधे दोस्तों के साथ तालाब में नहाने पहुंच गया. तालाब किनारे स्कूल बैग तथा स्कूल ड्रेस खोल कर रख दिया. प्रचंड गर्मी होने के कारण बच्चे घर से गमछा लेकर स्कूल जाते थे. गमछा पहनकर तालाब में नहाने के लिए उतरा. तालाब काफी गहरा होने के कारण डूब गया. घटना की सूचना मिलने पर अनुमंडल पदाधिकारी सच्चिदानंद महतो अनुमंडल अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली.

गर्मी का मौसम है आया, गर्म हवा ने खूब सताया!

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

एक तो गर्मी है, ऊपर से हवाओं की बेशर्मी है, जो लहराती हैं, तन-बदन को झुलसाती हैं. पेड़-पौधों के हलक भी सूख रहे हैं. पशु-पक्षी बेचैन हैं. हवाओं की शरारत देखकर लोग-बाग हैरान हैं, परेशान हैं. कहते हैं बहुत गर्मी है. उन्हें क्या कहें वैशाख महीने में गर्मी नहीं पड़ेगी तो क्या ठंड से शरीर ठिठुरेगा? वैशाख की शोभा है गर्मी. इसका भी है अपना मनोरम छन्द. सबकुछ भूल कर धैर्य के साथ लीजिए गर्मी का भी आनंद. यही गर्मी एक दिन लेकर आएगा सावन की फुहार, फिर ठंडी हवाओं की सिहरन और फिर फागुन की बहार. झारखंड की राजधानी रांची तो इस मामले में भाग्यशाली है कि यहां गर्मी का मौसम भी नहीं सताता. जैसा कि झारखंड के अन्य जिलों में होता है. कुछ भी हो गर्मी ने कवियों को भी काफी प्रभावित किया है. इस बात का प्रमाण है रांची की कवयित्री **रंजना वर्मा उन्मुक्त**

यह रचना, जिसका शीर्षक है-गर्मी.

गर्म आग का गोला बरसे.
जीव-जंतु पानी को तरसे..
गर्मी का मौसम है आया.
गर्म हवा ने खूब सताया..
सूर्य सुबह से आंख दिखाये.
और दोपहर तन झुलसाये ..
शहर कंक्रीट मिले न छाया . गर्म हवा ने खूब सताया...
कहर गर्म होकर बरपाये. कूलर एसी रोक न पाए..
ठंडा शरबत जी को भाया.
गर्म हवा ने खूब सताया...
मची दौड़ आगे बढ़ने की.
हालत ऐसी अब डरने की..
देख आधुनिकता की माया .
गर्म हवा ने खूब सताया...
कटे पेड़- पौधे हैं सारे. दिखे नहीं पर्वत की कतारें..
कर्म मनुज का आगे आया. गर्म हवा ने खूब सताया...

मनुष्यों के स्वार्थ के चलते कटते जा रहे पेड़-पौधे, ढहते पहाड़, बालू विहीन होती नदियों ने पर्यावरण को संकट में डालना शुरू कर दिया है तो उसका प्रभाव जनजीवन पर पड़ना स्वाभाविक ही है. हमें पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सचेत होना पड़ेगा, वर्ना जनजीवन की मुश्किलें बढ़ती ही चली जाएंगी. ग्रीष्म की तपिश का भी अपना आनंद है. यह किसी से भेदभाव नहीं करती है. सबके लिए एक समान ही रहती है. इस संदर्भ में पठनीय है रांची की कवयित्री **कंचन सिंह** की यह कविता, जिसका शीर्षक है ग्रीष्म की तपिश.

ग्रीष्म की तपिश में सड़क पर निकले
तो पसीने से लथपथ होते शरीर दोनों के
उसके भी जिसके पांव जमीन पर टीके नहीं.
उसके भी जिसका वजूद जमीन से उठे नहीं.
सूरज आग उगलता है सबके लिए बराबर
उसके लिए भी जो सड़क पर बेखौफ सरपट दौड़ते हैं.
उसके लिए भी जो कभी एयर-कंडीशन से नहीं निकलते.
सूरज सबके लिए समय से निकलता-
उसके लिए भी जो सूरज की
पहली लालिमा से पहले घर से निकल जाता.
उसके लिए भी जो सिर्फ सूरज को
विटामिन डी का स्रोत है मानता.
लेकिन जब पहला इंसान शाम को हाथ में
फावड़े व पैर में छाले लिए घर को लौटता तो
सूरज की लालिमा कल फिर
मिलने का वादा कर रही हो उससे.
जैसे शीतल ठंडी हवा मरहम लगा रही हो उसे.
जैसे पेड़ों की डालियां पंखा कर रही हो उसे.
जैसे चांद की चांदनी सहला रही हो उसे.
और अचानक नभ से गिरता एक बूंद
गर्मी की तपिश में जैसे शाबाशी दे रही हो उसे.

बूंदों पर तो छंद लिखे

बूंदों पर तो छंद लिखे हैं ग़ज़ल लिखी बौछारों पर।
तारीफों के बंद लिखे हैं गीत लिखे त्योहारों पर ।।
किंतु लेखनी सूखी रहती निर्धन की कठिनाई पर ,
चिंता है किंतु न चिंतन बढ़ती हुई महंगाई पर ।
एक बार तो लिख कर देखो ठग वायदा बाज़ारों पर ।।
खंड हुए अभिलेख पुराने नहीं लगाम महंगाई पर,
हर्षित नेता श्रेष्ठी हैं सब करते मौज कमाई पर ।
एक बार अब हटा के फेंको ऐसी ठग सरकारों को
तपे जेठ की घोर दुपहरी, बे-घर रह मैदानों में ,
लथपथ रहे पसीना तन पर, करते काम खदानों में ।
एक बार तो छूकर देखो इन दिल की दीवारों पर ।।
जाड़ों में तन रहे ठिठुरता अधनंगे रह सड़कों पर ,
छोटी कथरी खींच तान कर डाल रहा जो लड़कों पर ।
एक बार तो हाथ रखो अब इन मजबूरी के तारों पर ।।

- प्रदीप मानोरिया

अभी एक ओर से आसमान से बरसती सूरज की गर्मी है तो दूसरी ओर चुनाव महापर्व के चलते राजनीति की गर्मी. राजनीतिक दलों के बीच हलचल मची है. राजनेता अपनी पार्टी के उम्मीदवार के पक्ष में वोट देने के लिए तरह-तरह की तिकड़मे और जुगत भिड़ाने में लगे हैं. उनकी कलाबाजियों में फंस न जाएं, इसके लिए आवश्यक है कि मतदाता देश के वर्तमान और भविष्य को ध्यान में रख कर मतदान करें और अवश्य ही करें. कुछ ऐसी ही प्रेरणा दे रही हैं रांची की कवयित्री **रेणु बाला धार**. इनकी कविता का शीर्षक है-एक मत की कीमत पहचान.

एक मत की कीमत पहचान सोच समझकर कर मतदान.
चक्र सुदर्शन सा काम करता उंगली का यह छोटा निशान .
एक मत की कीमत पहचान. हमें चाहिए ऐसी सरकार
मां भारती से करे प्यार नारी का हो आदर सत्कार
रहे न कोई भूखा लाचार योग्य नेता को चुनते ही
होगी समस्या का समाधान एकमत की कीमत पहचान.
कथनी करनी में ना हो अंतर विकास कार्य कर रहे निरंतर
इस दल को समर्थन मत देंगे कर्तव्य निष्ठा हो जिसके अंदर.
आन बान और शान से बढ़कर बढाते जाएं देश का मान.
एक मत की कीमत पहचान हम भारत की सर्वश्रेष्ठ नारी
निभाए घर बाहर जिम्मेदारी झूठे नेता के झांसे में न आएं
रोकेंगे मत की खरीदारी. आधी आबादी का भी होगा
नवनिर्माण में पूरा योगदान. एक मत की कीमत पहचान.

एक प्रेरणादायी कहावत है- पहले मतदान, फिर जलपान. मतदान के बाद जलपान की बात निकलेगी तो जलपान के लिए टिफिन के डब्बे का ध्यान आयेगा ही. विशेषकर तब, जब आप किसी ऑफिस में काम करते हों और किसी ने बड़े ही प्यार से आपके लिए टिफिन का डब्बा आपके हाथ थमा दिया हो. एक टिफिन के डब्बे में केवल जलपान ही नहीं होता. और भी बहुत कुछ होता है. इसको भली-भांति समझने के लिए जमशेदपुर की कवयित्री **सविता सिंह मीरा** की इस रचना का अनुशीलन आवश्यक है. इनकी कविता का शीर्षक है-टिफिन का डब्बा.

क्या कहूं तुझको प्रिये
जब भी जाऊं ऑफिस तो
ध्यान रहता है बस उधर,
कब बजे दोपहर के डेढ़
निकालूं कब अपनी मैं टिफिन.
भूख की नहीं है कोई तड़प
बस तीन डिब्बों में दिखता मेरे अपनों का स्नेह दुलार
बहन मां भार्या देती जब टिफिन, हो जाता मन भाव विभोर.
वाहे ठिठुरन भरी हो ठंड
या फिर झुलसती गर्मी
पर जब तैयार करती वह टिफिन
तब मौसम नहीं होता हावी.
पुत्र, पुत्री, भाई, पति का प्रेम
सेहत ही होता प्रमुख.
कैसे बंध जाती यह डोर
कैसे कोई देता इन्हें तोड़
एहसान भी नहीं जताती बस वो अपना फर्ज निभाती.
जब आता हूं लौट कर घर खुशियां तैर जाति उनके चेहरे पर,
हाथों से लेती वह टिफन का डब्बा
खोल कर देखती झांकती
कहीं कोई खाना तो नहीं छूटा.
जब पाती वह डब्बा खाली
चेहरे पर मुस्कान तैर जाती
महसूस करता हूं उनकी भावनाएं
मन ही मन प्रभु की लेता बलाएं
कितना मोहक यह रिश्ता बनाए खुशी से बांछें मेरी खिल जाए
दूर करें ईश्वर अपशकुन सारे इन्हें किसी की नजर न लग जाए.
जहां इतना मोहक रिश्ता है, वहां कोई अपशकुन कैसे पहुंच सकता है. किसी की नजर लगने का तो सवाल ही नहीं है. ईश्वर करें, सबके रिश्ते ऐसे मोहक हों. सबके जीवन में आनंद ही आनंद हो. कोई किसी से रूठे नहीं, कभी किसी का दिल टूटे नहीं. इन्हीं शब्दों के साथ चाहूंगा आपकी आज्ञा. जय हिंद! जय झारखंड!!

हमारी चिकित्सा व्यवस्था और हम

आज 5 जून को पूरे देश में मेडिकल कॉलेज में दाखिले केलिए (नीट) प्रवेश परीक्षा होने जा रही है. लगभग चौबीस लाख छात्र-छात्राएं इस परीक्षा में शामिल हो रहे हैं. इसमें तेरह लाख से अधिक परीक्षार्थी महिलाएं हैं. कुल मेडिकल सीट एक लाख दस हज़ार के आस पास उपलब्ध सीटें हैं. इनमें देश में सारे सरकारी मेडिकल कॉलेज मिलाकर छप्पन हज़ार से कुछ ज्यादा सीटें हैं. बाकी सीटें प्राइवेट मेडिकल कॉलेज के हैं. सरकारी मेडिकल कॉलेज की सालाना फीस एक लाख रुपये के आस पास है. बहुत राज्यों में तो काफी कम भी है. प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में सामान्यतः फीस पंद्रह लाख से बाइस-तेईस लाख रुपये है. उनकी होस्टल फीस, रूम रेंट, मेस फीस इत्यादि भी सरकारी कॉलेज से कई गुना ज्यादा हैं. अलबत्ता यह बात जरूर है कि सरकारी कॉलेज के होस्टल की पूरी व्यवस्था, रख रखाव और मेस की व्यवस्था बहुत कारुणिक दृश्य उत्पन्न करता है. पर फिर भी भारत के सभी प्रतिष्ठित अस्पतालों में इन्हीं मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में शिक्षित डॉक्टर कार्यरत हैं और प्रतिवर्ष करोड़ों देशवासियों की सेवा कर रहे हैं. इतना ही नहीं पूरी दुनिया में इन्हीं सरकारी कॉलेज के छात्र लाखों की संख्या में स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं. विडंबना यह है कि एक अरब चौवालीस करोड़ जनता के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए उचित संख्या में अब भी डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं. सरकारी अस्पतालों में पूरे देश के किसी क्षेत्र में जाकर देखें तो लगेगा वहां बीमारों का विशाल मेला लगा रहता है. ऐसा लगता है कि भारत बीमारों का देश है! देश में प्रतिवर्ष इतने कम डॉक्टर क्यों निकल रहे हैं, आवश्यकतानुसार मेडिकल कॉलेज क्यों नहीं खोला जा रहा है सरकारी क्षेत्र में! किसी एक माननीय जन प्रतिनिधि या वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के इलाज पर दसों करोड़ रुपये खर्च कर दिए जाते हैं. आवश्यकता हो न हो, हरेक शहर में फ्लाई ओवरों का जाल बिछाया जा रहा है. सैकड़ों अरब रुपये खर्च किये जा रहे हैं, पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए, वरिष्ठ डॉक्टर, अध्यापक, पारा मेडिकल स्टाफ, नर्सों की नियुक्ति के लिए आर्थिक स्रोतों की कमी रहती है! शायद आश्चर्य हो कि लगभग तीन करोड़ की आबादी वाले झारखंड राज्य में एमबीबीएस प्रवेश हेतु की आठ सौ पांच सीटें हैं मात्र. मेडिकल कॉलेज में समुचित वरिष्ठ शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं. बहुत स्थानों पर बहुत विषयों में पीजी की पढ़ाई नहीं होती है. जूनियर और सीनियर रेजिडेंट का पद भी स्वीकृत नहीं है अब तक. प्रशासकीय और राजनीतिक उदासीनता के कारण अन्य तकनीकी सुविधाओं का घोर अभाव रहता है. राज्य के राजनीतिज्ञों को राजनीति चमकाने का एक अड्डा बनकर रह जाते हैं मेडिकल कॉलेज. गंदगी और दुर्व्यवस्था की तो चर्चा ही बेकार है. प्रतिवर्ष मेडिकल कॉलेज में सीट घटने और मान्यता समाप्त होने का खतरा मंडराता रहता है. और यहां स्वास्थ्य सेवा में कार्यरत जो भी डॉक्टर हैं, वे पहला मौका मिलते ही राज्य और देश से पलायन को तैयार रहते हैं. चुनाव तो आते जाते रहते हैं, लेकिन क्या आम आदमी और उसकी स्वास्थ्य आवश्यकता भी चुनाव का गंभीर मुद्दा बनेगा?

बसाढ़ गढ़ के नाम से प्रसिद्ध राजा विशाल का गढ़

यायावर

डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

गौतमबुद्ध गौतमबुद्ध की उपदेश भूमि और महावीर की जन्मभूमि होने के साथ-साथ यह रामायण कालीन राजा विशाल की राजधानी होने के कारण वैशाली आज वैश्विक धरातल पर प्रतिष्ठित है. क्षत्रिय राजा विशाल ने अपने शासन काल में अपनी राजधानी को वाणिज्य पुर में स्थानांतरित किया. उसने दूसरी जगह एक दूसरा नगर बसाया, भव्य राजमहल बनवाया और उसका नाम विशाल पुरी रखा. निश्चित रूप से वही स्थान आज वैशाली गढ़ की धरती है, जिसे वैशाली या बसाढ़ गढ़ के नाम से जाना जाता है. यह ईंटों से भरा आयताकार ऊंचा स्थान है. इसकी परिधि एक किलो मीटर से अधिक है. उत्तर से दक्षिण यह करीब 500 मीटर लंबा है और पूरब से पश्चिम 250 मीटर चौड़ा है. इसके चारों ओर खाई है, जिसमें खेती होती थी.

उक्त गढ़ के संदर्भ में जनरल कर्निघम साहब ने लिखा है कि उत्तर से दक्षिण इसकी लंबाई 1700 फीट और पूरब से पश्चिम तक इसकी चौड़ाई 800 फीट तक थी. गढ़ के चारों कोनों पर सोने चांदी के चार गुम्बद थे. पूरा गढ़ चारों ओर से चौड़ी दीवारों से घिरा था, जिसके चारों ओर गहरी सुरक्षा खाई थी, जिसमें सालों भर पानी भरा रहता था. सुरक्षा की दृष्टि से यह व्यवस्था की गई थी. दक्षिण से खाई के ऊपर एक बांधवाला रास्ता था, जिससे होकर लोग महल में जाते थे.

बसाढ़ गढ़ की पुरातात्विक खुदाई से प्राचीन काल की कई वस्तुएं प्रकाश में आई हैं. ईंट के बने छोटे छोटे कमरे मिले हैं, जिसके फर्श पर ईंट से सोलिंग किया हुआ है. एक कमरे में 1100 अदद मिट्टी की मोहरें मिली हैं. ये मोहरें 320 ईस्वी से 525 ईस्वी तक की हैं, जिसपर महाधिराज चंद्र गुप्त और महारानी ध्रुव स्वामिनी आदि के नाम अंकित है. अधिकतर कमरों में मिट्टी और तांबे के टूटे फूटे बर्तनों के साथ जली हुई लकड़ियां तथा मानव हड्डियां बिखरी हुई हैं, जो उस समय के किसी विशेष संघर्ष की

ओर संकेत कर रही हैं. बाढ़ गढ़ की खुदाई के दौरान कहीं चांदी तो कहीं तांबे के सिक्के मिले हैं. तांबा के एक चकोर सिक्के पर हाथी और पेड़ का चित्र अंकित है. कहीं पत्थर की बनी बुद्ध की मूर्ति मिली है तो कहीं मूल्यवान पत्थर के दाने से बनी मालाएं मिली हैं. अंग्रेज विद्वान डॉ. स्मिथ ने अपने लेख लिखा है कि आज का बसाढ़ ही वह भूमि है, जिसने सर्वप्रथम गणतांत्रिक व्यवस्था को जन्म दिया. बसाढ़ गढ़ ही थोड़ा विकृत होकर वैशाली के रूप में प्रसिद्ध है. उक्त वैशाली गढ़ के संदर्भ में अपनी लेखनी को इतना ही कहकर विराम देना चाहूंगा कि -

इक्ष्वा है दिनमान इसी खंडहर में, इक्ष्वी राका.
छिपी हुई है यहीं कहीं , धूलों में राज पताका.

झूठ की महिमा न्यारी है

नश्तर

सुधीर राघव

झूठ की महिमा न्यारी है. झूठ से दुनिया चल रही है. विद्वानों ने जगत को मिथ्या कहा है. उपनिषद कहते हैं कि असत्य पांच भौतिक तत्वों से बना है, जबकि जगत का सत्य नेति नेति अर्थात न इति न इति मायने कुछ भी नहीं है। जगत झूठा और नेति नेति ही परम सत्य है. यही वेदांत का ज्ञान मार्ग है. अद्वैत दर्शन है. अगर जगत मिथ्या और झूठा है तो उसके साथ झूठ बोलने में क्या बुराई है? इसलिए सबसे कामयाब नेता कभी सत्य नहीं बोलता. या यों कहें कि सबसे झूठा और मक्कार नेता ही इस जगत में सबसे कामयाब नेता हो जाता है. मारा वह जाता है जो सत्य बोलता है. इस झूठे जगत में सारे कष्ट सत्यवादी को ही उठाने पड़ते हैं. बायगॉड, गॉड भी हर सच्चे इंसान की ही परीक्षा लेता है कि इस झूठे जगत में यह सच कैसे बोल रहा है? क्या इसके सॉफ्टवेयर प्रोग्राम में कोई वायरस है? या इसके दिमाग में कोई कीड़ा है? उधर, झूठा पूरी मौज मारता है. उसकी कोई परीक्षा नहीं लेता. वह खुद सबके लिए परीक्षा है. वह हर सच को हराने के लिए हजार झूठ खड़े कर देता है. एक परम झूठा यह अच्छी तरह से जानता है कि एक सच सौ झूठ पर भारी है. सच को भगवान से इतनी ही ताकत मिली है. बेचारा सच कभी हजार झूठ से मुकाबला नहीं कर सकता. हजार झूठ के संख्याबल के आगे सच मर्दाना कमजोरी का शिकार हो जाता है. वैसे भी जब हर मर्द का बच्चा झूठ बोल रहा हो तो सच में मर्दाना ताकत बचेगी ही कितनी. यही वजह है कि झूठा नेता कामयाब है. वह सब समस्याओं का समाधान एक झूठ से चुटकी में कर देता है. जब जनता रोती है कि रसोई गैस बहुत महंगी हो गई है तो वह झट से यह कहकर चुप करा देता है कि नाले से गैस बना लो. बिल्कुल मुफ्त बनती है. जब जनता नाले से गैस नहीं बना पाती तो वह उसे ए स्केयर और बी स्केयर के ऐसे गलत फार्मूले में उलझा देता है कि बेचारे बीज गणित की किताब फट जाती है. झूठा नेता सिर्फ दो आदमियों का विकास करता है और कहेगा कि पूरे देश का विकास हो रहा है. वह सिर्फ दो लोगों की नौकरी करेगा मगर खुद को पूरे देश का सेवक कहेगा.

इस ज़माने में सच का साथ कोई नहीं देता. मगर झूठ का साथ देने निर्लज्जता पहुंच जाती है. अधर्म पहुंच जाता है. पाप पहुंच जाता है. धोखा तो उसका जुड़वां भाई है. झूठ स्मृति के जरिए रचा जाता है और विस्मृति में विलीन हो जाता है. झूठ कोई भारतीय, ब्रिटिश या अमेरिकी विद्या नहीं है, वह पूरी तरह ईरानी है. झूठ एक जादू है और जादू का जन्म मेसोपोटामिया में हुआ. झूठ के फायदे ही फायदे हैं. मगर दुनिया में सबसे ज्यादा बुराई और निंदा झूठ की हुई है. सारे महान ग्रंथ झूठ की निंदा से भरे हैं. इसीलिए कोई पढ़ाकू इस दुनिया में कभी कामयाब नहीं हो पाता, जबकि एक अनपढ़ अपने इशारे पर एंटायर पॉलिटिक्स चलाता है. झूठ की निंदा करने वाले को यह मिथ्या जगत कभी बर्दाश्त नहीं करता. हर झूठ में नया झूठ खोज लेना ही सबसे बड़ी रिसर्च है. झूठी दुनिया झूठ की तरफ खड़ी है. सब चिल्ला रहे हैं, झूठ का बोलबाला और सच का मुंह काला.

कला में बनी अधिवक्ता अंबिका चरण की पहचान

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

भारतीय कला दृष्टि की यात्रा महान संकल्प की अनवरत यात्रा है और यह संकल्प जब हमारे सृजन मूल्यों में प्रतिष्ठित रहेगा, भारतीय कला दृष्टि की यात्रा अविराम बनी रहेगी. भारतीय कला भले ही दूर से एकांतिक और उदासीन लगे, लेकिन उसमें जीवन के विविध रंग और उनकी खिलती छटाओं के बोल सुने जा सकते हैं. भारतीय कला में यह सामर्थ्य है कि इसमें रंग और रेखाएं तथा देह के अंगों की भंगिमाएं केवल दिखायी नहीं देतीं, बल्कि बोलती भी हैं. भारतीय कला में अंतर्विरोध नहीं है, बल्कि उसके अंतर्संबंध हैं. कला का अंतर्संबंध कानून के साथ भी है. कला और कानून के बीच का संबंध आंतरिक जुनून का प्रतीत होता है तभी तो अम्बिका चरण पाणी जैसे व्यक्ति अधिवक्ता होते हुए भी अपनी कला धर्म को साथ- साथ लेकर चल रहे हैं. क्योंकि अम्बिका चरण

पाणी का मानना है कि हम अपनी कानून प्रथाओं में व्यस्त हैं, कलात्मक प्रयास अक्सर ठंडे बस्ते में डाल दिए जाते हैं, जबकि हम दूसरों की मदद करने के बारे में चिंतित रहते हैं. हमारे कलात्मक पक्ष की उपेक्षा, हमें जितना हम जानते हैं, उससे कहीं अधिक नुकसान पहुंचा सकती है. यदि हम उस कलात्मक पक्ष का अनुसरण करते हैं, तो हम वास्तव में अधिवक्ता के रूप में लाभान्वित हो सकते हैं. इसीलिए ये अपनी वकालत के पेशे से जुडे रहने के बावजूद कला को साथ लेकर चलते हैं.

अम्बिका चरण पाणी को बचपन से ही कला के प्रति लगाव रहा है. एक समय था, जब ये पेंटिंग करते थे तो बड़ी डांट पड़ती थी, परंतु जब परिवार वालों ने भी इनके हुनर को पहचाना तो इनको काफी प्रोत्साहित किया. उसी प्रोत्साहन के चलते आज कला की दुनिया में वह भी एक सुपरिचित नाम हो गया है. कला प्रेमी इनकी कलाकृतियों को काफी पसंद करते हैं और सराहना भी करते हैं. पेंटिंग्स के कारण ही इन्हें अपने कार्य क्षेत्र में भी आज एक अलग पहचान मिल पाई है. इन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कला प्रतियोगिताओं और प्रदर्शनियों में भाग लिया और कई पुरस्कार भी जीते हैं. हाल ही में कोलकाता में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में उनकी पेंटिंग ओल्ड स्टोन ब्रिज को टॉप 30 पेंटिंग्स में चुना गया है. महाराष्ट्र की संस्था प्रफुल्ल धनु कर आर्ट फाउंडेशन द्वारा इनकी पेंटिंग स्माइल को पुरस्कृत किया गया है. बिंदास आर्टिस्ट ग्रुप द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय कला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी में उनकी पेंटिंग शाइनिंग स्माइल को मेरिट अवार्ड मिला था. इनकी पेंटिंग बैक टू वर्क इंटरनेशनल वाटर कलर समिति बांग्लादेश द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी के लिए 2018 में चुनी गई थी. इसी प्रकार 2017 में आर्टेरियन संस्था द्वारा इनकी पेंटिंग ओल्ड एंड रस्टेड को बेस्ट आर्टवर्क के रूप में प्रथम पुरस्कार मिला था. 2021 में बी आर्ट फाउंडेशन द्वारा लैंडस्केप पेंटिंग में प्रथम पुरस्कार मिला था.

2020 में अंतस संस्था द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में इनकी पेंटिंग सनशाइन को टॉप 13 पेंटिंग्स में चुना गया था. 2021 में शिल्प राज अकैडमी द्वारा उनके लैंडस्केप पेंटिंग को टॉप टेन पेंटिंग्स में चुना गया था. उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पुरस्कार जीते हैं. अम्बिका चरण वाटर कलर से रियलिस्टिक स्टाइल में पेंटिंग करते हैं. इनकी पेंटिंग में ग्रामीण परिवेश का सजीव चित्रण देखा जा सकता है.

आखर

गंवार लेखकों का उज्जड-गंवार लेखन

राकेश सिंह

आलेख

हाशिए का साहित्य (सबाल्टर्न लिटरेचर) वह लेखन है जो साहित्य की राजधानियों से दूर, साहित्य के मठों-गढ़ों की छाया से बहुत दूर गांव-देहात में लिखा जा रहा है. हाशिए पर वह सब लिखा जाता है जो मुख्य स्पेस में लिखने से रह गया होता है. छूटे तथ्य, भूली चीजें, स्मरणीय पंक्तियां, मार्जना के औजार आदि-आदि हाशिए की सामग्री होते हैं. हाशिए पर लिखी सामग्री की अनिवार्यता हाशिए को मुख्य स्पेस के महत्वपूर्ण स्थानों पर बिठाने को बाध्य कर देती है और यही सामग्री विशृंखलता को अर्थवान रचना में ढालती है. हाशिए के इस लेखन को कभी "गांव से आए गंवार रचनाकारों द्वारा लिखी उज्जड रचनाएं" (रूपसिंह चंदेल/ दस्तावेज : जुलाई 1997) कह कर साहित्य से बहिष्कृत करने के अभियान हुए थे, यह भूल कर कि हाशिए की भी अपनी एक सत्ता होती है.

आंचलिकता और घटनाएं छूत का रोग!

आलोचना के नागरीय अभिजात्य ने ग्राम्य लेखन को कभी 'आंचलिक' तो कभी 'सूचनापरक' कह कर खारिज करने की कोशिशें की मानो आंचलिकता और घटनाएं छूत का रोग हों और इन्हें खारिज कर ऐसी रचनाओं को ज्यादा तरजीह दी जिनका कोई घटना-संसार ही नहीं होता. यदि घटनाएं या सूचनापरकता रचना का अवगुण हैं तो फिर हेमिंग्वे की कहानियां तो मात्र सांडों के युद्ध (बुल फाइटिंग) या युद्ध की रपटें भर रह जानी थीं (विजयमोहन सिंह/राष्ट्रीय सहाराः12अप्रैल 1998) परंतु ऐसा तो है नहीं. गांव-कस्बों में जो बेहतर लिखा जा रहा है उस खांटी जनवादी-मानवतावादी सृजन को या तो हमारी निरी बौद्धिक नागरीय आलोचना ने पहचाना ही नहीं या फिर 'मुंदहूं आंख कतहूं कुछ नाहीं 'की नीति अपनाती रही. जो कृतियां ऐसी आलोचना को अतिक्रमित करती दिखीं, पद्य के औजारों से गद्य का शवोच्छेदन करने वाले ऐसी कृतियों के समक्ष निःशस्त्र, विरथ और निरूपाय दिखने लगे. फलस्वरूप अनभिज्ञता की कंठी और उपेक्षा की रामनामी ओढ़े अपने साहित्य संपर्कोत्सवों के यज्ञ में मारण-कीलन के जाप करने लगे. कविता के औजारों से कथा-उपन्यास की आलोचना करने के कारण आलोचकों की दृष्टि दीवार में खिड़कियां तो देखती रही पर गांव के गगन पर घहराती घटाएं नहीं देख सकीं. गांव से हट कर बाईपास से गुजरने वालों को 'सहपुरवा' ही नहीं दिखा तो सुदूर बीहड़ झारखंड के 'धपेल' क्यों कर दिखते? साहित्य की विविध विधाओं पर बात करने हेतु यहां स्थान कम है अस्तु फिलहाल सिर्फ कहानी की बात...

तमाम षड्यंत्रों के बाद भी मिला मान

कभी शहरी बनाम गंवई कहानी का वितंडा खड़ा कर हाशिए के साहित्य को आलोचना से भी बाहर धकेलने के प्रायोजित अभियान हुए थे. फणीश्वरनाथ रेणु की 'पंचलाइट', 'रसप्रिया', 'तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम' जैसी कहानियों ने सशक्त प्रतिरोध प्रस्तुत किया था. फिर गंवई रचनाशीलता का विस्फोट था 'मैला आंचल'! आगे फिर शेखर जोशी (दाज्यू/कोशी का घटवार), रांगेय राघव (गदल), मार्कंडेय (गुलरा के बाबा/हंसा जाई अकेला), उपेंद्रनाथ अश्क (डाची), शिवप्रसाद सिंह (नन्हों/कर्मनाशा की हार), शैलेश मटियानी (सुहागिन/प्रेतमुक्ति), मधुकर सिंह (भाई का जख्म/दुश्मन) आदि-आदि ने इस प्रतिरोध की जड़ों को सींचा.

इस बिरवे को परवान चढ़ाने वाली अगली पीढ़ी के साथ गांव-कस्बे के साहित्य का भरा-पूरा संसार सामने आया. रामधारी सिंह दिवाकर (माटी पानी/जहां जोत बरय दिन-राती), अरुणप्रकाश (जलप्रांतर/भैया एक्सप्रेस), प्रेम कुमार मणि (घास के गहने/स्वेटर), संजीव (अपराध/सागर सीमांत), मिथिलेश्वर (बाबूजी/हरिहर काका), चंद्रकिशोर जायसवाल (मर गया दीपनाथ/हींगवा घाट में पानी रे), शैवाल (दामूल/कालसूत्र), अवधेश प्रीत (मुलुक/अली मंजिल), अनंत कुमार सिंह (और लातूर गुम हो गया/कालदंश), जयनंदन (कस्तूरी पहचानो वत्स/माटी के बलमुआं), चंद्रमोहन प्रधान (मौला करे सो सब ठीक), सुरेश कांटक (एक बनिहार का आत्मनिवेदन), वसुदेव(इस जंगल के लोग), विजयकांत, विजेन्द्र अनिल...इस समृद्ध परंपरा की लंबी सूची है.इन रचनाकारों ने महानगरीय जीवन शैली और उलझाऊ पैंतरेबाजियों से खुद को बचाते हुए विविध कथानक, भाषा, शिल्प आदि के स्तर पर खुद को मांजते-गोड़ते-तोड़ते हुए साहित्य को जो शक्ति प्रदान की उसके प्रमाणों पर पूरी किताब बन सकती है. ऐसी रचनाएं कंक्रीट के जंगलों में नहीं उग सकती थीं पर कुलीनतावादी आलोचना को यह कतई स्वीकार नहीं था कि गांव-जंगल-कीचड़-धूसरित पगडंडियों को साहित्य में अधिक महत्व मिले. इस तथाकथित 'उज्जड-कस्बाई' लेखन को कुलीन साहित्यिक बिरादरी में स्थान और मान मिले.

जिन्होंने छोड़ी राह

कुछ अतिमहत्वाकांक्षी रचनाकार जिन्होंने कुलीनतावादियों की शर्तों से समझौते कर लिए, अपने तथाकथित गंवारूपन, भदेसपन और उज्जडता को तिलांजलि देकर साहित्यिक मठों के परिसर में झोंपड़े डाल कर कीर्तन करना स्वीकार किया, किलेदारों - मठाधीशों की अल्पाधिक कृपा प्राप्त करने में सफल भी रहे परन्तु अपनी मिट्टी से प्राप्त जीवन-रस के सूखते ही उनका हश्र मूंगफली के छिलकों-सा हो गया. जड़ों से उखड़े लोगों की संवेदनाएं,धार और उर्जा छीजती चली गई और अंततः वे साहित्यिक रोटियां सेंकने हेतु समिधा बनने को अभिशप्त हुए.

दुःख-प्रेम और संघर्ष की कहानियां

समीक्षा

मीनाधर पाठक

समीक्षा : हवा का झोंका थी वह (कहानी संग्रह)
लेखिका : अनिता रश्मि
प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन की अनुसंगी इकाई विद्या विहार, नई दिल्ली – 110002;
संस्करण : 2023 मूल्य : 300/-

अनिता रश्मि समकालीन हिंदी साहित्य में एक जाना-पहचाना नाम है. उनका कहानी संग्रह 'हवा का झोंका थी वह' मैंने अभी-अभी पढ़कर समाप्त किया है. संग्रह की कहानियां विविधवर्णी हैं. दुःख-प्रेम ईर्ष्या संघर्ष, प्रतिशोध तथा समर्पण आदि भाव इन कहानियों की विशेषता है.

संग्रह की पहली कहानी 'हवा का झोंका थी वह', एक आदिवासी स्त्री मीनवा की पूरी कहानी उसकी मालकिन के माध्यम से आगे बढ़ती है. साधारण नाक-नक्श की आदिवासी स्त्री मीनवा अपनी मालकिन के घर का कार्य करते हुए जब अति उत्साह में होती है तब काम के साथ अपनी बातें भी मालकिन से साझा करती है. वह बताती है कि उसने कैसे दो पतियों को त्याग कर तीसरा विवाह किया है.

"क्यों छोड़ा उन दोनों को? मालकिन के पूछने पर वह कहती है कि पहला पति दूसरी के घर जाने लगा था. तब एक ही झटके में उसे त्याग, दूसरे का दामन थाम लिया उसने. दूसरे पति की क्रूरता के बारे में मिनवा कहती है," आपन छऊआ को कसाई लेखि मारत रहे दीदी. बोल का लखे नय छोड़ते!' हाथ गोड़ जला देता था." जितनी आसानी से कह दिया था मीनवा ने उतनी ही आसानी से तीसरी बार ब्याह भी रचा लिया था. इस बार उसका पति झारखण्ड राज्य की अलग मांग की लड़ाई करने वाला सिपाही या नेता था. मालकिन के पूछने पर कि अलग राज्य की मांग करना क्या उचित है? मीनवा तपाक से कहती है, "कैसेन उचित नखे! उ कहेला झारखण्ड अलग होई तो हमन सोउबे के आपन हक मिली. हमीन सोउब खुसी से रहेंगे. यहां के एतेक संपदा बहरे नीं जाई."

मीनवा स्वयं भी हाथों में तीर-धनुष ले कर अपने नए पति के साथ जुलूस में शामिल होती और "झारखंड अलग करोअलग करो" का नारा बुलंद करती. समय बदलता है. आधुनिकता की बयार सुदूर रहवासियों तक भी पहुंचती है और खेती छोड़ लोग आजीविका तलाशने शहर की ओर निकल पड़ते हैं. बस में चढ़ी मीनवा अपने साथ बदसलूकी करते एक व्यक्ति को ऐसा सबक सिखाती है कि वह अपना सा मुंह लिए पीछे की सीट पर जा बैठता है. एक दिन मालकिन के द्वारा पुराना ब्लाउज दिए जाने पर मीनवा कहती है, "अब सोउब पींधो. आपन नज़र में तो नय, देखकवाला कर नाइजर में खोट आय गेलक (अब सब पहनते हैं. अपनी तो नहीं, दूसरे की नजर में खोट आ गई है.)" अचानक एक दिन मीनवा काली दुर्गा सी अवतरित होती है और फिर गुमनामी के अँधेरे में गुम हो जाती है.

कहानी का अंत एक प्रश्न के साथ होता है. 'आंखें' कहानी में अपने माता-पिता को लड़ते-झगड़ते देख पायल लिव इन रिलेशनशिप को अपनाती है. परन्तु कुछ समय के बाद वह महसूस करती है कि सुमंत उसके पापा जैसा और वह स्वयं अपनी मां जैसी होती जा रही है. किसी रिश्ते का बने रहना टूटने से ज्यादा मायने रखता है. संभवतः इसी लिए कहानीकार ने कहानी का ऐसा अंत चुना है कि पायल सुमंत से शादी का फैसला कर लेती है. 'कोलतार की तपती सड़क' पर जिंदगी कैसे मुस्कुराती है ये जानने के लिए कहानी पढ़नी चाहिए. दूसरे के खेतों में मजदूरी कर के जीने वाले किसानों की जब अगली पीढ़ी आती है तब वह उसी व्यवस्था में जीने का विरोध करती है. वे जीवन भर दूसरों के खेत में मजदूरी करते जीना नहीं चाहती. वे कर्ज में दब कर आत्महत्या नहीं करना चाहती न ही किडनी बेंच कर कर्ज उतरना चाहती है. तब वह अफ़ीम की खेती का रास्ता चुनती है परन्तु क्या इस राह पर चल कर वह अपना और अपने परिवार का भला कर पाई? 'सबका साथ सबका विकास' की पोल खोलती कहानी है, 'एक नौनिहाल का जन्म'. 'एक उदास चिट्ठी' पूरी कहानी पत्र शैली में लिखी गई है. एक बेटी के द्वारा अपनी मां को लिखा गया मार्मिक पत्र. 'चीखेंसन्नाटा' में अपनी मां की मृत्यु का बदला लेने के लिए अमृत क्रूरता में रसिक से भी दो कदम आगे निकल गया. कहानी समाप्त करने के बाद कई प्रश्न पाठक मन को व्यथित करते हैं.

रश्मि जी की कहानियां पात्रों के साथ बड़ी सहजता से आगे बढ़ती हैं. संग्रह की कुछ कहानियां माटी की महक से सराबोर हैं. कहीं गीत गाती धान रोपती स्त्रियां हैं तो कहीं तपती धूप में सड़क पर काम करते हँसते-खिलखिलाते चेहरे. कहीं जंजीर में बंधा बचपन तो कहीं भूख से बिलबिलाते अपने मासूम बच्चों की हत्या करते पिता! हरेक कहानी की अपनी-अपनी तासीर है तथा भाषा की अपनी मिठास जो पढ़ते समय पाठक के अंतस में उतर जाता है.

कहानी

ग्रैंड पेरेन्ट्स

राज लक्ष्मी सहाय

हॉस्टल में. मेरे भइया भी हॉस्टल में ही रहता है.

"अच्छा! फिर कब आते है हॉस्टल से?"

"वह नहीं आते. पापा कहते हैं छुट्टी नहीं मिलती. लेकिन भइया आता है." बैठने के पश्चात भी सरला के साथ वार्तालाप जारी रहा- भइया क्यों गया हॉस्टल में? सरला ने कहा, घर में नहीं पढ़ता. फिर पूछा उन्होंने- और दादा ?

"मम्मी कहती है डिसीप्लीन सिखने के लिए उन्हें भेज दिया."

"उन्हें डिसीप्लीन नहीं आती?"

"नहीं आती न! लाठी लेकर खट-खट हल्ला करते हैं. मम्मी की नींद खुल जाती है."

और ? बड़े प्यार से आहिस्ते से पूछा उन्होंने.

"कुर्सी पर पैर चढ़ाकर बैठ जाते है. कांटा चम्मच से तो खाना आता ही नहीं. कभी कांटा गिराते हैं कभी चम्मच. कई ग्लास भी तोड़ दिए. मेरी मम्मी क्रॉकरी टूटने से बड़ी नाराज होती हैं."

"कितने दिन हो गए तुम्हारे दादा को हॉस्टल गए?"

"चार साल पहले. मुझे थोड़ा-थोड़ा याद है. लेकिन मुझे उनके साथ बहुत अच्छा लगता था."

गोपाल बाबू ने उसके सिर पर हाथ फेरा- आंख नम हो गई थीं. बच्ची वहां से जा चुकी थी. वह भी तो हॉस्टल में ही रहते हैं. लेकिन उन्हें कभी छुट्टी नहीं लेनी. बेटे बहू की घूरती आंखों से डर लगता है उन्हें. अपने ही बनाए घर में पराये से हो चुके है. घर की ईंटें जोड़ते वक्त सपने में भी ख्याल नहीं आया था कि कभी इनसे जुदा भी होना होगा. तभी स्टेज का परदा हटा. एक के बाद एक कार्यक्रम आते गए. छोटे-छोटे बच्चों का नाटक में अभिनय- बुजूर्ग बनकर, गाने, नाच, कविता पाठ.

"दादी अम्मा दादी अम्मा मान जा छोड़ो जी ये गुस्सा जरा हंस के दिखा" गाने पर बच्चों का अभिनय क्या खूब था. मगर, मंच से बाहर की दादी अम्मा कैसे हंसे? मंच से बाहर की दादी अम्मा के कलेजे पर तो नश्तरों के अनगिनत निशान हैं. हर क्षण कलेजा कटता है. अब तो खून भी नहीं बचा. सब सन्नाटा. व्हील चेयर पर बैठी सावित्री देवी की आंखें बच्चों का देख चमक रहीं थीं. बाजू में बैठी एक महिला के पास नन्हीं सी बच्ची दौड़कर आई और गोद में सर रख दिया.

"दादी मेरा प्रोग्राम कैसा लगा तुम्हें?" बहुत बढ़िया मेरी गुड़िया. मेरी सुलेखा तो परी जैसी लगती है नजर न लगे किसी की. कहते हुए उसने पोती के माथे पर चूम लिया. मम्मी कहती थी लंगड़े लूल्हे लोग स्कूल फंक्शन में नहीं जाते. लेकिन देखा तुमने मेरे स्कूल वाले कितने अच्छे हैं.

"मगर तुम अपनी मम्मी से मत कहना कि मैं आई थी यहां. यहां से फिर मैं अपने भाई के घर चली जाउंगी. प्रॉमिस करो."

"प्रॉमिस दादी मां."

तभी मंच से घोषणा हे रही थी. कई बच्चों के दादा दादी नाना नानी इस संसार में नहीं हैं. उन सबको स्कूल प्रबंधन और बच्चों की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि. उनके नाम भी पुकारे गए. उन नामों में सुलेखा की दादी का नाम भी पुकारा गया. "जानकी देवी को भावभीनी श्रद्धांजलि" सुलेखा और जानकी एक दूसरे का मुहं ताक रहे थे. मेरी मम्मी ने मेरे इनविटेशन कार्ड में लिखा था- " हर ग्रैंड पेरेन्टस आर नो मोर". वह तो मामा दादा को फोन करके तुम्हें भेजने कहा था. दादी सुलेखा के गालों पर आंखों के मोती लुढ़क आए थे. दादी बोलीं- कोई बात नहीं मेरी नन्हीं परी. तुम्हारी मम्मी के लिए तो मैं नो मोर ही हूं.

कार्यक्रम का संचालन करने वाली स्कूल की हेड गर्ल अंतिम भाषण दे रही थी- हम सभी बच्चे प्रतिज्ञा करते हैं कि अपने बुजुर्गों का सम्मान करेंगें. उन्होंने उंगली पकड़कर चलना सिखाया – हम उनकी लाठी बनेंगे. वे हमारे लिए आकाश हैं, सूरज हैं, प्रकाश स्तंभ हैं. आकाश न बिखरे, सूरज न बूझे और प्रकाश स्तंभ छिन्न भिन्न न हो. शिलालेखों के अक्षर आंसूओं के सागर में निमग्न थे. संगीत बज रहा था. " खो न जाएं ये सूरज गगन के"

समाप्त

व्यंग्य >> बर्बरीक

सैंया झूठों का बड़ा सरताज निकला

भारतीय जनमानस में झूठ का बड़ा महत्व रहा है. शायद इसीलिए हमारे जितने भी पुराने ग्रंथ हैं सबमें सत्य बोलने पर बहुत ज़ोर दिया गया है. ज़ाहिर है कि लोग झूठ से ज्यादा काम लेते रहे होंगे तभी बार बार आगाह किया जाता था कि सच बोलो, सच बोलो. धर्मग्रंथों के बाद गांधीजी ने इस बात को पकड़ा कि हम हिंदुस्तानी लोग दो चीजों से बड़ा प्रेम रखते हैं- झूठ और हिंसा. तभी उन्होंने इस बीमारी से बचाव के लिए दो टीके प्रस्तावित किए - सत्य और अहिंसा. लेकिन यह बीमारी ऐसी महामारी की तरह हमारे खून में घुसी हुई थी कि बहुत असर नहीं हुआ. साथ में साइड इफेक्ट की तरह भ्रष्टाचार, जातिवाद आदि आ गए.

टीके से अच्छा याद आया कि भारत में जिस टीके को रामबाण के रूप में प्रचारित किया गया था और कहा जाता रहा कि इसके कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है वह लंदन पहुंचते ही सत्य बोलने लगा. बहुत सारे दावे झूठे साबित हुए पर हम भारतीयों को बहुत फर्क नहीं पड़ता है क्योंकि हम तो बरसों से झूठ के सहारे ही हैं. हर पांच साल में हमसे तरह तरह के झूठ बोले जाते रहे हैं. आजादी के बाद हमारी सारी समस्या खत्म हो जाएगी, नहीं हुई. गरीबी हट जाएगी, नहीं हटी. सबको काम मिलेगा, नहीं मिला. हर पांच साल में झूठों की संख्या बढ़ती रही हमारा झूठ पर विश्वास भी बढ़ता ही रहा. झूठ का आकार भी बढ़ता ही रहा. बड़े बड़े झूठों पर यकीन करने लगे. हर दिन खाते में बैलेंस चेक करने लगे कि पंद्रह लाख आ गए क्या? रोज इसलिए चेक करते कि कहीं पंद्रह लाख आकर पड़े होंगे और अपनी उपेक्षा से नाराज होकर वापस चले गए तो...

फिर हमने हर साल दो करोड़ रोजगार का भी इंतज़ार किया. सपने देखने लगे कि हर तरफ युवा सज संवर कर नौकरी पर जा रहे हैं. लेकिन हकीकत में युवा सिर्फ हाथों में तलवारें लेकर माथे पर रनर बिरंगे पटके पहनकर नारे लगाते नजर आए. यह भी कहा गया कि बस अब पांचवी अर्थव्यवस्था बन गए हैं और महाशक्ति बनने की राह पर है लेकिन फिर सीढ़ियां उतरकर कहीं नीचे पहुंच गए. विश्व गुरु बनने के लिए अभी तैयार हो ही रहे थे कि विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की सूची आ गई कहीं सौ दो सौ में भी हमारा कोई विश्वविद्यालय नहीं था.

फिर तो झूठों की श्रृंखला ही चल पड़ी. किसिम किसिम के झूठ -- तुम्हारा मंगलसूत्र छीन लेंगे, तुम्हारी संपत्ति छीन कर बांट देंगे, तुम्हारा आरक्षण छीन लेंगे. अरे भाई! आपलोगों के रहते जब सब कोई छीन ही लेगा तो आप आखिर किस मर्ज़ की दवा हैं. सब लगे हैं कि इस झूठ की प्रतियोगिता में कौन अव्वल आता है. लेकिन सबका झूठ एक तरफ और बड़े साहेब का झूठ भी बड़ा. उसकी बराबरी भला कौन कर पाएगा. झूठ चल गया तो अति उत्तम नहीं तो कह दिया जाएगा यह सब गारंटी वारंटी सब जुमला था. आपने झूठ को सच मान लिया तो आप जाने. फिर आप गाते रहिए -- सैंया झूठों का बड़ा सरताज निकला...

कविता/गज़ल

कुमार बृजेंद्र की दो गजलें

कुमार बृजेंद्र

कोई बात महज बात रहे

आसमानों पे सितारों के बहाने निकले
घर जो छूटा तो कई और ठिकाने निकले.
वक्त बदले तो बदल जाते हैं दुनिया के उसूल
दोस्तों में कई दुश्मन भी पुराने निकले.
कितना मुश्किल है कोई बात महज बात रहे
हमने कुछ और कहा, और ही माने निकले.
इश्क और हुश्न ओ वफा से ही दुनिया का वजूद
तुम मुझे इनकी ही फितरत से डराने निकले.
ऐ मेरे वक्त की तस्वीर बनाने वालों
हम हैं नादान मगर तुम तो सयाने निकले.

तुझसे बस्ती में उड़ी चिन्गारी

तू परेशान इस कदर नाहो
उसकी चौखट पे तेरा सर ना हो.
ठीक है बुलबुल-औ मैना होना
तुझ पे सैय्याद की नजर ना हो.
आप चाहें तो सरकलम कर दें
मुझपर तोहमत की कलम सर ना हो.
तुझसे बस्ती में उड़ी चिन्गारी
जलने वालों में तेरा घर ना हो.
फिर वो पूजा के फूल भेजेगा
देखना फूल में जहर ना हो.
तब तो बच्चे सड़क पे खेलेंगे
धूल हो, आंधियां हो, डर ना हो.
अब तो इस गांव की रवायत हो
ख्वाब में भी अगर-मगर ना हो.

चंद्रिका ठाकुर 'देशदीप'

'आज' रहोगे मौन तो

वही पुराने खेल दिखाकर ठग जाए हर बार जमूरा !
शायद कोई खेल नया इस बार दिखाएं यार जमूरा !!

बाकी सब तो ठीक-ठाक है कारबार भी साहब का
एक तुम्हारी खुशहाली का मंदा है बाजार जमूरा !!

भूखे -नंगे रहकर भी तुम उसकी जय- जय कर करो
तेरे ही भोग चढ़ावे पर वो कहलाए अवतार जमूरा!!

सड़क-गाड़ियां-पुल चौराहे सबको तेज भगाकर भी
सोचा कभी तुम्हारी कैसे कम जाए रफ्तार जमूरा!!

सब कुछ सहकर भी न बदले तुम तो तिलभर अच्छा है
इन्हीं अदाओं पर तो उनको तुम पर आए प्यार जमूरा!!

'आज' रहोगे मौन तो तेरा 'कल' गूँगा हो जाएगा
और तुम्हारे गूंगेपन का बढ़ न जाए भार जमूरा !!

राजीव थेपड़ा

जब नदी में पानी नहीं होता

बस इसी तरह उतरती है यह नदी....
बरसती....उफनती
छलकती.....बलखाती
छाती के पत्थरों से टकराती
उछलती....तिलमिलाती
सच्चाई यह है कि
जब नदी में पानी ही नहीं होता
तब दिल में बाढ़ आ जाती है !!

तेज नारायण राय

पहाड़ पर बसा गांव

पहाड़ पर बसे गांव में
जिधर देखो नजर आते हैं
पहाड़ ही पहाड़.

पत्थर ही पत्थर नजर आते हैं
पहाड़ पर बसे गांव में
पर यहां बसने वाले लोगों का
दिल पत्थर नहीं होता !

पहाड़ी झरने के मीठे जल-सा
होता है पहाड़ी लोगों का दिल.

भले ही काले पत्थर जैसे
काले होते हैं पहाड़ी बच्चे
पहाड़ी लोग पहाड़ी स्त्रियां
पर उनके चेहरे पर होती है
पहाड़ी फूलों से मुस्कान.

कितने भी पथरीले क्यों न हो
यहां के रास्ते
पर आसानी से
पार कर जाने का हुनर
जानते हैं पहाड़ी लोग.

जब यहां की पहाड़ी औरतें
माथे पर लकड़ी का गट्ठर लादे
उतरती हैं पहाड़ से
तब पहाड़ का पहाड़ सा दिल भी
पसीज जाता है
पहाड़ी औरतों की मेहनत देखकर.

जब पहाड़ की तराई में
खिलते हैं रंग-बिरंगे फूल
तब पहाड़ से तन के काले
पहाड़िया लोगों का मन भी
हो जाता है पहाड़ों के पीछे से उगते
सूरज की लालिमा सा टहटह लाल.

बज उठते हैं मांदर नगाड़ा
थिरकने लगती हैं पहाड़ी नवयोवना
खोपे में खोसकर पहाड़ी फूल.

ऐसे में जब पहाड़ के पहाड़ी बाबा
अपना मौन व्रत तोड़
देते हैं आशीर्वाद पहाड़ी लोगों को
तब पहाड़ पर बसे गांव के
पहाड़िया लोगों का पहाड़ सा दुख
रुई जैसा हो जाता है हल्का
और उड़ने लगता है
पहाड़ के चारों ओर ....

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

टी20 : आज सीएसके दूसरी बार पंजाब किंग्स से भिड़ेगी, वहीं एलएसजी और केकेआर की टीमें होंगी आमने-सामने

सीएसके की निगाहें पंजाब से हार का बदला लेने पर

एजेंसी। धर्मशाला

गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) रविवार को यहां लगातार दूसरी बार आईपीएल में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी, तो उसकी कोशिश जीत की लय हासिल करने पर लगी होगी.तीन दिन पहले ही पंजाब किंग्स ने चेपक पर सीएसके को सात विकेट से हराया था. घरेलू टीम की यह पिछले तीन मैच में दूसरी हार थी जिससे टीम मुश्किल में है. सीएसके 10 अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर है और पांच बार की चैम्पियन उम्मीद करेगी कि स्थान बदलने से उसका भाग्य भी बदल जाएगा क्योंकि नॉकआउट चरण में अपना स्थान पक्का करने क लिए महज चार मैच बचे हैं. सीएसके हरप्रीत बरार और राहुल चाहर की स्पिन जोड़ी के खिलाफ मध्य के ओवरों में तेजी नहीं दिखा सकी, जिससे उसने सात विकेट पर 162 रन का स्कोर बनाया था. उनकी बल्लेबाजी भी कप्तान रूतुराज गायकवड़ और शिवम दुबे पर निर्भर होती जा रही है तथा जैसे ही इनमें से एक विफल होता है, वैसे ही टीम के अनिरंतर बल्लेबाजों पर दबाव बढ़ जाता है. गायकवाड़ ने सत्र का पांचवां 50 से ज्यादा रन का स्कोर बनाया जबकि अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे एक बार फिर शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे जबकि रविंद्र जडेजा और समीर रिज्वी स्पिन के खिलाफ जूझते नजर आये. सीएसके अपने तेज गेंदबाजों के स्वास्थ्य और फिटनेस चिंताओं से भी परेशान है जिसमें दीपक चाहर भी शामिल हैं जो महज दो गेंद फेंकने के बाद अपनी हैमस्ट्रिंग को पकड़ कर लंगड़ाते दिखे जिससे उनके पंजाब किंग्स के खिलाफ इस दूसरे मुकाबले में खेलने की संभावना नहीं है.मुख्य गेंदबाज मथिशा पाथिराना (हल्की चोट) और तुषार देशपांडे (फ्लू) की अनुपस्थिति से टीम को नुकसान हुआ. और फिर ओस ने स्पिनरों की अहमियत कम कर दी जिससे पंजाब किंग्स ने आसानी से जीत हासिल की. रिचर्ड ग्लीसन ने पिछले मैच में आईपीएल पदार्पण किया था और सीएसके मुकेश चौधरी को वापस बुला सकती है.वहीं पंजाब किंग्स की बात करें जो तो उसने लगातार जीत हासिल कर अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को उड़ान दी है. सीएसके पर जीत के साथ पंजाब किंग्स गत चैम्पियन सीएसके पर लगातार पांच जीत दर्ज करने वाली मुंबई इंडियंस के बाद दूसरी टीम बनी और अब वह इसका फायदा उठाना चाहेगी. पंजाब किंग्स हालांकि अप्रत्याशित टीम है जिसने अहमदाबाद में गुजरात पर, चेपक में चेन्नई पर जीत हासिल की तथा केकेआर के खिलाफ टी20 रिकॉर्ड स्कोर का पीछा किया. हालांकि घरेलू सरजमीं पर राजस्थान रॉयल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटन्स के खिलाफ जूझती नजर आयी. लगातार जीत के बाद पंजाब किंग्स आठ अंक लेकर सातवें स्थान पर पहुंच गयी और अपनी उम्मीदों को बचाये रखने के लिये लय जारी रखनी होगी.

टीमें

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धौनी (विकेटकीपर), अरावेली अवनीश, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिचेल, रचिन रविंद्र, मिशेल सैंटनर, निशांत सिंधु , दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मथीशा पाथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शार्दुल ठाकुर, महेश तीक्ष्णा और समीर रिजवी.

पंजाब किंग्स : शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जॉनी बेयरस्टो (विकेटकीपर), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व तायडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम करन, कागिसो रबाडा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया, विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी, रिले रोसोऊ.

मैच का समय : दोपहर 3.30 बजे से

एलएसजी के सामने होगी केकेआर की मजबूत चुनौती

एजेंसी। लखनऊ

इंडियन प्रीमियर लीग में प्लेऑफ की ओर बढ़ रही लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीमें रविवार को जब एक-दूसरे के सामने मैदान में होंगी, तो उनका इरादा जीत के साथ अंतिम चार में अपनी जगह का दावा मजबूत करने पर होगा. मुंबई इंडियंस को उसके घरेलू मैदान पर कम स्कोर वाले मैच में 24 रन से मात देने के बाद केकेआर के नाम 14 अंक हो गये है और टीम प्लेऑफ क्वालीफिकेशन के बेहद करीब है. ऐसे में लोकेश राहुल की अगुवाई में एलएसजी पर दबाव होगा कि वह श्रेयस अय्यर की टीम के खतरे से बचने का रास्ता खोजे. एलएसजी के 10 मैचों में छह जीत और चार हार के साथ 12 अंक है और यह टीम केकेआर से सिर्फ एक पायदान नीचे तीसरे नंबर पर है. चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद (12 अंक) जबकि चेन्नई सुपरकिंग्स (10 अंक) और दिल्ली कैपिटल (10 अंक) भी मजबूती के साथ शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में बनी हुई है. एलएसजी को यहां एकाना स्टेडियम में अपने पिछले मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 145 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी. टीम आखिरी ओवर में सिर्फ चार विकेट से जीत हासिल कर सकी. कप्तान राहुल और हरफनमौला मार्कस स्टोइनिस ने एलएसजी के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है और यह देखना होगा कि क्या दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी क्विंटन डिकॉक को युवा अर्शिन कुलकर्णी के स्थान पर वापस लाया जाता है. कुलकर्णी ने पिछले मैच में पारी की शुरुआत की थी. निकोलस पूरन ने इस सत्र में अब तक अर्धशतक नहीं बनाया है लेकिन उन्होंने कई मौके पर आखिरी ओवर में टीम के लिए तेजी से रन बनाये हैं. वह हालांकि मुंबई के खिलाफ रन बनाने में संघर्ष करते दिखे जिससे उनका 'फिनिशिंग कौशल' सवालों के घेरे में है. आयुष बडोनी भी इस सत्र में एकाध मैच छोड़ कर प्रभावित करने में विफल रहे हैं. वह केकेआर के खिलाफ लय हासिल करना चाहेंगे.

लखनऊ की टीम के गेंदबाजों को केकेआर के आक्रामक बल्लेबाजों को रोकने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाना होगा टीम को तेज गेंदबाजी से प्रभावित करने वाले मयंक यादव की सेवाएं नहीं मिलेंगी. केकेआर की टीम को इस सत्र में तीन हार का सामना करना पड़ा है. टीम ने इन तीनों हार के बाद मजबूत वापसी की है मुंबई के खिलाफ पिछले मैच मे टीम ने 57 रन तक पांच विकेट गंवा दिये थे लेकिन वेंकटेश अय्यर (70) और मनीष पांडे (42) ने 83 रन की अच्छी साझेदारी करके टीम को बचाया. दोनों ने शानदार तरीके से दबाव झेलने के साथ तेजी से रन बनाये. इसके बाद गेंदबाजों ने लगातार अंतराल पर विकेट चटकाते हुए मुंबई की टीम को 18.5 ओवर में आउट कर 24 रन की यादगार जीत दर्ज की.

टीमें

एलएसजी : केएल राहुल (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, निकोलस पूरन, आयुष बदोनी, काइल मेयर्स, मार्कस स्टोइनिस, दीपक हुडा, देवदत्त पडिक्कल, रवि बिश्नोई, नवीन उल हक, क्रुणाल पंड्या, युद्धवीर सिंह, प्रेरक मांकड़, यश ठाकुर, अमित मिश्रा, शमर जोसेफ, मयंक यादव, मोहसिन खान, के गौतम, शिवम मावी, अर्शिन कुलकर्णी, एम सिद्धार्थ, एश्टन टर्नर, मैट हेनरी, मोहम्मद अरशद खान

केकेआर : श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नीतिश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंथा चमीरा, साकिब हुसैन, मुजीब उर रहमान, गट एटिकिंसन, अल्लाह गजनफर, फिल साल्ट

मैच शाम 7.30 बजे से शुरू होगा

पीठ में जकड़न से इम्पैक्ट के तौर पर खेले रोहित शर्मा : चावला

मुंबई। लेग स्पिनर पीयूष चावला ने कहा कि भारतीय कप्तान और मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को पीठ में थोड़ी जकड़न के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ आईपीएल मैच में बतौर इम्पैक्ट सब खेलने के लिए बाध्य होना पड़ा था. इम्पैक्ट सब के तौर पर खेलने उतरे रोहित 12 गेंद में महज 11 रन ही जोड़ सके. इस मैच में मुंबई इंडियंस को केकेआर से 24 रन की हार का सामना करना पड़ा. इससे पांच बार की चैम्पियन टीम इस साल के आईपीएल से लगभग बाहर हो गयी है. चावला ने वानखेडे स्टेडियम में मैच के बाद मीडिया से कहा, उन्हें पीठ में थोड़ी जकड़न थी इसलिए ऐहतियातन यह फैसला किया गया. मुंबई इंडियंस की यह 11 मैच में आठवीं हार है जिससे हार्दिक पंड्या की अगुआई वाली टीम के लिए प्लेऑफ के दरवाजे लगभग बंद हो गये हैं और चावला ने भी स्वीकार किया कि वे सिर्फ अब सम्मान के लिए खेलेंगे. उन्होंने कहा, हम सम्मान के लिए खेलेंगे क्योंकि जब आप मैदान में उतरते हो तो आप यह नहीं सोचते कि आप क्वालीफाई करोगे या नहीं करोगे.

इंपैक्ट प्लेयर नहीं होने से कप्तानों को रणनीतिक रूप से सोचना पड़ेगा: स्टार्क

एजेंसी। मुंबई

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि अगले महीने अमेरिका में टी20 विश्व कप शुरू होने पर इंडियन प्रीमियर लीग के इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं होने से कप्तानों को अधिक रणनीति के साथ सोचने पर मजबूर होना पड़ेगा. इम्पैक्ट प्लेयर नियम के तहत टीमों के पास मैच के दौरान एक खिलाड़ी को बदलने की आजादी होती है. इसे पिछले साल लागू किया गया था. जिसके बाद टीमों आसानी से 200 रन के आस-पास स्कोर कर रही हैं. मुंबई इंडियंस को आईपीएल टी20 मैच में शुक्रवार को 24 रन से हराने के बाद केकेआर के इस गेंदबाज ने कहा, इम्पैक्ट प्लेयर नियम से चीजें काफी हद तक बदल जाती हैं. टीम को एक बल्लेबाज या गेंदबाज अधिक रखने की आजादी मिलती है और इससे बल्लेबाजी में अधिक गहराई आती है. उन्होंने कहा, इससे

टीम के पास आठवें या नौवें क्रम तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी मौजूद रहते हैं. बल्लेबाजी में गहराई के कारण पावर प्ले में भी बल्लेबाज बेखौफ होकर खेलते हैं. मुंबई के खिलाफ 33 रन पर चार विकेट लेने वाले स्टार्क ने कहा कि टी20 विश्व कप में ये नियम नहीं होगा, ऐसे में इसका असर स्कोर पर दिखेगा. उन्होंने कहा, आईपीएल में कुछ बड़े स्कोर, कुछ शानदार साझेदारियां और बल्ले से कुछ व्यक्तिगत प्रतिभाएं देखने को मिलीं. अगले महीने होने वाले विश्व कप में ऐसा कोई नियम नहीं होगा. ऐसे में यह देखना होगा कि इसका स्कोर पर क्या असर पड़ता है. उन्होंने कहा, आपको किसी अतिरिक्त खिलाड़ी के बिना टीम का संतुलन बनाना होगा. ऐसे में हरफनमौला खिलाड़ियों का महत्व बढ़ेगा. निश्चित रूप से विश्व स्तरीय ऑलराउंडर टीम को संतुलित करते हैं उन्होंने कहा, जब आपके पास सिर्फ 11 खिलाड़ी हों तो कप्तानों को भी थोड़ा रणनीतिक रूप से सोचना होगा. आईपीएल में इसका अनुभव लेना दिलचस्प रहा है.

इंग्लैंड की महिला टीम चयन के लिए हो रहा एआई का इस्तेमाल

लंदन। इंग्लैंड महिला टीम के मुख्य कोच जॉन लुईस ने खुलासा किया कि वे अंतिम एकादश का चयन करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि जहां तक मुकाबलों का संबंध है तो उन्हें इस तकनीक ने महत्वपूर्ण फीडबैक मुहैया कराया है और उन्हें एशेज श्रृंखला जीतने में भी मदद की. लुईस ने कहा कि उन्हें इस तकनीक (लंदन की कंपनी पीएसआई द्वारा मुहैया करायी जाने वाली) के बारे में तब पता चला था जब वह मार्च 2023 में भारत में महिलाओं की प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के शुरूआती चरण में यूपी वारियर्स की कोचिंग कर रहे थे.ईएसपीएन क्रिकइंफो की खबर के अनुसार इंग्लैंड रग्बी यूनियन के कोच स्टीव बोर्थविक ने भी कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल किया था. इंग्लैंड के मुख्य कोच लुईस ने कहा कि एआई प्रणाली से उन्हें पिछले साल महिलाओं की एशेज में दो फॉर्म में चल रही खिलाड़ियों में से एक का चयन करने का फैसला करने में मदद मिली.

क्रिकेट स्टेडियम का आकार अब प्रासंगिक नहीं है: अश्विन

संवाददाता । नयी दिल्ली

दुनिया के प्रमुख ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने शनिवार को कहा कि आधुनिक समय में बल्लेबाजी का इस तरह से विकास हो रहा है कि अविश्वसनीय पावर-हिटिंग धीरे-धीरे क्रिकेट स्टेडियमों के आकार को अप्रासंगिक बना रही है और उन्हें डर है कि यह प्रवृत्ति खेल को एकतरफा बना सकती है. अश्विन की टिप्पणी इस साल के आईपीएल में टीमों द्वारा बनाए जा रहे बड़े स्कोर के संदर्भ में आयी है. सनराइजर्स हैदराबाद ने मौजूदा सत्र में दो बार इस लीग का सबसे बड़े स्कोर (277 और 287) का रिकॉर्ड बनाया. इंपैक्ट प्लेयर नियम के आने के बाद मौजूदा आईपीएल सत्र में टीमों ने कई बार 250 रन के आंकड़े को पार किया. अश्विन ने कहा, कुछ समय पहले बनाए गए स्टेडियम आज के समय में प्रासंगिक नहीं हैं. उस समय जो बल्ले इस्तेमाल किए जाते थे, उनका इस्तेमाल अब गली क्रिकेट में नहीं होता है. प्रायोजकों के एलईडी बोर्डों के इस्तेमाल के कारण बाउंड्री पहले

ही 10 गज कम हो गयी है. अश्विन ने अपनी आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के लिए एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान ये बातें कही.अश्विन का मानना है कि अगर यही सिलसिला जारी रहा, तो आने वाले समय में खेल एकतरफा हो जाएगा.अपनी बातों को सीधे तरीके से रखने वाले अश्विन ने कहा, आज के दौर में खेल एक तरफ (बल्लेबाज) बहुत ज्यादा झुका हुआ है. यह किसी को परेशान कर के किसी को खुश करने जैसा है. गेंदबाजों को मानसिक तौर पर प्रोत्साहन की जरूरत है.

प्रतिबंधित दवाओं पर खिलाड़ियों को जागरूक कर रहे पूर्व मुक्केबाज

नयी दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज और झज्जर पुलिस में सहायक आयुक्त अखिल कुमार ने झज्जर के जवाहरलाल बाग स्टेडियम में बातचीत में उभरते हुए खिलाड़ियों को सलाह दी कि उन्हें नशीली दवाओं के खतरे से बचकर रहना चाहिए. बीजिंग ओलंपिक 2008 के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाले 43 वर्षीय अखिल ने 2006 में राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण पदक जीता था. उन्होंने शुक्रवार को 100 से ज्यादा खिलाड़ियों से बातचीत की जिसमें मुक्केबाज भी शामिल थे. अखिल ने कहा, बतौर खिलाड़ी और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी के पैनल के सदस्य होने के नाते मैं इसके खतरे को समझता हूं इसलिए मैंने उन्हें सलाह दी कि इससे कैसे दूर रहें. मैंने उन्हें कहा कि नियमित रूप से होने वाले मेडिकल चेक-अप के दौरान भी उन्हें डॉक्टर को बताना चाहिए कि वे एथलीट हैं ताकि वे उन्हें प्रतिबंधित दवाई नहीं लिखें. उन्होंने कहा, प्रतिबंधित पदार्थों में फंसे युवा सिर्फ अपना करियर ही बर्बाद नहीं कर रहे, बल्कि वे अपने माता-पिता की उम्मीदों को भी खत्म कर रहे हैं.

फीफा विश्व कप 2026 भारतीय कोच ने शनिवार को 26 सदस्यीय संभावित सूची जारी की

फुटबॉल विश्व कप क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम घोषित

संवाददाता । नयी दिल्ली

कुवैत और कतर के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 और एएफसी एशियाई कप 2027 के प्रारंभिक संयुक्त क्वालिफिकेशन के दूसरे चरण के मैचों के लिए भारतीय कोच इगोर स्टिमक द्वारा शनिवार को घोषित 26 सदस्यीय संभावित सूची में आई-लीग के चार खिलाड़ियों को शामिल किया गया है. मिजोरम के 23 वर्षीय फॉरवर्ड डेविड लालहलानसंगा ने मोहम्मडन स्पोर्टिंग की आई-लीग जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. टीम इससे शीर्ष स्तर की आईएसएल में जगह बनाने में सफल रही. रीयल कश्मीर के डिफेंडर मुहम्मद हम्माद और इंटर काशी के मिडफील्डर एडमंड लालरिंडिका के साथ आइजोल एफसी के फॉरवर्ड लालरिंजुआला लालबियाकनिया को भी टीम में जगह मिली है. एआईएफएफ ने कहा कि मोहन बागान और मुंबई सिटी एफसी की टीमें आईएसएल फाइनल में भिड़ेगी ऐसे में इन दोनों टीमों से राष्ट्रीय टीम के लिए चुने जाने वाले संभावितों के नाम की घोषणा दूसरी सूची में की जाएगी. भारत 10 मई को भुवनेश्वर में प्रशिक्षण शिविर शुरू करेगा. भारतीय टीम ग्रुप ए के अपने आखिरी दो मैचों में छह जून को कोलकाता में कुवैत के खिलाफ खेलने के बाद 11 जून को दोहा में कतर का सामना करेगी. भारत चार मैचों में चार अंक के साथ ग्रुप तालिका में दूसरे स्थान पर है. ग्रुप की शीर्ष दो टीमें फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर के लिए क्वालीफाई करने के साथ एएफसी एशियाई कप सऊदी अरब 2027 में अपनी जगह पक्की करेगी.

भारतीय टीम के संभावित खिलाड़ी: गोलकीपरः अमरिंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह संधू. डिफेंडरः अमेय गणेश रानावाडे, जय गुप्ता, लालचुंगनुंगा, मुहम्मद हम्माद, नरेंद्र, निखिल पुजारी, रोशन सिंह नाओरेम. मिडफील्डरः ब्रैंडन फर्नांडिस, एडमंड लालरिंडिका, इमरान खान, इसाक वनलालरुआतफेला, जेकसन सिंह थौनाओजम, महेश सिंह नाओरेम, मोहम्मद यासिर, नंदकुमार सेकर, राहुल कन्नोली प्रवीण, सुरेश सिंह वांगजाम, विबिन मोहनन फॉरवर्डः डेविड लालह्लानसंगा, जितिन मदाथिल सुब्रान, लालरिनजुआला लालबियाकनिया, पार्थिब गोगोई, रहीम अली, सुनील छेत्री.

रिद्धिमा के शतक से रांची ने कोडरमा को 278 रन से हराया

संवाददाता। रांची

पाकुड़ में खेले जा रहे जेएससीए विमेंस अंडर-15 क्रिकेट टूर्नामेंट में शनिवार को रांची ने कोडरमा को 278 रन के बड़े अंतर से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए रांची की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 286 रन बनाए. रांची की रिद्धिमा गौतम ने अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से सभी का मन मोहा और शानदार 132 रनों की पारी खेली. टीम के लिए रागिनी ने 62 व गुरलीन ने 23 रनों का योगदान दिया. वहीं कोडरमा की सुमन एक विकेट प्राप्त हुआ.

महज 8 रन पर सिमटी कोडरमा की टीम : जवाबी पारी में कोडरमा की पूरी टीम 6.3 ओवर में मात्र 8 पर ढेर हो गई. रांची की शानवी ने मैच में शानदार गेंदबाजी की. उन्होंने महज 7 रन देकर विपक्षी टीम के 6 बल्लेबाजों को पवेलियन का रस्ता दिखाया. रिद्धिमा को शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष बारहवें भाव में चार ग्रहों का योग है. मानसिक तनाव रहेगा. कार्यों में अपेक्षाकृत विलंब होगा. विवेक से कार्य करें. स्थानीय धर्मस्थल की परिवार के साथ यात्रा होगी. पार्टनर से मतभेद समाप्त होगा. जल का दान किसी शिवमंदिर में करें.

वृषभ व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. शत्रु भय रहेगा. व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी. नौकरी में कार्य व्यवहार, ईमानदारी की प्रशंसा होगी. मशक्कत करने से लाभ होगा. चिंता होगी. शत्रु पराजित होंगे.

मिथुन मान-सम्मान मिलेगा. वाणी पर नियंत्रण रखें. स्त्री कष्ट संभव. कलह से बचें. कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे. विवेक से कार्य बनेंगे. पेट रोग से पीड़ित होने की संभावना. वस्त्राभूषण की प्राप्ति के योग. किस्मत का साथ मिलेगा.

कर्क विवाद न करें. लेन-देन में सावधानी रखें. कानूनी बाधा दूर होगी. देव दर्शन होंगे. राज्य से लाभ होने की संभावना. मातृपक्ष की चिंता. वाहन-मशीनरी का प्रयोग सावधानी से करें. धनागम की संभावना. मित्र मिलेंगे.

सिंह प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें. झंझटों में न पड़ें. आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना. शत्रु पराजित होंगे. लाभ होगा. स्वास्थ्य गड़बड़ हो सकता है. अनजाना भय सताएगा. राज्य से लाभ.

कन्या जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. राजकीय बाधा दूर होगी. नेत्र पीड़ा की संभावना. धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा. शत्रु से परेशान होंगे. अपमान होने की संभावना. कष्ट की संभावना. धनहानि. कष्ट-पीड़ा.

तुला स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. भागदौड़ रहेगी. भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. धनागम सुस्त रहेगा. कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा. दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है. कुछ लाभ की संभावना.

वृश्चिक पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना. कुसंग से हानि. धनागम सुखद रहेगा. प्रेमिका प्रसन्न होगी. कुछ आय होगी. माता को कष्ट रहेगा.

धनु भय-पीड़ा, मानसिक कष्ट की संभावना. लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा. दुःसमाचार प्राप्त होंगे. हानि तथा भय की संभावना, पराक्रम से सफलता, कलहकारी वातावरण बनेगा. भयकारक दिन रहेगा. मंदिर में घी दान करें.

मकर मेहनत से किया गया प्रयास सफल होगा. धार्मिक यात्रा के योग बनेंगे. कुछ कष्ट होने की संभावना. लाभ के योग बनेंगे. स्त्री वर्ग को कष्ट साथ ही कुसंग से कष्ट. कलहकारक दिन रहेगा. अन्न और फल का दान करें.

कुंभ धन का आगमन होगा. पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे. स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. आय में वृद्धि होगी. विरोध की संभावना, धनहानि, गृहस्थी में कलह, रोग से घिरने की संभावना, कुछ कार्यसिद्धि की संभावना. चिंताएं जन्म लेंगी.

मीन समय सामान्य है. किस्मत का साथ मिलेगा. परिवार की चिंता रहेगी. लाभ होगा. अस्वस्थता का अनुभव करेंगे. चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी. शत्रु दबे रहेंगे. कलह-अपमान से बचें. संभावित यात्रा होगी. सावधानी बरतनी होगी.

पेज एक का शेष

झारखंड सरकार के लोग ...

आप चोरों को सजा देना चाहते हैं या नहीं? झारखंड में चोरों को जेल जाना चाहिए या नहीं? जिसने झारखंड को लूटा, उसके खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई हो रही है. कोर्ट भी कह रहा है कि हां, चोरी हुई है. मोदी का एक ही संकल्प है कि भ्रष्टाचार मिटाओ और इंडी गठबंधन के लोग कहते हैं कि भ्रष्टाचारियों को बचाओ. मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी.

एक सीएम भ्रष्टाचार के गंभीर मामलों में जेल में है बंद : पीएम ने कहा कि पेपर लीक का मामला देखिए. इस राज्य में कोई ऐसा एक्जाम नहीं है, जिसका पेपर लीक नहीं होता. मैंने देखा कि यहां के लोग सुधरने वाले नहीं है. इसलिए मैंने दिल्ली से डंडा चलाकर एक कड़ा कानून बना दिया है. अगर हमारे पास 100, 200, 500 रहता है तो हम संभाल के रखते हैं कि जरूरत के समय में काम आएगा. एक-एक रुपये की कीमत होती है, लेकिन झारखंड में देखिए कांग्रेस के सांसद के घर से नोटों के ढेर निकले. मशीन लाई गई तो मशीन भी हांफने लगी. मुझे बताइए ये पैसा किसका है. ये पैसा आपके हक का है कि नहीं है. एक सीएम भ्रष्टाचार के गंभीर मामलों में जेल में बंद है. अब आप बताइए कि कोई आपके घर में चोरी करे तो आप उसको सजा देंगे कि नहीं. ये झारखंड भी तो आपका घर ही है ना इसमें कोई चोरी करे तो उसको सजा होनी चाहिए कि नहीं. जिसने झारखंड को लूटा उसपर कानून के तहत कार्रवाई हो रही है. अदालत ने भी कहा चोरी की है. मोदी का एक ही संकल्प है भ्रष्टाचार हटाओ. ये कहते हैं कि भ्रष्टाचारी बचाओ.

महिलाएं नहीं कर सकेंगी...

स्थिति को संभालने और शादी को बचाने के बजाय, छोटी-छोटी बातों पर उनके कदम वैवाहिक बंधन को पूरी तरह से नष्ट कर देते हैं. जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि महिला, उसके माता-पिता और रिश्तेदारों के दिमाग में सबसे पहली चीज जो आती है, वह है पुलिस. मानो की सभी बुराइयों का रामबाण इलाज पुलिस ही हो. पीठ ने कहा कि मामला पुलिस तक पहुंचते ही पति-पत्नी के बीच सुलह की संभावना नष्ट हो जाती है.

तो अपहरण का दोषी माना जाएगा आरोपी...

सामाजिक दबाव के कारण उसे वापस लौटाया गया. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की बेंच में हुई. सुनवाई के दौरान कोर्ट में इस बात के साक्ष्य प्रस्तुत किये गये कि पीड़ित लड़की घटना के समय 18 वर्ष से कम उम्र की थी. इसलिए, उसकी सहमति महत्वहीन होगी. एक व्यक्ति जो 18 वर्ष से कम उम्र के किसी भी नाबालिग को उसके अभिभावक की सहमति के बिना ले जाता है या फुसलाकर ले जाता है, तो वह अपहरण माना जाएगा.

शहजादा 4000 किमी पैदल चला है...

हर तरफ महंगाई, मेरी बहनों... सब्जी खरीदने जाती हो, मिलती है क्या? भाव क्या है उसका. पेट्रोल-डीजल का दाम क्या है मेरे किसान भाइयों? किस तरह से गुजारा कर रहे हो. खेती के हर सामान पर जीएसटी है. हर सामान महंगा हो चुका है. अगर कोई त्योहार होता है, कुछ खरीदना पड़ता है, नए कपड़े, बच्चों के लिए कोई वर्दी खरीदनी पड़ती है, फीस भरनी पड़ती है, कोई बीमार पड़ जाता है... इलाज कराना पड़ता है, तो क्या हालत होती है आपकी... ये मोदी नहीं जान सकते. मोदी की सरकार हमेशा महिला अत्याचारियों के साथ खड़ी रहती है. मणिपुर हो, हाथरस हो, उन्नाव हो, ओलंपिक महिला खिलाड़ियों की बात हो. मोदी कहते है कांग्रेस एक्स-रे मशीन लाएगी और आपके मंगलसूत्र, भैंस ले जाएगी. हमारी 55 साल सरकार रही, कब किसी की भैंस ले ली हमने? आज देश कह रहा है... बहुत हुई आपकी नौटंकी, हमारे लिए क्या किया इसका जवाब दीजिए.

डीआरएम ने आदित्यपुर, सीनी, टाटानगर रेलवे स्टेशन व बादामपहाड़ स्टेशनों पर चल रहे रिडेवलपमेंट कार्य का निरीक्षण किया

ब्रिज निर्माण कार्य के दौरान लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी: डीआरएम

संवाददाता। जमशेदपुर

विकास कार्य का लिया जायजा

रिडेवलपमेंट कार्य को लेकर निरीक्षण के दौरान प्रोजेक्ट मैनेजर को समय पर कर पूरा करने का निर्देश दिया.

टाटानगर स्टेशन समेत अन्य स्टेशनों को अमृत भारत योजना तहत पुनर्विकास किया जाना है. इसको लेकर शनिवार को चक्रधरपुर डिवीजन के डीआरएम अरुण जे राठौड़ टाटानगर स्टेशन पहुंचे. वे सुबह 11 बजे अपने निरीक्षण यान से टाटानगर पहुंचे. डीआरएम के साथ चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर आरके गुप्ता व सीनियर डीसीएम गजराज सिंह समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे. डीआरएम ने आदित्यपुर, गम्हरिया, सीनी, राजखरसावां, टाटानगर रेलवे स्टेशन और बादामपहाड़ स्टेशनों में चल रहे

टाटानगर रेलवे स्टेशन पर के प्लेटफार्म नंबर वन का निरीक्षण करते हुए डीआरएम ने स्टेशन नए फुट ओवर ब्रिज का भी निरीक्षण किया जहां लिफ्ट के साथ यात्रियों को किसी भी तरीके का कठिनाई का सामना न करना पड़े दिव्यांग को लेकर भी क्या व्यवस्था होगी उनको लेकर भी अधिकारियों को निर्देश दिए गए. डीआरएम ने कहा कि ब्रिज निर्माण कार्य के दौरान किसी भी तरीके की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी कार्य गुणवत्ता तरीके से कार्य करने एवं तेजी गति से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं. डीआरएम बादामपहाड़ स्टेशन का निरीक्षण करते हुए रांची की ओर रवाना हो जाएंगे.

डालटनगंज होकर चलेगी एक जोड़ी समर स्पेशल ट्रेन

मेदिनीनगर। यात्री सुविधाओं के मद्देनजर रांची-नई दिल्ली के बीच एक जोड़ी समर स्पेशल ट्रेन चलायी जाएंगी. गाड़ी संख्या 02877/02878 रांची-नई दिल्ली समर स्पेशल ट्रेन मुरी-बरकाकाना-टोरी-लातेहार-डालटनगंज-गढ़वा रोड-जपला-सासाराम-डीडीयू-प्रयागराज-कानपुर के रास्ते चलायी जाएगी. गाड़ी संख्या 02877 रांची-नई दिल्ली समर स्पेशल 10 मई से 28 जून तक प्रत्येक शुक्रवार को रांची से 23 :55 बजे खुलकर शनिवार को 2 :40 बजे बरकाकाना पहुंचेगी. यहां से 2 :45 बजे प्रस्थान करेगी और 3 :53 बजे टोरी पहुंचेगी. यहां से 03 :55 बजे प्रस्थान कर 4 :20 बजे लातेहार पहुंचेगी. यहां से 04 :22 बजे प्रस्थान कर 05 :13 बजे डालटनगंज पहुंचेगी. यहां से 05 :15 बजे आगे रवाना होगी और छह बजे गढ़वा रोड पहुंचेगी. यहां से 06 :05 बजे प्रस्थान कर 22 :20 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी .गाड़ी संख्या 02878 नई दिल्ली-रांची समर स्पेशल 11 मई से 29 जून तक प्रत्येक शनिवार को नई दिल्ली से 23 :45 बजे खुलकर रविवार को 17 :08 बजे गढ़वा रोड पहुंचेगी.

राहुल गांधी सात को चाईबासा और बसिया में जनसभा को संबोधित करेंगे

राहुल गांधी शहजादे नहीं शहीदजादे : गुलाम अहमद

प्रमुख संवाददाता। रांची

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा है कि पूरे देश की 140 करोड़ जनता जानती है कि राहुल गांधी शहजादे नहीं शहीदजादे हैं. मीर शनिवार को कांग्रेस भवन में मीडिया से बातचीत कर रहे थे. उन्होंने कहा कि शहजादे प्रधानमंत्री का प्रिय शब्द है, जो वह चुनाव के दौरान प्रयोग करते हैं, तो मैं उन्हें बता दूं कि राहुल गांधी उस परिवार से आते हैं, जिस परिवार का आजादी हासिल करने के पहले से लेकर आजादी के बाद तक कुर्बानी का इतिहास रहा है. लेकिन मोदी जी जिस जमात से आते हैं, उनका देश के लिए क्या योगदान रहा है यह पूरा देश जानता है.

मोदी को रिस्पांस नहीं मिला

मीर ने कहा कि पिछले दो दिन से मोदी झारखंड में हैं. जनता का रिस्पांस उन्हें नहीं मिला. प्रधानमंत्री जिस भाषा का इस्तेमाल करते हैं, उसे जनता सुनती है और अच्छी तरह समझती है. 10 साल में उन्होंने क्या किया, इसकी उन्होंने चर्चा तक नहीं की. इस कारण अपने 10 साल के काम पर प्रधानमंत्री ने वोट नहीं मांगा. भ्रष्टाचार की बात करें तो जिस नेता पर पीएम शाम में 70 हजार करोड़ के घोटाले का आरोप लगाते हैं, 24 घंटे के अंदर उसके साथ सरकार बनाकर उसे उपमुख्यमंत्री बना देते हैं. असम और बंगाल भी इसका उदाहरण है.

भाजपा ने करोड़ों का चंदा लिया

इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से भाजपा ने हजारों करोड़ रुपये कंपनियों से चंदा लिया और इसके बदले उन्हें लाभ पहुंचाया. वोट हासिल करने के लिए मोदी कुछ भी कर सकते हैं. 10 वर्षों में मोदी ने झारखंड को क्या दिया. झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार किया गया. जब उन्होंने पीएम आवास नहीं दिया, तो हमारी सरकार ने अबुआ आवास योजना शुरू की. पलामू के मंडल डैम का शिलान्यास पांच वर्ष पूर्व मोदी द्वारा किया गया था, परंतु उसमें कोई काम नहीं हुआ. सरना धर्म कोड पर चुप्पी साधे रहे.

मोदी मूल मुद्दों को डायवर्ट कर रहे हैं : मीर

कांग्रेस प्रभारी मीर ने कहा कि भाजपा मोदी पर और कांग्रेस मुद्दों पर चुनाव लड़ रही है. मोदी हिंदू-मुसलमान पाकिस्तान पर चुनाव लड़ रहे हैं और मूल मुद्दों को डायवर्ट कर रहे हैं. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने बताया कि राहुल गांधी सात मई को चाईबासा और बसिया में जनसभा को संबोधित करेंगे. झारखंड की जनता के बीच मोदी फ्लॉप शो साबित हुए. जनता उन्हें कितनी गंभीरता से ले रही है, यह रैली में जनता की कम उपस्थिति ने दर्शा दिया है. प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया को-ऑर्डिनेटर ज्योति सिंह, राकेश सिन्हा, सुमेर चरण, वैभव शुक्ला, सतीश पॉल मुंजनी, सोनाल शांति, कमल ठाकुर, रियाज अंसारी और ऋषिकेश सिंह उपस्थित थे.

सड़क किनारे बेहोश पड़ा था युवक थाना प्रभारी ने अस्पताल पहुंचाया

संवाददाता। चक्रधरपुर

टोकलो थाना क्षेत्र टोकलो से कुचाई वाले रास्ते में तुरामडीह गांव के समीप एक युवक बेहोशी की हालत में ग्रामीणों को मिला. इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना टोकलो थाना को दी. युवक के शरीर पर कई जगह चोट के निशान रहने पर उसे शनिवार को चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल में ईलाज के लिए भर्ती कराया गया. इस संबंध में टोकलो थाना के प्रभारी परमेश्वर उरांव ने बताया कि टोकलो के तुरामडीह गांव के समीप सड़क किनारे घायल अवस्था में एक युवक के पड़ा रहने के बाद ग्रामीण युवक को टोकलो थाना लेकर पहुंचे थे. जहां युवक ने बताया कि वह ओड़िसा के क्योंझर जिला के जोड़ा का रहने वाला विक्की खान है. मोटरसाइकिल पर सवार होकर चक्रधरपुर स्थित रिश्तेदार के यहां आने के दौरान वह बेहोश हो गया और गिर गया. जिससे वह घायल हो गया.युवक पुलिस के साथ अस्पताल नहीं आना चाहता था. वह सिर्फ कह रहा था कि मुझे अस्पताल किसी अन्य व्यक्ति के साथ भिजवा दें, लेकिन फिर भी पुलिस द्वारा युवक को ईलाज के लिए चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया, साथ ही इसकी सूचना युवक के परिजनों को भी दी. इधर चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल में युवक विक्की खान ने कुछ लोगों को बताया कि जोड़ा से चक्रधरपुर सड़क मार्ग से आने के दौरान कुछ युवकों ने उसे घेर लिया और चेहरे पर कपड़ा ढंककर टोकलो के जंगल ले गये, जहां उसके साथ मारपीट कर पांच हजार रुपये लूट लिये. इधर युवक द्वारा बयान बदले जाने से पुलिस व युवक के परिजन भी परेशान है.

सिमरिया में पत्रकार के साथ स्कूल संचालकों ने की मारपीट

संवाददाता। चतरा/सिमरिया

खबर प्रकाशित करने पर एक पत्रकार सिमरिया प्रखंड निवासी मोकिम अंसारी के साथ शनिवार को कुट्टी स्थित प्रगति सेंट्रल स्कूल के संचालकों ने मारपीट की. जिससे पत्रकार गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल अवस्था में पत्रकार के भाई तबारक अंसारी घटनास्थल से उठाकर थाना लाए. जिसके बाद उनका इलाज रेफरल अस्पताल में किया गया. इस संबंध में पत्रकार ने सिमरिया थाना में आवेदन देकर प्राथमिक दर्ज करवाते हुए आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है. आवेदन में बताया गया है कि तीन मई को स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के आदेश के बावजूद स्कूल खुले रहने पर प्रगति सेंट्रल स्कूल कुट्टी और श्रीराम कृष्ण परमहंस स्कूल से संबंधित खबर चार मई को प्रकाशित किए थे. खबर छपने के बाद नरेश महतो ने बुलाया था.

एनडीए को इस बार 400 से ज्यादा सीटों पर विजयी बनाना है : डॉ मेहता

संवाददाता। मेदिनीनगर

चियांकी हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन पर भाजपा नेताओं ने स्वागत किया. इस अवसर पर बिश्रामपुर विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने कहा शक्ति का नाम मोदी है. बताया कि 2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनी थी. उस समय भारत अर्थव्यवस्था में दसवें स्थान पर था. अभी पांचवें स्थान पर है. आने वाले समय में मोदी ने कहा है कि भारत तीसरे स्थान पर आएगा. लोगों को धन-धन योजना के तहत अकाउंट खोला गया. महिलाओं को गैस कनेक्शन दिया गया. कहा कि वीडी राम देखने में छोटे लगते हैं, लेकिन काम बड़े-बड़े करते हैं. इसलिए वीडी राम को वोट दें. वहीं पांकी विधायक डॉ कुशवाहा शशि भूषण मेहता ने कहा कि इस बार पूरे देश में एनडीए गठबंधन को 400 से पार सीट लाना है. नरेंद्र मोदी भारत ही नहीं विश्व के नेता हैं. पलामू के लोकसभा प्रत्याशी वीडी राम को अपार मतों से जिताना है. लोगों से अपील किया कि बीजेपी को वोट दें. कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने गरीबों की उम्मीद को पूरा करने का काम किया है. जबकि इंडिया गठबंधन एक ठगबंधन है. डाल्टनगंज के विधायक आलोक चौरसिया ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में ही देश विकास करेगा. संस्कृति व देश की विचारधारा को यदि बचाना है तो मोदी को वोट देना जरूरी है. उन्होंने कहा कि पलामू लोकसभा से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार वीडी राम को वोट देकर विजयी बनाना है, ताकि नरेंद्र मोदी के हाथ मजबूत हो सके.

सुनील मीणा मूल रूप से राजस्थान के श्रीगंगानगर के घडसाना के नई मंडी का रहनेवाला है

झारखंड का मोस्ट वांटेड अपराधी कर रहा हवाई यात्रा

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड पुलिस का मोस्ट वांटेड अपराधी, इन दिनों विदेश रहकर हवाई यात्रा कर रहा है. जिसकी एक तस्वीर सामने आयी है. हम बात कर रहे हैं, जेल में बंद अपराधी अमन साहू और लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े सुनील मीणा के बारे में. जिसकी गिरफ्तारी झारखंड समेत कई अन्य राज्यों की पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है.

सुनील मीणा मूल रूप से राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के घडसाना के नयी मंडी का रहने वाला है. सुनील लॉरेंस बिश्नोई गैंग के विश्वस्त लोगों में रह चुका है. वर्क वीजा पर भारत से मलेशिया गया सुनील कुआलालंपुर में रहने के दौरान लॉरेंस बिश्नोई गैंग के रोहित गोदारा, गोल्डी बरार और संपत नेहरा के जरिये लॉरेंस के संपर्क में आया और मलेशिया से ही अपराध की दुनिया में अपनी जड़ें जमाने लगा. वह लॉरेंस के इशारे पर राजस्थान और पंजाब के कई जिलों में हत्या, रंगदारी वसूली, फायरिंग जैसे घटनाओं को अंजाम दिलाने लगा. वहीं झारखंड पुलिस की एटीएस ने सुनील का पासपोर्ट रद्द करा दिया है. वह एटीएस के डीएसपी व एसआई साहू को गोली मारने से जुड़े मामले में वांछित है. राजस्थान पुलिस और दिल्ली स्पेशल सेल की जांच में यह बात सामने आयी है कि पासपोर्ट रद्द होने के बाद सुनील मीणा डंकी रूट के जरिये सिंगापुर, ईरान, मेक्सिको होते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) में दाखिल हो चुका है. वह वहीं से अमन साहू गैंग के लिए पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के आपराधिक गिरोहों से रिक्रूटमेंट का काम कर रहा है. साथ ही सुनील मयंक सिंह के साथ बैठकर झारखंड, बंगाल, छत्तीसगढ़ के कोल और ट्रांसपोर्ट कंपनियों से रंगदारी वसूली का पिच तैयार कर पलामू सेंट्रल जेल में बंद अमन साहू के गैंग का प्रभाव बढ़ा रहा है.

बना सिरदर्द

- सुनील लॉरेंस बिश्नोई गैंग के विश्वस्त लोगों में रह चुका है
- भारत से मलेशिया गया सुनील लॉरेंस के संपर्क में आया

अमन साहू गैंग से जुड़ा है सुनील मीणा

सुनील लॉरेंस गैंग के अलावा झारखंड के डॉन अमन साहू के राइट हैंड माने जाने वाले मयंक सिंह से जुड़ा और आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिलाने लगा. अमन साहू गैंग के इशारे पर सुनील ने ही झारखंड में कोल ट्रांसपोर्ट कर रही छत्तीसगढ़ की आरकेटीसी कंपनी के कोरबा स्थित ऑफिस में अधिकारियों पर फायरिंग करायी थी. सुनील ने इस कंपनी के डायरेक्टर सुशील सिंघल की हत्या की नीयत से रायपुर स्थित कंपनी के हेड ऑफिस पर फायरिंग करवायी थी. इसे लेकर बीते दिनों झारखंड के डीजीपी और एनआईए के डीजी के बीच चर्चा भी हुई है कि विदेश में बैठकर झारखंड में आपराधिक गिरोह चला रहे दो मोस्ट वांटेड अपराधियों को भारत लाने की कवायद तेज होगी. इन दोनों मोस्ट वांटेड अपराधियों में धनबाद पुलिस के लिए चुनौती बने प्रिंस खान और अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह उर्फ सुनील सिंह मीणा शामिल हैं. ये दोनों अपराधी विदेश में रहकर झारखंड में अपने शूटर के माध्यम से आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिला रहे हैं. प्रिंस खान शारजाह में रहकर तो सुनील मलेशिया में रहकर गिरोह का संचालन कर रहा है.

कार्रवाई देवेंद्र गुपचुप तरीके से आदिवासी पारंपरिक पोशाक में समाहरणालय पहुंचे थे

जेबीकेएसएस प्रत्याशी देवेंद्र महतो गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

नामांकन दाखिल करने पहुंचे जेबीकेएसएस के रांची लोकसभा प्रत्याशी देवेंद्र नाथ महतो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. देवेंद्रनाथ को रांची पुलिस ने शनिवार को रांची समाहरणालय से गिरफ्तार किया. रांची में विधानसभा घेराव मामले में पुलिस ने देवेंद्र को गिरफ्तार किया. विधानसभा घेराव मामले में नगड़ी थाना केस संख्या 48/22 में दर्ज हुआ था.

इस मामले में देवेंद्र समेत कई अन्य के खिलाफ वारंट जारी हुआ था. जानकारी के मुताबिक, देवेंद्र गुपचुप तरीके से आदिवासी पारंपरिक पोशाक पहनकर समाहरणालय पहुंचे थे.

इस दौरान पहले से ही इंतजार कर पुलिस की नजर देवेन्द्र पर पड़ी और उन्हें गिरफ्तार कर लिया. दूसरी ओर गिरिडीह लोकसभा सीट से बुधवार को जयराम महतो ने नामांकन दाखिल किया था. बोकारो डीसी विजया जाधव को उन्होंने नामांकन पत्र सौंपा. इसके बाद उन्होंने पुलिस से आग्रह किया कि बोकारो के चास में उनकी चुनावी सभा है.

लोस प्रत्याशी

- देवेंद्र महतो समेत कई अन्य के खिलाफ वारंट जारी हुआ था
- विधानसभा घेराव मामले में नगड़ी थाने में दर्ज की गई थी प्राथमिकी

चुनावी सभा की इजाजत दे दी जाए. पुलिस ने इसकी इजाजत दे दी. जयराम ने जनसभा को संबोधित किया और उसके बाद से उनका कोई अता-पता नहीं है. रांची में विधानसभा घेराव मामले में उनको गिरफ्तार करने के लिए रांची पुलिस पहुंची थी, लेकिन उसे खाली हाथ लौटना पड़ा था.

स्क्रूटनी में 23 प्रत्याशियों का नामांकन वैध, आठ रद्द

संवाददाता। चतरा

चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए 26 अप्रैल से 3 मई 2024 तक नाम निर्देशन की तिथि निर्धारित थी. जिसमें कुल 31 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र निर्वाची पदाधिकारी के समक्ष दाखिल किया था. शनिवार को नाम निर्देशन पत्र की स्क्रूटनी हुई. जिसमें 23 प्रत्याशियों का नाम निर्देशन पत्र वैध पाया गया. वहीं 08 प्रत्याशियों का त्रुटिपूर्ण रहने के कारण नाम निर्देशन पत्र रद्द किया गया. नाम निर्देशन पत्र सीताराम सिंह, रूपेश उरांव, नब्बू भुइयां, अनुज कुमार, उमेश गंझु, राजेश कुमार सिंह, सुचित्रा सिन्हा, अशेष सिंह का रद्द हुआ है. ऐसे में अब अर्जुन दांगी (सीपीआई), काली चरण सिंह (भारतीय जनता पार्टी), दीपक कुमार गुप्ता (स्वतंत्र), डॉ. अभिषेक कुमार सिंह (निर्दलीय), केएन त्रिपाठी कांग्रेस, जय प्रकाश सिंह भोगता (निर्दलीय) व नागमणि (बहुजन समाज पार्टी) सहित कुल 23 प्रत्याशी बचे हैं. अब नाम वापसी का समय बचा है.

चतरा चुनाव

- 31 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया था
- सीताराम सिंह व रूपेश उरांव का नामांकन पत्र रद्द हुआ

ब्रीफ खबरें

इंडोनेशिया में बाढ़ से 14 लोगों की मौत

जकार्ता । इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप में बाढ़ और भूस्खलन के कारण 14 लोगों की मौत हो गई. अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि दक्षिण सुलावेसी प्रांत के लुवु जिले में गुरुवार से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन हुआ. बाढ़ से 13 उप-जिले प्रभावित हुए हैं. क्षेत्र में अधिकतर जगह पानी और कीचड़ नजर आ रहा है. बारिश के कारण 1,000 से अधिक घर प्रभावित हुए हैं, जिनमें से 42 तहस-नहस हो गए हैं. बचाव दल ने लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया.

कांगो में बम विस्फोट 12 लोगों की मौत

गोमा (कांगो) । पूर्वी कांगो के उत्तरी किवु प्रांत में विस्थापित लोगों के दो शिविरों पर किए गए हमलों में बच्चों सहित कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई. स्थानीय अधिकारियों, एक सहायता समूह और संयुक्त राष्ट्र ने यह जानकारी दी. संयुक्त राष्ट्र ने एक बयान में बताया कि उत्तरी किवु की प्रांतीय राजधानी गोमा शहर के पास लैक वर्ट और मुगुंगा में विस्थापित लोगों के दो शिविरों पर बम से हमले किए गए. संयुक्त राष्ट्र ने इन हमलों को कानून का घोर उल्लंघन बताया.

हैती में भारी बारिश से 13 लोगों की मौत

पोर्ट ऑ प्रिंस । उत्तरी हैती में दो दिन से जारी भारी बारिश के कारण कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. हैती की नागरिक सुरक्षा एजेंसी के गुरुवार के बयान के अनुसार, अधिकतर लोगों की मौत तटीय शहर कैप-हैतीएन के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में भूस्खलन के कारण हुईं. अधिकारियों ने बताया कि 2,200 से अधिक घरों में पानी भर गया और हौट-कैप नदी में पशुओं के बह जाने से लोगों को काफी नुकसान हुआ. बचाव कर्मी उत्तरी हैती में सड़कें साफ कर रहे हैं.

सीमा पर हेरोइन के दो पैकेट- ड्रोन बरामद

चंडीगढ़ : भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास तीन अलग-अलग घटनाओं में एक ड्रोन और हेरोइन के दो पैकेट बरामद किए गए. बीएसएफ ने कहा कि शुक्रवार को तरनतारन जिले के कालिया गांव में एक खेत से टूटी हालत में ड्रोन बरामद किया गया. प्रवक्ता ने कहा कि ड्रोन चीन निर्मित 'डीजेआई मविक 3 क्लासिक' था. वहीं, एक अन्य घटना में जवानों ने अमृतसर के हरदो रतन गांव के पास एक खेत से 460 ग्राम हेरोइन का पैकेट बरामद किया.

कोलकाता के पास फैक्टरी में लगी आग

कोलकाता । कोलकाता के 'न्यू टाउन' इलाके में शनिवार सुबह कपड़े की फैक्टरी में आग लग गई. अधिकारियों ने बताया कि आग की लपटें सुबह करीब आठ बजे पांच मंजिला इमारत की चौथी मंजिल पर देखी गईं जहां अन्य वाणिज्यिक इकाइयां भी हैं. अधिकारियों ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. आग पर काबू पाने के लिए दमकल की चार गाड़ियों को काम पर लगाया गया. अग्निशमन विभाग ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया.

लोकसभा चुनाव में शतरंज खिलाड़ी गैरी कास्परोव की इंट्री, तंज कसा-

चैंपियन बनने से पहले राहुल को रायबरेली से जीतना चाहिए

एजेंसी। नयी दिल्ली/मॉस्को

भारत के लोकसभा चुनाव में अब विश्वप्रसिद्ध शतरंज खिलाड़ी वर्ल्ड चैंपियन गैरी कास्परोव की इंट्री हो गयी है. रायबरेली और वायनाड सीट से कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार राहुल गांधी पर तंज कसा है. रूसी ग्रैंडमास्टर गैरी कास्परोव ने कहा कि शतरंज का चैंपियन बनने से पहले आपको (राहुल) रायबरेली सीट से जीतना चाहिए. शुक्रवार की रात कास्परोव की पोस्ट एक ट्वीट के जवाब में सामने आयी, जिसमें एक यूजर ने लिखा कि यह राहत की बात है कि रूसी ग्रैंडमास्टर कास्परोव और शतरंज के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद जल्दी रिटायर हो गये. आगे लिखा कि उन्हें हमारे समय की सबसे बड़ी शतरंज प्रतिभा का सामना नहीं करना पड़ा. इस पोस्ट में राहुल गांधी की शतरंज खेलते हुए एक फोटो डाली गयी थी. इसका जवाब कास्परोव ने दिया. लिखा कि यह परंपरा रही है कि चुनौती देने से पहले आपको पहले रायबरेली से जीतना चाहिए! इस क्रम में उन्होंने अभिनेता रणवीर शौरी के उस ट्वीट का भी जवाब दिया, जिसमें शौरी ने राहुल गांधी का एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा था, अच्छा है, लेकिन क्या आप इस कदम को संभाल सकते हैं?

मेरा छोटा सा मजाक भारतीय राजनीति में वकालत के लिए बेकार नहीं जायेगा

कास्परोव ने लिखा, मुझे बहुत उम्मीद है कि मेरा छोटा सा मजाक भारतीय राजनीति में वकालत के लिए बेकार नहीं जायेगा! राजनेता मेरे प्रिय खेल में दखल दे रहे हैं, जान लें कि रायबरेली से राहुल गांधी के चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा कि रायबरेली से राहुल गांधी को मैदान में उतारने के पार्टी के कदम ने भाजपा को भ्रमित कर दिया है. राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने की खबर पर कई लोगों की कई राय हैं.

याद रखें, वह राजनीति और शतरंज के अनुभवी खिलाड़ी हैं : जयराम रमेश

जयराम रमेश ने लिखा, याद रखें वह राजनीति और शतरंज के अनुभवी खिलाड़ी हैं. लिखा कि पार्टी नेतृत्व बहुत चर्चा के बाद और एक बड़ी रणनीति के तहत अपने फैसले लेता है. इस एक फैसले ने भाजपा, उसके समर्थकों और उसके चाटुकारों को भ्रमित कर दिया है. दो दिन पूर्व राहुल गांधी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने शतरंज के खेल की तुलना राजनीति से करते हुए बताया था कि उन्होंने पहली बार शतरंज तब खेला था जब वह सात साल के थे. उस व्यक्ति को हराया था, जिसने उन्हें खेल के नियम सिखाये थे. राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि उनके पसंदीदा शतरंज खिलाड़ियों में गैरी कास्परोव भी थे.

कनाडा में हरदीप निज्जर हत्याकांड

तीन भारतीय नागरिक गिरफ्तार कुछ अन्य की भी गिरफ्तारी संभव

एजेंसी। ओटावा/न्यूयॉर्क

कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के संबंध में तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार करने वाले कनाडाई प्राधिकारियों ने कहा कि उनकी जांच अभी समाप्त नहीं हुई है और इस हत्याकांड में अन्य लोगों ने भी अहम भूमिका निभाई है, जिन्हें गिरफ्तार किया जाएगा. एडमॉन्टन में रहने वाले 22 वर्षीय करण बराड़, 22 वर्षीय कमलप्रीत सिंह और 28 वर्षीय करणप्रीत सिंह पर हत्या व हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है. रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने शुक्रवार को कहा कि वह निज्जर की हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता की जांच कर रही है. निज्जर एक कनाडाई नागरिक था. मामले की जांच कर रहे अधिकारियों का मानना है कि गिरफ्तार किए गए लोग उस कथित समूह के सदस्य हैं जिन्हें पिछले साल भारत सरकार ने निज्जर की हत्या करने का काम सौंपा था. निज्जर (45) की 18 जून, 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर हत्या कर दी गई थी.

सांसद प्रज्वल रेवन्ना के उत्पीड़न का मामला

राहुल गांधी ने पीड़िताओं को मदद देने के लिए सीएम को लिखा पत्र

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को पत्र लिखकर सांसद प्रज्वल रेवन्ना के उत्पीड़न का शिकार हुईं पीड़िताओं को हरसंभव मदद देने को कहा है. पार्टी के पूर्व अध्यक्ष ने सिद्धरमैया को लिखे पत्र में सांसद प्रज्वल रेवन्ना के कृत्यों की निंदा की और उनके ऊपर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का हाथ होने का आरोप लगाया. प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने अभी तक ऐसा जनप्रतिनिधि नहीं देखा, जिसने महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों पर लगातार चुप्पी साधे रखी हो. गांधी ने मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा, मैं आपसे (सिद्धरमैया) अनुरोध करता हूं कि कृपया पीड़िताओं को हरसंभव सहायता प्रदान करें. उन्होंने कहा, वे हमारी करुणा और एकजुटता की पात्र हैं क्योंकि वे न्याय के लिए अपनी लड़ाई लड़ रही हैं. यह सुनिश्चित करना हमारा सामूहिक कर्तव्य है कि इन जघन्य अपराधों के लिए जिम्मेदार सभी लोगों को सजा दी जाए. संबंधित घटनाओं को भयावह यौन हिंसा करार देते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि प्रज्वल रेवन्ना ने बीते कई वर्षों में सैकड़ों महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया और उनका वीडियो बनाया.

गांधी ने कहा, उनमें से कई महिलाएं, जो उसे भाई और बेटे के रूप में देखती थीं, उनके साथ भी हिंसक तरीके से क्रूरता की गई और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाई गई. हमारी माताओं और बहनों से दुष्कर्म के लिए सबसे सख्त सजा दिए जाने की आवश्यकता है. कांग्रेस नेता ने कहा, मुझे यह जानकर गहरा सदमा लगा कि दिसंबर 2023 में जी देवराजे गौड़ा ने प्रज्वल रेवन्ना की हरकतों, विशेष रूप से उनके यौन हिंसा के इतिहास और वीडियो के बारे में हमारे गृह मंत्री अमित शाह को बताया था. उन्होंने कहा कि इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि केंद्र में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को इन वीभत्स आरोपों की जानकारी थी लेकिन इसके बावजूद मोदी ने एक बलात्कारी के लिए प्रचार किया.

गांधी ने कहा, इसके अलावा केंद्र सरकार ने जानबूझकर रेवन्ना को भारत से भागने दिया ताकि जांच को नुकसान पहुंचाया जा सके. इन अपराधों की प्रकृति को देखते हुए और प्रधानमंत्री व गृह मंत्री का सिर पर हाथ होने से जद-एस नेता को मिले फायदे की कड़ी निंदा होनी चाहिए. उन्होंने आरोप लगाया, अपने दो दशकों के जनसेवा इतिहास में मैंने कभी ऐसा वरिष्ठ जनप्रतिनिधि नहीं देखा, जिसने महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर निरंतर चुप्पी साधे रखी हो. हरियाणा की हमारी पहलवानों से लेकर मणिपुर की हमारी बहनों तक सभी भारतीय महिलाओं को ऐसे अपराधियों को प्रधानमंत्री के मौन समर्थन का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है. गांधी ने कहा कि माताओं और बहनों के लिए न्याय की लड़ाई लड़ना कांग्रेस का नैतिक कर्तव्य है. उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि कर्नाटक सरकार ने इन गंभीर आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है और प्रधानमंत्री से प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने व उन्हें जल्द से जल्द भारत लाए जाने का अनुरोध भी किया है.सिद्धरमैया ने 'एक्स' पर गांधी के पत्र को पोस्ट किया.

रेवन्ना के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया

बेंगलुरु । कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने शनिवार को कहा कि एसआईटी ने होलेनरासीपुर से जद (एस) के विधायक एचडी रेवन्ना के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है और उनके खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं. रेवन्ना और उनके बेटे तथा सांसद प्रज्वल रेवन्ना यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व मंत्री रेवन्ना के पास मामले की जांच कर रही एसआईटी के समक्ष पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए शनिवार शाम तक का समय है. रेवन्ना को इस मामले में दूसरा नोटिस (समन) जारी किया गया है. परमेश्वर ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा, पूछताछ के सिलसिले में एसआईटी के सामने पेश होने के लिए रेवन्ना के पास शनिवार शाम तक का समय है. उन्हें दूसरा नोटिस दिया गया था. इस बीच, पता चला है कि मैसूरू अपहरण मामले में उन्होंने जमानत के लिए आवेदन किया है.

पुरी से कांग्रेस प्रत्याशी सुचरिता मोहंती ने लौटा दिया टिकट

पार्टी से वित्तीय मदद नहीं मिलने पर जतायी नाराजगी

एजेंसी। भुवनेश्वर

ओडिशा में पुरी लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी सुचरिता मोहंती ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है और पार्टी से वित्तीय मदद न मिलने का आरोप लगाते हुए पार्टी टिकट लौटा दिया. सुचरिता ने शुक्रवार को कांग्रेस महासचिव केसी. वेणुगोपाल को एक ईमेल भेजा, जिसमें उन्होंने दावा किया कि पुरी लोकसभा क्षेत्र में उनका प्रचार अभियान बुरी तरह प्रभावित हुआ है क्योंकि पार्टी ने वित्तीय मदद देने से इनकार कर दिया है. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के ओडिशा प्रभारी अजॉय कुमार ने स्पष्ट रूप से उनसे अपने दम पर चुनाव लड़ने को कहा है. सुचरिता ने कहा, मैं एक वेतनभोगी पेशेवर पत्रकार थी और 10 वर्ष पहले चुनावी राजनीति में प्रवेश किया था. मैंने पुरी में प्रचार अभियान में अपना सबकुछ झोंक दिया. मैंने प्रगतिशील राजनीति के लिए अपने प्रचार अभियान के समर्थन में चंदा अभियान चलाने की भी कोशिश की लेकिन अब तक कोई खास सफलता नहीं मिली है. मैंने अनुमानित अभियान खर्च को कम से कम रखने की भी पूरी कोशिश की. चूंकि सुचरिता अपने दम पर धन जुटाने में सक्षम नहीं थीं, इसलिए उन्होंने पुरी लोकसभा क्षेत्र में प्रभावशाली अभियान चलाने के लिए पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व सहित सभी वरिष्ठ नेताओं से वित्तीय मदद के लिए संपर्क किया था.

ईडी ने एल्विश यादव के खिलाफ मामला दर्ज किया

लखनऊ । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यूट्यूबर सिद्धार्थ यादव उर्फ एल्विश यादव और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ पार्टियों में मादक पदार्थ के रूप में सांप के जहर का संदिग्ध रूप से इस्तेमाल के आरोप में धनशोधन का मामला दर्ज किया है. केंद्रीय एजेंसी ने पिछले महीने उत्तर प्रदेश में गौतम बौद्ध नगर (नोएडा) जिला पुलिस द्वारा एल्विश और उससे जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ दायर एक प्राथमिकी और आरोप पत्र का संज्ञान लेने के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया है. सूत्रों ने बताया कि जांच के दौरान यादव और मामले से जुड़े कुछ अन्य लोगों से पूछताछ की जाएगी. नोएडा पुलिस ने कथित तौर पर यादव द्वारा आयोजित पार्टियों में मादक पदार्थ के रूप में सांप के जहर के इस्तेमाल की जांच के सिलसिले में 17 मार्च को यादव को गिरफ्तार किया था.

रोहित वेमुला की मां ने सीएम से की मुलाकात

हैदराबाद । रोहित वेमुला की मां राधिका वेमुला ने शनिवार को यहां तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात कर न्याय दिलाने का अनुरोध किया. इस संबंध में एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि रेड्डी ने उन्हें आश्वासन दिया कि 2016 में हैदराबाद विवि के छात्र वेमुला की आत्महत्या से जुड़े मामले की दोबारा जांच की जाएगी और न्याय दिलाया जाएगा. पुलिस ने वेमुला की मौत के मामले में एक स्थानीय अदालत के समक्ष एक क्लोजर रिपोर्ट दायर की है, जिसमें दावा किया गया है कि वह दलित नहीं था.

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली भाजपा में शामिल

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद अरविंदर सिंह लवली शनिवार को बीजेपी में शामिल हो गए हैं. लवली के साथ ही कांग्रेस नेता राजकुमार चौहान, अमित मलिक, नसीब सिंह और नीरज बसोया ने भी बीजेपी का दामन थाम लिया है. लवली केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए. इस दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने कहा कि रायबरेली में प्रियंका गांधी के पोस्टर लगे थे, कांग्रेस कार्यकर्ता चाहते थे कि प्रियंका गांधी रायबरेली से चुनाव लड़ें. लेकिन राहुल गांधी आए और उन्होंने रायबरेली से नामांकन दाखिल किया. पीएम मोदी का नारा है बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, लेकिन कांग्रेस का नारा है बेटा बचाओ, बेटा बढ़ाओ. इस तरह की राजनीति से तंग आकर लवली भाजपा में शामिल हो गए हैं.

ठाणे में टेपों और टैंकर में टक्कर, चार की मौत

ठाणे । महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मालशेज घाट पर दूध ले जा रहे एक टैंकर के टेम्पो से टकराकर नदी में गिर गया. पुलिस ने शनिवार को बताया कि हादसे में चार लोगों की मौत हो गई. अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को देर रात करीब दो बजे कल्याण-नगर मार्ग पर बोरान्डे गांव के समीप दुर्घटना हुई. तोकावडी पुलिस थाने के निरीक्षक दिनकर चाकोर ने बताया कि दूध टैंकर और सब्जी से लदा हुआ टेम्पो आलेफाटा से कल्याण की ओर जा रहे थे. अधिकारी ने बताया कि टैंकर ने टेम्पो को टक्कर मारी और फिर नदी में गिर गया. हादसे में टैंकर में यात्रा कर रहे एक दंपती, उसके चालक और टेम्पो के चालक की मौत हो गई.

अग्रिम जमानत याचिका कोर्ट ने की खारिज

अपहरण मामले में एचडी रेवन्ना को एसआईटी ने किया गिरफ्तार

एजेंसी। बेंगलुरु

सैकड़ों महिलाओं के यौन शोषण के मामले में फंसे पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के बेटे जेडीएस नेता एचडी रेवन्ना को कर्नाटक पुलिस की एसआईटी ने गिरफ्तार कर लिया है. उनसे एक पीड़ित महिला के अपहरण के मामले में पूछताछ की जा रही है. बीते गुरुवार को मैसूरु में एक महिला के अपहरण के आरोप में केस दर्ज कराया गया था. वो महिला भी यौन शोषण की शिकार है.

प्रज्वल के खिलाफ 'ब्लू कॉर्नर नोटिस' जारी हो सकती है

बेंगलुरु । प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े 'सेक्स स्कैंडल' की जांच कर रहे एसआईटी ने शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को सूचित किया कि सीबीआई द्वारा प्रज्वल के खिलाफ 'ब्लू कॉर्नर नोटिस' जारी करने की संभावना है. मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, सिद्धरमैया ने एसआईटी अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की थी.

बसपा ने जसवीर सिंह गढ़ी को मैदान में उतारा

चंडीगढ़। बसपा ने शनिवार को अपनी पंजाब इकाई के प्रमुख जसवीर सिंह गढ़ी को आनंदपुर साहिब संसदीय क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बनाया. इस संबंध में बसपा के पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ प्रभारी रणधीर सिंह बेनीवाल ने घोषणा की. बेनीवाल ने कहा कि इसके साथ ही बसपा ने अब पंजाब की सभी 13 लोकसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. आनंदपुर साहिब सीट का प्रतिनिधित्व वर्तमान में कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी कर रहे हैं, जिन्हें अब पार्टी ने चंडीगढ़ लोकसभा सीट से मैदान में उतारा है.

थरूर बोले- 'इंडिया' गठबंधन का पीएम सबको समान भाव से देखेगा

चुनाव बाद साथ आएंगे विपक्षी दल

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस के नेता शशि थरूर ने कहा है कि एक साथ या एक-दूसरे के खिलाफ प्रचार कर रहे विपक्षी दल लोकसभा चुनाव के बाद साथ आ जाएंगे और 'इंडिया' गठबंधन की सरकार में लोगों को ऐसा प्रधानमंत्री मिलेगा, जो सबको समान भाव से देखता हो और दूसरों की बात सुनता हो. थरूर ने पीटीआई के मुख्यालय में बातचीत में कहा कि गठबंधन सरकार को लेकर डर की कोई बात नहीं है. एक पार्टी की सरकारों की तुलना में ऐसी (गठबंधन) सरकारों के तहत भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन बेहतर होता है. थरूर ने कहा कि यह परिवर्तन का चुनाव है और भाजपा ने विमर्श पर अपनी पकड़ खो दी है. थरूर ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने के पार्टी के फैसले का भी बचाव किया और कहा कि निमंत्रण को अस्वीकार करना सही था क्योंकि यह प्रधानमंत्री मोदी के महिमामंडन के लिए आयोजित एक राजनीतिक समारोह था.

उन्होंने कहा, मेरे विचार से अगर हमने ऐसा किया होता तो यह एक गलती होती. एक विशुद्ध राजनीतिक फैसले के तौर पर देखें तो यह सही निर्णय था. थरूर ने कहा कि यह सच है कि गठबंधन सरकार एकदलीय सरकार से बहुत अलग तरह से काम करती है. मुझे लगता है, गठबंधन सरकार को लेकर डर की कोई बात नहीं है. मैंने जिन मतदाताओं से बात की उनमें से अधिकतर की सोच थी कि मैं जिस उम्मीदवार को वोट दे रहा हूं वह कौन है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

आईआईटी मद्रास करा रहा है डेटा साइंस एंड एप्लीकेशन में चार साल का बीएस डिग्री कोर्स

शुभम संदेश नेटवर्क

डेटा साइंस और एप्लीकेशन में आईआईटी मद्रास की बीएस डिग्री के चार साल पूरे हो रहे हैं. संस्थान ने अब तक इस प्रोग्राम के 2,500 से अधिक स्टूडेंट्स को को नौकरी या पदोन्नति लेने में सक्षम बनाया है. 850 से अधिक स्टूडेंट्स कॉर्नेल यूनिवर्सिटी और जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएस और आल्टो यूनिवर्सिटी, फिनलैंड जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के मास्टर और पीएचडी प्रोग्राम में प्रवेश पाने में सफल रहे हैं. इतना ही नहीं, बहुत से स्टूडेंट अपने प्राथमिक डोमेन से स्ट्रीम बदल कर कंप्यूटर साइंस या डेटा साइंस में एडमिशन ले चुके हैं. जून 2020 में शुरू किया गया यह एक अभूतपूर्व प्रोग्राम है, जो आईआईटी मद्रास से पढ़ने के इच्छुक छात्रों का सपना जेईई की कठिन परीक्षा दिए बिना संभव बनाता है. वर्तमान में पूरे भारत के 27,000 से अधिक छात्र इस प्रोग्राम में नामांकित हैं. पढ़ाई ऑनलाइन होती है और परीक्षाएं फिजिकल मोड में होती हैं. देश भर में और विदेशों में भी कुल 150 केंद्रों पर परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं. इस तरह बीएस डिग्री के माध्यम से संस्थान ने भौगोलिक और उम्र जैसी बाधाओं को दूर कर विद्यार्थियों को आईआईटी की उच्च गुणवत्ता के साथ उच्च शिक्षा जन-जन के लिए सुलभ बना दिया है.

26 मई तक कर सकते हैं आवेदन

- मई 2024 बैच के लिए 26 मई 2024 तक आवेदन कर सकते हैं. उम्मीदवार वेबसाइट - https://study.iitm.ac.in/ds/के माध्यम से आवेदन करें. आईआईटी, मद्रास के निदेशक प्रो वी कामकोटि ने प्रोग्राम की सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि हमारे बीएस डेटा साइंस प्रोग्राम और इसके छात्रों की उपलब्धियों पर मुझे गर्व है. इस प्रोग्राम के माध्यम से हमने कड़ी मेहनत करने और सीखने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए आईआईटी- एम के दरवाजे खोल दिए हैं. हमें विश्वास है कि हम समाज के सभी वर्गों तक पहुंचने के लिए ऐसे और प्रोग्राम शुरू करेंगे. सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को भी शिक्षा का समान अवसर मिले, इसलिए इस प्रोग्राम में शुल्क माफ करने और अन्य सहायता देने का भी प्रावधान किया गया है.
- सालाना पांच लाख रुपये (5 एलपीए) से कम पारिवारिक आय वाली सभी छात्राओं के लिए शुल्क पूरी तरह से माफ कर दिया गया है. इसी तरह सालाना एक लाख रुपये (1 एलपीए) से कम पारिवारिक आय वाले सभी छात्रों के लिए यह शुल्क पूरी तरह माफ है. यह सीएसआर के सहयोग से संभव होता है, जिसमें वेरिजोन, रेनॉल्ट निसान, एचएसबीसी, टाटा एआइए, सदरलैंड, एलटीटीएस, एलएंडटी थेल्स, डन एंड ब्रैड स्ट्रीट और वॉलमार्ट जैसी कंपनियों के अलावा लोगों के निजी आर्थिक योगदान और फिर सरकार की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत आर्थिक योगदान शामिल है. अब तक 3,645 से अधिक छात्र ये लाभ उठा चुके हैं और सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और इसमें उनकी आर्थिक तंगी बाधक नहीं बन रही है.
- प्रोफेसर इन चार्ज, बीएस (डेटा साइंस एंड एप्लीकेशन), आईआईटी मद्रास प्रो एंड्रयू थंगराज ने बताया कि हमारे चार वर्षीय बीएस डिग्री प्रोग्राम के सबसे आरंभिक बैच के विद्यार्थियों के लिए चार साल की पढ़ाई पूरी करना और ग्रेजुएट होना अभी बाकी है. लेकिन इसके छात्रों की उपलब्धियां और प्रशस्तियां उल्लेखनीय हैं.

प्रोग्राम में एग्जिट के कई विकल्प दिए गए हैं : प्रो विग्नेश

बीएस प्रोग्राम की विशिष्टताएं बताते हुए प्रोफेसर-इन-चार्ज, बीएस (डेटा साइंस एंड एप्लीकेशन), आईआईटी मद्रास प्रो विग्नेश मुत्थुविजयन ने कहा कि प्रोग्राम में एग्जिट के कई विकल्प दिए गए हैं. इससे छात्रों के लिए प्रत्येक स्तर पर आवश्यक कौशल हासिल करना संभव होता है और वे वांछित लक्ष्यों की ओर अग्रसर रहते हैं. इसके अलावा इस प्रोग्राम का एक समग्र दृष्टिकोण है, जिसके तहत प्रोजेक्ट के आधार पर असाइनमेंट, अनुसंधान, शिक्षा प्रतियोगिताओं में भागीदारी और छात्र समुदायों में लीडरशिप, शिक्षा का बेहतर अनुभव और प्रतिभागियों के अंदर मूल्यवान कौशल का विकास किया जाता है.

आईआईटी मद्रास की बीएस टीम की पुरजोर कोशिश प्रोग्राम में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों के लिए अवसर बढ़ाना है. यह विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से साझेदारी कर डिग्री स्तर के बीएस छात्रों को उनके कैंपस में कोर्स करने और उनके कोर्स का बीएस प्रोग्राम में क्रेडिट लेने में सक्षम बना रहा है. इस तरह छात्रों को खुद फैकल्टी से बात करने और उनके साथ काम करने की संभावना तलाशने का अवसर मिलता है. इस प्रोग्राम में शिक्षा सहायक और मेंटर भी नियुक्त किए गए हैं, जो कोर्स के विद्यार्थियों को शैक्षिक सहायता देते हैं और उन्हें इस कार्य अवधि में आईआईटीएम कैंपस में रहने की सुविधा दी जाती है.

केस स्टडी

1. प्रोग्राम में लचीलापन होने से विद्यार्थी पढ़ाई के बैकग्राउंड और उपलब्ध समय के अनुसार अपनी गति से कोर्स पूरा कर सकते हैं. पाठ्य सामग्री हर हमेशा उपलब्ध रहती है. यही वजह है कि रेनी नोरोन्हा और आराधना आनंद जैसी छात्राएं अपनी वैकल्पिक अभिरुचि और शिक्षा के बीच संतुलन बनाने में सफल हैं.उन्हें किसी से भी नाता नहीं तोड़ना पड़ा.
2. 18 साल की रेनी नोरोन्हा भारत की सबसे कम उम्र की महिला 'आयरनमैन' एथलीट हैं. 16 घंटे के रिकॉर्ड समय में न्यूजीलैंड में आयरनमैन का लक्ष्य पूरा कर चुकी हैं. रेनी इसके लिए हर दिन कुछ घंटे प्रशिक्षण लेती हैं और मई 2024 में डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रम में प्रवेश लेनेवाली हैं.
3. 21 साल की आराधना आनंद एक प्रोफेशनल हरिकथा परफॉर्मर हैं, जो लगातार अलग-अलग शहरों और देशों में परफॉर्म करती हैं. फिर भी वे अपनी पढ़ाई और परीक्षा जारी रख पाती हैं, क्योंकि भारत और विदेशों में कुल मिला कर 150 से अधिक शहरों में परीक्षा केंद्र हैं. जिन देशों में सेंटर नहीं हैं, वहां ऑनलाइन रिमोट प्रॉक्टरिंग के साथ परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)